राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

04 ई-20 के खिलाफ टाउनहॉल में बोले केजरीवाल .....

तेजस्विन शंकर बने डेकाथलन में पदक 11

वर्ष : 17 | अंक : 100 | नई दिल्ली, रविवार, 02 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 39.0°C
न्यूनतम तापमान 28.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,42,840

चांदी 2,35,000

सेंसेक्स 78,094.64

निफ्टी 24,383.60

संक्षिप्त खबरें

असम बाढ़: गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिये 11 करोड़

गुवाहाटी। असम में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए पूरा देश एकजुट होकर सामने आ रहा है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। इस कड़ी में देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अदानी द्वारा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए दिए गये दान का मुख्यमंत्री ने जिक्र किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम के बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद के लिए गौतम अदानी ने मुख्यमंत्री की सहायता कोष में 11 करोड़ रुपए का दान दिया, यह खबर अचानक मुझे पता चली। हमेशा प्रचार से दूर रहकर चुपचाप काम करने वाले अदानी ने इस बार भी सिर्फ आर्थिक मदद तक ही सीमित नहीं रहकर, बाढ़ पीड़ित हजारों परिवारों के पास समय पर मदद पहुंचाने के लिए विभिन्न माध्यमों से संपत्ति जुटाने की दिशा में भी चुपचाप काम किया है। उन्होंने कहा है कि असम के विकास की यात्रा में निवेश करने के मामले में उन्होंने जो भरोसा और साहस दिखाया है, आज भी संकट के इस समय में असम के आम लोगों के प्रति वही जिम्मेदारी और सहानुभूति दिखा रहे हैं। असम के मुश्किल समय में आम लोगों के साथ खड़े होने के इस मानवीय कदम के लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद को लेकर समाज के विभिन्न स्तरों से मदद का सिलसिला जारी है। इस मदद के हर एक योगदान का इस्तेमाल पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ जरूरतमंद लोगों की जिंदगी को फिर से संवारने में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली लक्ष्मी योजना की शुरूआत की, पोर्टल का किया शुभारंभ

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्न की आधिकारिक शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने पूर्वी दिल्ली स्थित जिलाधिकारी कार्यालय (डीएम ऑफिस) में आयोजित कार्यक्रम में योजना के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना आर्थिक सहायता से आगे बढ़कर महिलाओं को बचत, डिजिटल वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता से जोड़ने वाला देश का एक अभिनव मॉडल बनेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का जो संकल्प लिया था, आज उसे धरातल पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि दिल्ली मंत्रिमंडल द्वारा इस योजना को ह्यमहिला समृद्धि योजनाह्न के नाम से स्वीकृति प्रदान की गई थी, बाद में महिलाओं के सम्मान, समृद्धि एवं आर्थिक सशक्तीकरण की व्यापक भावना को ध्यान में

रखते हुए इसका नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक चरण में यह योजना तीन वर्षों के लिए लागू की जाएगी और इससे लगभग 17 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा। योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को प्रत्येक माह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ भविष्य के लिए आर्थिक बचत भी सुनिश्चित कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि योजना को पारंपरिक नकद सहायता योजनाओं से अलग स्वरूप दिया गया है। लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार दो वित्तीय विकल्प उपलब्ध कराए जाएंगे। पहले विकल्प में प्रत्येक माह 1,000 रुपये सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी वॉलेट में उपलब्ध होंगे, जिनका उपयोग दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकेगा, जबकि शेष 1,500 रुपये आरडी एवं एफडी में जमा होंगे। दूसरे विकल्प में संपूर्ण 2,500 रुपये प्रतिमाह आरडी एवं एफडी में जमा किए जाएंगे, जिससे समय के साथ ब्याज सहित पर्याप्त बचत तैयार होगी। इस प्रकार योजना महिलाओं को तत्काल आर्थिक सहायता के साथ-साथ दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का उपयोग केवल परिवार की आवश्यक जरूरतों के लिए सुनिश्चित करने के लिए सीबीडीसी वॉलेट में डिजिटल नेगेटिव लिस्ट लागू की जाएगी। इसके अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थों, लॉटरी टिकट, जुआ, सट्टेबाजी और सरकार द्वारा समय-समय पर प्रतिबंधित अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के लिए नहीं किया जा सकेगा। इससे सरकारी सहायता का उपयोग परिवार के हित में सुनिश्चित होगा।

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश को दी 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात

प्रात: किरण, एजेंसी

भोगापुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इससे पहले भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण किया। इसके बाद सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। 60 लाख यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाले इस हवाई अड्डे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज प्रणाली और एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसका स्थापत्य आंध्र प्रदेश की पारंपरिक ह्यचुट्टिलुह्न

झोपड़ियों, अराकू घाटी और उड़ने वाली मछली से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत यह परियोजना एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के सहयोग से विकसित की जा रही है। इस संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन होगा और उच्च कौशल वाले रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने लगभग 5,550 करोड़ रुपये की लागत वाली कुरनूल-4 अक्षय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) फेज-1 ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला रखी। उन्होंने लगभग 3,550 करोड़ रुपये और 820 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न विद्युत पारेषण परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं से कुरनूल और अनंतपुर के अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों से उत्पादित बिजली का राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर में बेहतर वितरण संभव होगा तथा स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने 1,880 करोड़ रुपये से अधिक की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें एनएच-365बीजी के रेचेरला-गुरुवायगुडेम तथा गुरुवायगुडेम-देवरापल्लो ग्रीनफील्ड चार लेन खंड, एनएच-67 पर ताडीपत्री बाईपास और एनएच-565 पर लिंगसमुद्रम उच्च स्तरीय पुल शामिल हैं। इन परियोजनाओं से विजयवाड़ा सहित कई शहरों में यातायात का दबाव कम होगा, सड़क सुरक्षा बढ़ेगी और विशाखापत्तनम-हैदराबाद के बीच यात्रा समय में कमी आएगी।

प्रधानमंत्री ने भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को समीपवर्ती विजयनगरम जिले के भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के रनवे पर उतरने के बाद यात्री टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के साथ निरीक्षण किया। टर्मिनल को आंध्र प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और कला को प्रदर्शित करने के लिए सजाया गया था। प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के स्वागत द्वार पर प्रदर्शित बड़े पैमाने पर एटीकोप्पाका (एउ 'ङ्कस्त्रं') कलाकृति का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री जब हवाई अड्डे से बाहर आए और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य लोगों के साथ 'ൗविशेष वाहन पर जनसभा स्थल की ओर बढ़े तो आदिवासी महिलाओं ने उनके स्वागत में पारंपरिक 'धिमसा' नृत्य किया। अधिकारियों के अनुसार, 13,500 आदिवासी महिलाओं द्वारा किए गए 'धिमसा' नृत्य ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। प्रधानमंत्री को आदिवासी महिलाओं के प्रभावशाली नृत्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए ताली बजाते हुए देखा गया।

पीएम मोदी बोले- जंतर-मंतर पर गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं

प्रात: किरण, एजेंसी

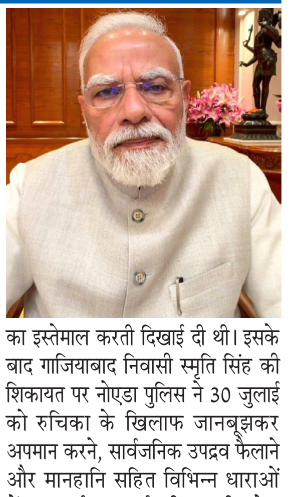

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर जारी एक वीडियो में जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जो कुछ हुआ, उसे देश और दुनिया ने देखा। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती बच्चों ने उन्हें और उनकी दिवंगत मां को भद्दी-भद्दी गालियां दीं, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए उचित नहीं हैं। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि बच्चों से गलतियां हो जाती हैं और उन्हें सुधारने का अवसर मिलना चाहिए।

गुमराह बच्चे हैं

प्रधानमंत्री ने वीडियो में कहा, ह्ये गुमराह बच्चे हैं। इन्हें सजा देने से ज्यादा जरूरी इन्हें सही राह दिखाना है। मैं उन बच्चों को माफ करना चाहता हूं।ह्न उन्होंने यह भी कहा कि समाज के भीतर मौजूद आक्रोश को वह भली-भांति समझते हैं, लेकिन यह एक सांस्कृतिक झटका है कि हमारी बेटियां इस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल कैसे कर सकती हैं।

जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ा है

यह मामला 23 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन से जुड़ा है। प्रदर्शन के दौरान वायरल हुए एक वीडियो में रुचिका सिंह नाम की युवती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करती दिखाई दी थी। इसके बाद गाजियाबाद निवासी स्मृति सिंह की शिकायत पर नोएडा पुलिस ने 30 जुलाई को रुचिका के खिलाफ जानबूझकर अपमान करने, सार्वजनिक उपद्रव फैलाने और मानहानि सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की। दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मुद्दा बताया है।

9 दिनों पीएम का पांचवां वीडियो

प्रधानमंत्री मोदी का यह पिछले न दिनों में सोशल मीडिया पर जारी पांचवां वीडियो है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे पोस्ट किए गए इस वीडियो को जारी होने के 30 मिनट के भीतर 13 लाख लोगों ने लाइक किया। इससे पहले प्रधानमंत्री पेपर लीक, परीक्षा सुधार और नए कानून जैसे मुद्दों पर भी लगातार वीडियो संदेश जारी कर चुके हैं।

किसान सम्मान निधि योजना 5 साल बढ़ाई गई

तेल-गैस खोज के लिए 84 हजार करोड़ रुपए मंजूर, कैबिनेट की बैठक में फैसला

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट और सीसीए की बैठक हुई। इसमें समुद्र मंथन, सूर्य सरोवर योजना, पीएम सम्मान निधि और खेलो इंडिया जैसी कई योजनाओं पर फैसले लिए गए। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित किया। उन्होंने कहा- समुद्र मंथन नाम की एक बड़ी योजना को मंजूरी दी गई है। इसका मकसद देश में तेल और गैस उत्पादन के लिए खोज करना है और इसके लिए 84,084 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। यह देश में तेल और गैस की बढ़ती मांग के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। उन्होंने कहा- केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को भी वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है।

सोलर पावर जेनरेशन की मंजूरी

वैष्णव ने कहा- इन फैसलों में सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना पर किया गया है। पीएम मोदी ने इस योजना के तहत वाटर बॉडीज की सतह का इस्तेमाल करके सोलर पावर जेनरेशन करने की मंजूरी दी है। भारत में वाटर बॉडीज का इस्तेमाल करके 102 गीगा वॉट (ऋ) यानी एक लाख मेगावॉट सोलर पावर जेनरेशन करने की क्षमता है। इस योजना का लक्ष्य पूरे देश में कुल 5,000 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर ढश (फोटोवोल्टिक) क्षमता बनाना है, जिसके लिए पांच साल की अवधि में प्रति मेगावाट 1 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद बने नौसेना उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना में संचालन महानिदेशक रहे वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने शनिवार को नौसेना के उप प्रमुख का पद संभाल लिया। उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती की जगह ली है, जो 38 साल से ज्यादा की बेहतरीन सेवा के बाद 31 जुलाई को रिटायर हुए हैं। नौसेना के मुताबिक नेवल एकेडमी, गोवा के 38वें इंटीग्रेटेड कैडेट कोर्स के पूर्व छात्र वाइस एडमिरल एएन प्रमोद 01 जुलाई, 1990 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे। वह सीएटी 'ए' सी किंग एयर ऑपरेशन्स ऑफिसर और कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर स्पेशलिस्ट हैं। वे डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन और नेवल वॉर कॉलेज, गोवा में नेवल हायर कमांड कोर्स के पूर्व छात्र हैं। 36 वर्षों से अधिक के शानदार करियर में उन्होंने समुद्र और जमीन दोनों जगहों पर कई तरह के कमांड, ऑपरेशनल, इंस्ट्रक्शनल और स्टाफ पदों पर काम किया है। वाइस एडमिरल ने समुद्र में तैनाती के दौरान गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस राजपूत के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के तौर पर काम किया। उन्होंने एंटी-सबमरीन वॉरफेयर पेट्रोल वेसल आईएनएस अभय, लैंडिंग शिप टैंक (लार्ज) आईएनएस शार्दुल और गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सतपुरा की कमान संभाली है। उन्होंने गलवान घटना के बाद 'ऑपरेशन स्नो लेपर्ड' के दौरान वेस्टर्न फ्लीट के फ्लीट ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर भी काम किया। इस फ्लैग ऑफिसर ने 1999 में 'ऑपरेशन विजय' और 2001 में 'ऑपरेशन पराक्रम' में हिस्सा लिया था। जमीन पर तैनाती के दौरान फ्लैग ऑफिसर ने श्री विजय पुरम में नेवल एयर स्टेशन, आईएनएस उत्क्रोश की कमान संभाली और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में डायरेक्टिंग स्टाफ के तौर पर काम किया। नौसेना मुख्यालय में उनकी महत्वपूर्ण नियुक्तियों में जॉइंट डायरेक्टर नेवल एयर स्टाफ, डायरेक्टर और प्रिंसिपल डायरेक्टर एयरक्राफ्ट एक्विजिशन शामिल हैं। वे 2006 से 2009 तक 'टैक्टिकल ऑडिट ग्रुप' और 2016 से 2019 तक 'इंडियन नेवल स्ट्रैटेजिक एंड ऑपरेशनल काउंसिल' के सदस्य भी रहे। रियर एडमिरल के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने इंडियन नेवल एकेडमी में डिप्टी कमांडेंट, असिस्टेंट चीफ ऑफ नेवल स्टाफ (एयर) और फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग महाराष्ट्र नेवल एरिया जैसे पदों पर काम किया। वाइस एडमिरल के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने दिसंबर, 2023 से जुलाई, 2026 तक डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन्स (डीजीएनओ) के तौर पर काम किया।वह ऑपरेशन सिंदूर औरपश्चिम एशिया में चल रहे संकट के दौरान समुद्री सुरक्षा अभियानों के संचालन में भारतीय नौसेना की योजना, तैयारी और ऑपरेशनल तत्परता में गहराई से शामिल रहे। उन्हें बेहतरीन सेवा और ऑपरेशनल लीडरशिप के लिए 2024 में 'अति विशिष्ट सेवा मेडल' और 2025 में 'युद्ध सेवा मेडल' से सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री, उनकी मां के लिए अपशब्द कहने वाली किशोरी ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

नोएडा। राजधानी नई दिल्ली में जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा हाल ही में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मां को अपशब्द कहने वाली नोएडा के सेक्टर 168 में रह रही एक किशोरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से आज प्रधानमंत्री और देशवासियों से माफी मांगी। इस बच्ची ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है। जिसमें उसने कहा कि जंतर मंतर पर आयोजित धरना प्रदर्शन मे वह गई थी। वहां मौजूद तमाम लोग प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का प्रयोग कर रहे थे। भावावेश में आकर उसने भी कुछ अपशब्द कहे जो अत्यंत खराब थे। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसने वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री और देशवासियों से हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए कहा, मेरी उम्र 15 वर्ष है। मेरे से भूल हुई है। मैंने बहुत गलत काम किया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से धरना प्रदर्शन के दौरान उनके और उनकी मां के लिए अपशब्द कहने वाले लोगों को माफ करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बच्चों से गलतियां हो जाती है। उन्हें अदालत के चक्कर कटवाने की वजाए उन्हें सही रास्ते पर लाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अपशब्द कहने वालों को वह माफ करते हैं। बीते 29 जुलाई को गाजियाबाद की रहने वाली श्रीमती स्मृति सिंह, पत्नी तेजेंद्र सिंह ने थाना एक्सप्रेसवे में मुकदमा दर्ज करवाया था। इसमें कहा गया था कि सेक्टर 168 के लोटस जिंग सोसाइटी में रहने वाली इस किशोरी ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 30 जुलाई को प्रधानमंत्री और उनकी स्वर्गीय मां के लिए अभद्र एवं आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया था जिससे संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची। इस मामले में थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने जीरो पर एफआईआर दर्ज करते हुए उसे विवेचना के लिए दिल्ली पुलिस को हस्तांतरित किया है।

बल्कि एक-दूसरे की बात धैर्यपूर्वक सुनने से निकलता है।

विवाद का स्थाई समाधान एक-दूसरे की बात धैर्यपूर्वक सुनने से निकलता है - सूर्यकांत

प्रात: किरण, एजेंसी

जयपुर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा है कि किसी भी विवाद का स्थाई समाधान केवल बोलने से नहीं, बल्कि एक-दूसरे की बात धैर्यपूर्वक सुनने से निकलता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राजस्थान में जयपुर के होटल द ललित में शुक्रवार को आयोजित तीन दिवसीय ह्यराष्ट्रमंडल शांति मध्यस्थता और विधि का शासनह्न (सीपीएमसी-2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि चाहे मामला दो पड़ोसियों के बीच का हो या दो देशों के बीच का, संवाद और मध्यस्थता ही विवाद के समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी एक पक्ष में संवाद की इच्छा ही नहीं हो, तो सबसे अच्छे प्रयास भी सफल नहीं हो पाते। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि शांति और कानून को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। कानून की सबसे बड़ी उपलब्धि स्थाई शांति स्थापित करना है। मध्यस्थता ऐसा मंच है, जहां प्रत्येक पक्ष को अपनी बात रखने का समान अवसर मिलता है और किसी एक की आवाज दूसरे पर हावी नहीं होती। कार्यक्रम में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी, राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, कॉमनवेल्थ लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष स्टीवन थिरु और उच्चतम न्यायालय बार संघ के अध्यक्ष विकास सिंह सहित देश-विदेश के कई न्यायाधीश, विधि विशेषज्ञ और नीति निमार्ता मौजूद रहे। सम्मेलन में 52 कॉमनवेल्थ देशों के प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भारत की प्राचीन ग्राम पंचायत व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि सदियों से समाज में विवादों का समाधान आपसी सहमति और संवाद के माध्यम से होता आया है। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और रिश्तों को मजबूत करने का माध्यम भी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि भारतीय परंपरा हमेशा टकराव से पहले संवाद की रही है। उन्होंने रामायण और महाभारत के उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान राम ने युद्ध से पहले अंगद को शांति दूत बनाकर भेजा था और भगवान श्रीकृष्ण ने भी महाभारत युद्ध से पहले समझौते का प्रयास किया था। राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के निस्तारण में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। वहीं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम आत्री ने कहा कि मध्यस्थता से वर्षों तक चलने वाले मुकदमों का समाधान कुछ महीनों में संभव हो जाता है, जिससे समय, धन और आपसी संबंधों की भी रक्षा होती है। उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणेश्वर गुप्ता की पुस्तक का भी विमोचन किया गया। सम्मेलन का समापन दो अगस्त को जयपुर शांति मध्यस्थता घोषणा-पत्र को अपनाने के साथ होगा।

आईजीएनएफए से 111 भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थी पास आउट, उत्तराखंड को मिले पांच अधिकारी

प्रात: किरण, एजेंसी

देहरादून। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) के वर्ष 2024-26 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परिवीक्षार्थियों का दीक्षांत समारोह शनिवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के दीक्षांत-गृह में आयोजित किया गया। समारोह में कुल 111 परिवीक्षार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर पास आउट किया। इनमें 21 महिला प्रशिक्षु और भूटान के दो विदेशी प्रशिक्षु भी शामिल हैं। समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नवदीक्षित अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और सतत विकास के लक्ष्यों को ध्यान में रखकर राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय वन सेवा अधिकारी देश की प्राकृतिक धरोहर की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों से नैतिकता, नेतृत्व क्षमता और आधुनिक तकनीक के समन्वय के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि एक सफल वन अधिकारी के लिए केवल प्रशासनिक दक्षता ही नहीं, बल्कि सेवा भावना और नैतिक मूल्यों का होना भी आवश्यक है। भूपेंद्र यादव ने कहा कि महात्मा गांधी ने अपने जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया था। उन्होंने अधिकारियों से चुनौतियों का सामना करते हुए अधिकारों और जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने तथा केवल नेतृत्वकर्ता ही नहीं, बल्कि विचारों के प्रेरणास्रोत बनने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और वन सेवा को और अधिक सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए निष्ठा, ईमानदारी और निर्भीकता के साथ राष्ट्र सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी, अनुसंधान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में तेजी से बदलाव हो रहे हैं और आज डेटा आधारित तकनीकें समय की आवश्यकता बन चुकी हैं। हालांकि, किसी भी तकनीक से अधिक महत्वपूर्ण अधिकारी की निर्णय क्षमता, कार्यकुशलता और प्रदर्शन है। प्रशिक्षण बैच में सबसे अधिक 11 अधिकारी मध्य प्रदेश कैडर को आवंटित किए गए हैं, जबकि उत्तराखंड को पांच नए भारतीय वन सेवा अधिकारी मिले हैं। समारोह के दौरान प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परिवीक्षार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, रविवार, 02 अगस्त, 2026

गैस रेगुलेटर को लेकर खूनी संघर्ष, दुकानदार दंपति समेत कई लोगों पर जानलेवा हमले, केस दर्ज

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र में गैस रेगुलेटर की शिकायत को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया. पीड़ित परिवार का आरोप है कि शिकायत करने पहुंचे दो भाइयों पर दुकानदार, उसकी पत्नी और अन्य लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया. मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी.झ शक्ति विहार निवासी मुक्तेश्वर यादव ने ट्रांजिट कैंप थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनके पुत्र मयंक यादव ने 19 जून 2026 को ज्वालापुर वार्ड नंबर-6 स्थित शेखर चौहान की गैस दुकान से सिलेंडर का रेगुलेटर खरीदा था.

आरोप है कि रेगुलेटर शुरू से ही ठीक तरह से काम नहीं कर रहा था. कई दिन तक परेशानी झेलने के बाद 28 जुलाई को मयंक यादव अपने भाई रोहित यादव के साथ रेगुलेटर की शिकायत करने और उसे बदलवाने के लिए दुकान पर पहुंचे. तहरीर के अनुसार, रेगुलेटर बदलने की बात को लेकर दुकानदार शेखर चौहान और उसकी पत्नी वर्षा चौहान से कहासुनी शुरू हो गई. आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों ने फोन कर दो-तीन अन्य युवकों को भी मौके पर बुला लिया. इसके बाद सभी ने मिलकर दोनों भाइयों के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की. विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी.

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के दौरान शेखर चौहान ने रोहित यादव के सिर पर दुकान में रखा गैस चूल्हा मार दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा. जब मयंक यादव ने अपने भाई को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसे पकड़ लिया. एक युवक ने दुकान में रखा लोहे का तवा उसके सिर पर दे मारा. इस हमले में मयंक के सिर पर गंभीर चोट आई. उपचार के दौरान उसे आठ टांके लगाने पड़े. तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी दी. पीड़ित परिवार ने दावा किया है कि पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई है, जो जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकती है. मामले को लेकर एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है. घटनास्थल से जुड़े साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी जांच का हिस्सा बनाए जाएंगे.

संक्षिप्त समाचार

अल्मोड़ा में बादलों का डेरा, जिले के कई हिस्सों में बारिश का अनुमान, पिछले 24 घंटों के आंकड़े जारी

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा जिले में बुधवार को बादल छाए रहने व बारिश की संभावना है। पिछले 24 घंटों में जिलेभर में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिसमें सबसे अधिक 26 मिमी मासी, 16 मिमी अल्मोड़ा मुख्यालय तथा 12-12 मिमी सोमेश्वर व भिकियासैंण में दर्ज की गई। अल्मोड़ा जिले में आज (बुधवार) आसमान बादलों से घिरा है। बारिश की संभावना बनी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान जिले के विभिन्न हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 26 मिमी वर्षा मासी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई, जबकि अल्मोड़ा मुख्यालय में 16 मिमी और सोमेश्वर व भिकियासैंण में 12-12 मिमी बारिश हुई। जिला आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार रानीखेत में 7.03 मिमी, सल्ट में 7.05 मिमी, चौखुटिया और जैंती में 3-3 मिमी, द्वाराहाट, ताकुला और जागेश्वर में 2.05-2.05 मिमी तथा शीतलाखेत में 5.05 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। जिले का अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले के सभी राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग और ग्रामीण सड़कें यातायात के लिए पूरी तरह खुली हैं। फिलहाल जिले में कहीं से भी सड़क बंद होने की सूचना नहीं है।

पाटी में बंदरों का दहशत, लोगों ने की बंदरों को पकड़ने की मांग

पाटी, एजेंसी। नगर पंचायत पाटी के स्टेशन बाजार, माराकुली, मष्टा मंदिर, शास्त्री मार्केट, पाटी अस्पताल समेत कई क्षेत्रों में लंबे समय से बंदरों का दहशत बना हुआ है। इससे लोगों में भय का माहौल है। कई लोग घर से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि बंदर दुकानों और घरों में घुसकर सामान उठा ले जा रहे हैं। छतों पर सूखने के लिए डाले गए कपड़ों को फाड़ने के साथ ही घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंच रहे हैं। कई बार बंदर लोगों पर आक्रामक होकर हमला भी कर रहे हैं। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं में भय का माहौल है। उन्होंने बताया कि बंदर घरों की छतों पर रखी पानी की टंकियों के ढक्कन खोलकर पेयजल को भी दूषित कर रहे हैं। लगातार बढ़ती समस्या से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। नगर निवासी ललित पाटनी, पंकज पचौली, प्रकाश भट्ट समेत अन्य लोगों ने वन विभाग से एक सप्ताह के भीतर क्षेत्र में पिंजरा लगाकर बंदरों को पकड़ने की मांग की है।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत: मां से करती थी परेशानियों का जिक्र; बयान हुए दर्ज; लगाए थे दहेज उत्पीड़न के आरोप

डोईवाला, एजेंसी। बीते 29 जुलाई को सृष्टि कंडारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने आरोप लगाया था कि विवाह के बाद से सृष्टि को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था और उसे मनहूस कहकर मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। हर्रावाला में नवविवाहिता शिक्षिका सृष्टि कंडारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। शुक्रवार को मृतका की मां सीमा कंडारी ने डोईवाला कोतवाली पहुंचकर अपने बयान दर्ज कराए। पुलिस का कहना है कि मामले के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। बीते 29 जुलाई को सृष्टि कंडारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने आरोप लगाया था कि विवाह के बाद से सृष्टि को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था और उसे मनहूस कहकर मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या के आरोप में सचिवालय में निजी सचिव के पद पर तैनात पति सौरभ खत्री सहित सास और ननद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सीओ वंदना वर्मा ने बताया कि मृतका की मां के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस हर पहलू की निष्पक्ष और गहन जांच कर रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन निगम की पहल; आज से यात्रियों को रोडवेज बसों के किराए में मिलेगी इतनी छूट

हरिद्वार, एजेंसी। रोडवेज ने यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए किराए में छूट देने का फैसला किया है।अगर कोई यात्री आने जाने का टिकट बुक करता है, तो उसके बेस फेयर में दस- दस प्रतिशत की छूट मिलेगी। उत्तराखंड परिवहन निगम सोमवार से बसों के किराए में छूट देगा। यह व्यवस्था 30 सितंबर तक लागू रहेगी। रोडवेज की बसों में जून में प्रतिदिन औसतन डेढ़ लाख तक यात्री सफर कर रहे थे और आय करीब ढाई करोड़ हो गई थी। मानसून में यात्रियों की संख्या घटकर करीब 90 हजार हो गई है और आय भी औसतन डेढ़ करोड़ पर आ गई है।

पुनर्वास और पुनर्व्यवस्था लाभों से जुड़े मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई, दिए ये आदेश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने भूमि अधिग्रहण के बाद पुनर्वास और पुनर्व्यवस्था लाभों से जुड़े एक मामले में रुद्रप्रयाग निवासी प्रकाश चंद्र तिवारी व अन्य द्वारा दायर विशेष अपील पर सुनवाई की. कोर्ट ने सुनवाई करते हुए जिला जज, संबद्ध प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वे प्रार्थी के पुनर्वास से संबंधित लंबित आवेदन को इस आदेश की प्रति मिलने की तारीख से तीन महीने के भीतर निस्तारित करें. इस आदेश के साथ ही अदालत ने एकल पीठ के पूर्व के आदेश को संशोधित कर दिया है.

यह मामला राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत अधिग्रहित की गई भूमि के बदले उचित मुआवजे और पुनर्वास अधिकारों से जुड़ा है.

अपीलकर्ता प्रकाश चंद्र तिवारी का कहना था कि राज्य सरकार द्वारा पुनर्वास के तहत भूमि आवंटित करने का प्रस्ताव तो दिया गया था. लेकिन वास्तव में उन्हें अब तक भूमि का कब्जा नहीं मिल सका. इसके खिलाफ उन्होंने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 64 के तहत जिला जज के समक्ष गुहार लगाई थी. मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरण को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं, किंतु भूमि विधिवत अधिग्रहित होने के कारण जबरन बेदखली या तोड़फोड़ पर रोक लगाने वाली अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया. इस मामले में भी हुई सुनवाईः हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने उधम सिंह नगर जिले के बाजपुर में श्मशान घाट की भूमि पर कथित अतिक्रमण से जुड़ी एक रिट याचिका का निस्तारण कर दिया है. यह याचिका कुलवंत सिंह और अन्य ग्रामीणों द्वारा तहसीलदार बाजपुर द्वारा जारी उस नोटिस के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें उन पर श्मशान घाट की 300 वर्ग मीटर भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाते हुए उसे आठ दिनों के भीतर हटाने को कहा गया था. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया कि कथित अतिक्रमण को पहले ही 5 मई 2026 को हटाया जा चुका है, जबकि याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि उनकी निजी खाता संख्या 122 की भूमि और श्मशान घाट की भूमि की सही तरीके से पैमाइश (सीमांकन) की जाए.

हल्द्वानी में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए, सीसीटीवी से मिला सुराग

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल जिले के हल्द्वानी शहर में नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर टीम ने सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर दोनों आरोपियों को दबोचा. मामले में भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं. घटना में इस्तेमाल वाहन को भी पुलिस ने बरामद कर सीज कर दिया है. नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तारः हल्द्वानी कोतवाली पुलिस के अनुसार 29 जुलाई को एक महिला ने अपनी नाबालिग बेटी के घर से बिना बताए चले जाने की तहरीर दी थी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की. एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई. सीसीटीवी फुटेज से मिले अहम सुरागः टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और सुरागरसी-पतारसी के बाद दो संदिग्धों की पहचान की. जांच में सामने आया कि आरोपी विक्रम सिंह कथित रूप से नाबालिग को अपनी कार में बैठाकर स्टूडियो ले गया. पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने वहां उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसे शहर में छोड़ दिया. दोनों आरोपी जेल भेजे गएः इसके बाद नाबालिग की मुलाकात डीके पार्क में सौरभ बिष्ट से हुई, जो उसे सितारगंज के शक्तिफार्म ले गया. पुलिस का कहना है कि दूसरे आरोपी ने भी वहां उसके साथ दुष्कर्म किया. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में पहले दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की अतिरिक्त गंभीर धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 5/6 भी जोड़ दी गई है. घटना में इस्तेमाल वाहन को बरामद कर सीज कर दिया गया है. दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है.

तंत्र-मंत्र के दौरान छह साल के मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, परिजनों का हंगामा, महंत और सेवादारों को उठाकर ले गए

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर से बड़ा मामला सामने आया है. काशीपुर के आईटीआई कोतवाली क्षेत्र में तंत्र-मंत्र के दौरान छह वर्षीय मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. बच्चे की मौत से गुस्साए परिजनों ने धाम पहुंचकर महंत और उसके दो सेवादारों के साथ मारपीट की और उन्हें अपने साथ ले गए. घटना के बाद शिवलालपुर धाम परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विसरा जांच का इंतजार कर रही हैं. तंत्र-मंत्र के दौरान बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौतः जानकारी के मुताबिक काशीपुर के आईटीआई कोतवाली क्षेत्र में शिवलालपुर धाम है, जहां पर तंत्र-मंत्र के दौरान छह वर्षीय मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने धाम पहुंचकर महंत और उसके दो सेवादारों के साथ मारपीट की. आरोप है कि आक्रोशित परिजन महंत और उसके दो सेवादारों को जबरन अपने साथ लेकर भी गए हैं. शिवलालपुर धाम का मामलाः इस घटना से धाम में मौजूद श्रद्धालुओं और महंत के परिजनों में दहशत फैल गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. आईटीआई कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मोहन चंद्र पांडे ने बताया कि पैगा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम शिवलालपुर अमरझंडा स्थित जंगलवाला बालाजी मंदिर परिसर में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के हरथला निवासी सत्यवीर सिंह ने करीब सात वर्ष पूर्व शिवलालपुर धाम की स्थापना की थी. पुलिस के अनुसार यहां प्रत्येक मंगलवार को दरबार लगाया जाता है, जहां तंत्र-मंत्र, ऊपरी बाधा, गांठ, पथरी व अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार का दावा किया जाता है. इसी विश्वास के चलते दूर-दराज के लोग भी यहां पहुंचते हैं. पुलिस ने बताया कि 27 जुलाई को संभल जनपद के थाना कुड़ फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव बैरनी निवासी वीरवती अपने छह वर्षीय पोते अर्पित यादव को लेकर धाम पहुंची थीं.

भवन में चर्च मामले में हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, सील मकान खोलने का दिया आदेश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उधम सिंह नगर जिले के एक भवन में चर्च होने पर प्रशासन द्वारा भवन सील करने के मामले में सुनवाई की. हाईकोर्ट ने मामले में अहम फैसला सुनाते हुए प्रशासन को सील मकान को खोलने का आदेश दिया है. साथ ही हाईकोर्ट में मामले का निपटारा करते हुए शर्त भी रखी है. कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को सक्षम अधिकारी के समक्ष एक लिखित वचन पत्र देना होगा कि वे भविष्य में इस परिसर का उपयोग केवल आवासीय उद्देश्यों के लिए ही करेंगे और वहां कोई भी सार्वजनिक प्रार्थना या धार्मिक सभा आयोजित नहीं की जाएगी. गौर हो कि उत्तराखंड हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी ने उधम सिंह नगर जिले के एक भवन में चर्च होने की पर प्रशासन द्वारा भवन को सील करने के मामले में अहम फैसला सुनाया है. न्यायालय ने सुरेंद्र सागर और सुनील कश्यप द्वारा दायर एक रिट याचिका का निस्तारण करते हुए उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ताओं के आवासीय मकान के सील किए गए हिस्से को तुरंत खोलने की प्रक्रिया शुरू करें. प्रशासन द्वारा इस घर को चर्च के

रूप में इस्तेमाल करने और वहां सार्वजनिक प्रार्थना या धार्मिक सभा आयोजित करने के आरोप में सील कर दिया गया था, जिसे याचिकाकर्ताओं ने पूरी तरह से गलत बताया था. उच्च न्यायालय ने मामले का निपटारा करते हुए यह शर्त रखी है कि याचिकाकर्ताओं को सक्षम अधिकारी के समक्ष एक लिखित वचन पत्र देना होगा कि वे भविष्य में इस परिसर का उपयोग केवल आवासीय उद्देश्यों के लिए ही करेंगे और वहां कोई भी सार्वजनिक प्रार्थना या धार्मिक सभा आयोजित नहीं की जाएगी. याचिकाकर्ताओं द्वारा हलफनामे के रूप में यह लिखित उपक्रम सौंपे जाने के तीन दिनों के भीतर एसडीएम को मकान खोलने का आदेश जारी करना होगा. हालांकि, अदालत ने यह भी साफ कर दिया है कि इस आदेश का जमींदारी विनाश एवं भूमि सुधार अधिनियम या भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत यदि कोई कानूनी कार्रवाई लंबित है, तो उस पर कोई असर नहीं पड़ेगा.

कांवड़ यात्रा के दौरान हादसा; गंगनहर में डूबने से चंडीगढ़ के चार नाबालिग कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार, एजेंसी। पुलिस को जटवाड़ा पुल के पास चार युवकों के गंगनहर में डूबने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ के साथ संयुक्त अभियान शुरू किया। गोताखोरों ने गंगनहर में तलाश शुरू की। अभियान के दौरान चारों युवकों को बाहर निकाला गया। हरिद्वार से गंगाजल भरकर अपने गंतव्य की ओर निकले चार नाबालिग दोस्त ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में जटवाड़ा पुल के पास नहाते समय गंगनहर के गहरे पानी में डूब गए। जल पुलिस और गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद चारों को गंगनहर से

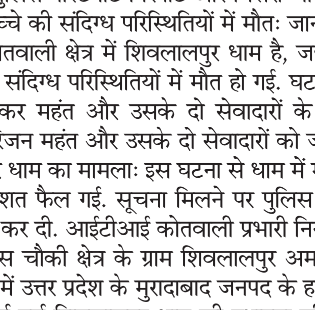

बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चारों दोस्त चंडीगढ़ के रहने वाले थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के अनुसार, शिवांशु (16), नितीश (16) निवासी सेक्टर-30 बी, रोहित (17) निवासी सेक्टर-26, बाबूधाम कॉलोनी, और भरत (16) निवासी सेक्टर-30 बी, चंडीगढ़ के रहने वाले थे। सभी 30 जुलाई की रात कांवड़ लेने हरिद्वार पहुंचे थे। चारों दोस्तों ने हरिद्वार पहुंचकर कांवड़ उठाई और शुक्रवार तड़के चंड़ीगढ़ की ओर चल दिए। जटवाड़ा पुल के पास पहुंचने के बाद वे अपने अन्य साथियों के आने का इंतजार करने लगे। गर्मी की वजह से करीब चार बजे चारों नहाने के लिए गंगनहर में उतर गए। बताया गया कि गंगनहर में सिल्ट आने की वजह से पानी का प्रवाह बंद था। नहर में ज्यादातर जगह पानी नहीं था, बीच में कुछ स्थानों पर पानी जमा था। चारों इसी पानी में स्नान करने के लिए रेलिंग के पार चले गए। इसी दौरान अचानक वे गहरे पानी की चपेट में आ गए और एक के बाद एक चारों दोस्त पानी में डूबते चले गए।आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर जल पुलिस मौके पर पहुंच गई और गंगनहर में तलाश शुरू की। कड़ी मशक्कत के बाद उनको पानी से निकाल लिया गया। इसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया।

गंगा चेतावनी रेखा से 18 सेमी ऊपर, कई घाट हुए जलमग्न

ऋषिकेश, एजेंसी। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश का असर अब मैदानी इलाकों में भी दिखाई दे रहा है। शुक्रवार सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर चेतावनी रेखा से 18 सेंटीमीटर ऊपर दर्ज किया गया। बढ़ते जलस्तर के कारण त्रिवेणी घाट स्थित गंगा आरती स्थल पूरी तरह जलमग्न हो गया। गंगा तट पर बने सेल्फी पॉइंट भी पानी में डूब गए हैं। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। आपदा राहत दल, एसडीआरएफ और जल पुलिस की संयुक्त टीमें विभिन्न घाटों पर निगरानी कर रही हैं। बाहरी राज्यों से आए पर्यटकों को विशेष रूप से हिदायत दी जा रही है। स्थानीय लोगों और कांवड़ यात्रा के श्रद्धालुओं को भी सतर्क किया जा रहा है। उन्हें गंगा के किनारे जाने से रोका जा रहा है। तेज बहाव में स्नान न करने की सख्त हिदायत भी दी गई है। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। प्रशासन के निर्देश पर कई संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इनमें त्रिवेणी घाट, परमार्थ घाट और स्वर्गाश्रम घाट प्रमुख रूप से शामिल हैं।

रामझूला, लक्ष्मणझूला और वानप्रस्थ घाट पर भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। साधु समाज घाट, राधा घाट, पूर्णानंद घाट, स्वामी नारायण घाट और काली घाट पर भी बल तैनात हैं। लाउडस्पीकर मुनादी के माध्यम से लोगों से गंगा से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की लगातार अपील की जा रही है।

नैनीताल डीएम का सख्त एक्शनः लापरवाही पर राजस्व उपनिरीक्षक निलंबित, राजस्व निरीक्षक पर विभागीय कार्रवाई शुरू

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल जिले के हल्द्वानी तहसील के औचक निरीक्षण में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को राजस्व मामलों में बड़ी लापरवाही मिली है. भू-राजस्व अधिनियम की धारा-41 और पैमाइश से जुड़े कई प्रकरण महीनों से लंबित पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया. एक राजस्व उपनिरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, जबकि एक राजस्व निरीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं. हल्द्वानी तहसील में गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान भू-राजस्व अधिनियम की धारा-41 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों और पैमाइश से संबंधित पत्रावलियों की गहन समीक्षा की गई. जांच में सामने आया कि कई मामलों में नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई नहीं की गई, जिससे बड़ी संख्या में आवेदन लंबे समय से लंबित पड़े हैं और आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सौरभ असवाल और नगर मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी को सभी लंबित पत्रावलियों का दोबारा निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए. नगर मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी ने बताया कि राजस्व उपनिरीक्षक एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक काठगोदाम संजय प्रसाद के स्तर पर दिसंबर 2025 से पहले के 16 प्रकरण समेत कई आवेदन लंबित पाए गए. जांच में यह भी सामने आया कि हरेंद्र सिंह, गीता पुत्री भैरवदत्त और राजकुमारी बिष्ट के मामलों में तहसीलदार के आदेशों के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई. एक मामले में तो निरीक्षण की तिथि तक भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी. उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही मानते हुए जिलाधिकारी ने उत्तराखंड सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-2003 के तहत संजय प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील भीमताल निर्धारित किया गया है. इसके अलावा तत्कालीन राजस्व निरीक्षक ब्रजेश कुमार द्वारा भी धारा-41 और पैमाइश के कई मामलों को लंबित रखने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश जारी किए गए हैं.

जेन-जी को डराने की कोशिश बेकार, बच्चे डर नहीं रहे, बल्कि प्रधानमंत्री के ओछेपन पर हंस रहे: सौरभ भारद्वाज

●युवा बच्चों को परेशान करने, अकेले पाकर पीटने और वीडियो बनाने के लिए राइट विंग के गुंडों को छूट दे दी गई है: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को चिह्नित कर उनके साथ मारपीट करने और एफआईआर दर्ज कर डराने की हो रही कोशिश पर भाजपा और प्रधानमंत्री को आड़े हाथ लिया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जेन-जी को डराने की कोशिश बेकार है। ये बच्चे डर नहीं रहे हैं, बल्कि प्रधानमंत्री के ओछेपन पर हंस रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन युवा बच्चों को परेशान करने, अकेले पाकर पीटने और उनके वीडियो बनाने के लिए राइट विंग के गुंडों को खुला छोड़ दिया गया है। साथ ही, फर्जी आरोपों में एफआईआर दर्ज कर बच्चों और उनके पैरेंट्स को डराने व दबाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा सरकार एक डरपोक समाज और देश बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह देश इनके गुंडों से नहीं डरेगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री के वीडियो को देखकर मैं एक बात कह सकता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस देश का युवा और यहां की जेन-जी कभी माफ नहीं करेगी। जब से आंदोलन को रोका गया है, उसके अगले दिन से ही हम लोग देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री के संरक्षण में पलने वाले गुंडे छोटे-छोटे बच्चों को अकेला पाकर उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज कर रहे हैं। इसे मीडिया और सोशल मीडिया पर खूब चलाया जा रहा है ताकि जेन-जी को किसी तरह से डराया जा सके। केंद्र में बैठी भाजपा सरकार एक डरपोक समाज और डरपोक देश बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह देश प्रधानमंत्री मोदी और उनके गुंडों से डरेगा नहीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इसके बाद सरकार ने दूसरी चाल चली। गोदी मीडिया और 60-60 साल के एंकरों ने छोटी-छोटी बच्चियों को विलेन बनाना शुरू कर दिया। उनकी तस्वीरें दिखानी शुरू कीं और जब उससे भी काम नहीं चला तो उन पर एफआईआर दर्ज करा दी। गाली देने पर एफआईआर दर्ज होना इस देश के कानून में नहीं है, लेकिन सरकार ने वह भी करके दिखा दिया। एक छोटी बच्ची पर एफआईआर दर्ज करके ऐसा माहौल बनाया गया कि पुलिस उसे और उसके घरवालों को परेशान कर देगी। सरकार की कोशिश यह थी कि वह बच्ची डर जाए और उसके डर से पूरे देश के युवा डर जाएं। यह इतनी जालिम सरकार है जो किसी को नहीं छोड़ेगी। इसके बाद भाजपा के लोगों ने उस बच्ची के मां-बाप पर दबाव बनाकर और उन्हें डरा-धमका कर माफी मंगवा ली। इस देश के गोदी मीडिया के संपादकों और एंकरों की बेशर्मी देखिए कि वे उस 15 साल की बच्ची के वीडियो पर ऐसे नाच-कूद रहे हैं जैसे अभिमन्यु के वध के बाद जरासंध और कौरव नाच रहे थे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज प्रधानमंत्री और मीडिया की बेशर्मी को पूरा देश और यहां का युवा देख रहा है। युवा न तो प्रधानमंत्री से डरेगा, न उनकी खोखली धमकियों से डरेगा और न ही उनके संरक्षण में पलने वाले किराए के गुंडों से डरेगा। जिन बच्चों के ऊपर इस तरीके से हमला हुआ है, उनके मामलों में अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

लक्ष्मी से बदलेगी तस्वीर: दिल्ली में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, रक्षाबंधन पर पहली किस्त का ऐलान

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। राजधानी में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली लक्ष्मी योजना के ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल का शुभारंभ कर दिया। इस योजना के तहत 21 से 60 वर्ष की पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसे सरकार की उस बड़ी पहल के तौर पर देखा जा रहा है, जो सीधे घर-घर की आर्थिक जरूरतों से जुड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाती है। पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने इसे महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास से जुड़ा ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि बहनों के सम्मान और बेहतर भविष्य का संकल्प है, जिसे सरकार ने अब जमीन पर उतार दिया है। उनके अनुसार यह राशि महिलाओं के आत्मसम्मान को मजबूती देगी और रोजमर्रा की जरूरतों में एक भरोसेमंद सहारा साबित होगी। सरकार का कहना है कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की गहन जांच-पड़ताल के बाद ही पात्र लाभार्थियों का चयन किया जाएगा, ताकि योजना का लाभ सही हाथों तक पहुंचे। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और तकनीक आधारित रखने पर जोर दिया गया है। योजना की पहली किस्त 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर जारी की जाएगी, जिससे इसे एक प्रतीकात्मक सामाजिक संदेश भी मिलेगा। राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से इस योजना को बड़ा कदम माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी और पारदर्शी ढंग से होता है, तो यह दिल्ली की लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की ठोस नींव रख सकती है और आने वाले समय में सामाजिक बदलाव की नई धारा भी बना सकती है।

संक्षिप्त खबरें

250 जल केंद्रों से मिलेगा पेयजल पाइपलाइन विहीन क्षेत्रों को राहत

नई दिल्ली। राजधानी में जिन क्षेत्रों तक अभी पेयजल पाइपलाइन नहीं पहुंची है, वहां स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने 250 जल केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। इस योजना पर लगभग 58 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य लोगों की पेयजल समस्या कम करना और टैंकरों पर निर्भरता घटाना है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में इस योजना को स्वीकृति दे दी गई है। पहले चरण में प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक जल केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही उपयुक्त स्थानों का चयन किया जाएगा। सरकारी विद्यालयों, प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों को भी योजना में शामिल किया गया है। बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, उपभोक्ताओं को पहचान आधारित विशेष कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रतिदिन 20 लीटर पेयजल निःशुल्क मिलेगा। विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी इसी व्यवस्था के तहत निःशुल्क जल उपलब्ध कराया जाएगा। निर्धारित सीमा से अधिक जल लेने पर निर्धारित शुल्क देना होगा। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि इस योजना से पाइपलाइन विहीन क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी और भविष्य में आवश्यकता के अनुसार इसका विस्तार भी किया जाएगा।

डीटीयू के समर सेमेस्टर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर निर्देश जारी

नईदिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने जुलाई 2026 समर सेमेस्टर परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उत्तर पुस्तिकाएं केवल रजिस्टर में एंट्री के बाद संबंधित परीक्षक या संकाय सदस्य को ही दी जाएंगी। किसी त्रुटि, छात्र विवरण में विसंगति या स्पष्टीकरण पर परीक्षक को तुरंत केंद्रीय मूल्यांकन समन्वयक से संपर्क करना होगा। प्रत्येक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन परीक्षा आयोजन के 10 दिनों के भीतर पूरा करना अनिवार्य है। मूल्यांकन केंद्र में शोधार्थी, गैर-अधिकृत व्यक्ति या सहयोगी लाने पर सख्त कार्रवाई होगी। मूल्यांकन के बाद उत्तर पुस्तिकाएं छात्रों को केवल विभाग द्वारा निर्धारित कक्षाओं या स्थानों पर ही दिखाई जाएंगी। परीक्षकों को पांच दिनों के भीतर अंक सूची के साथ पुस्तिकाएं मूल्यांकन केंद्र में जमा करनी होंगी। केंद्रीय मूल्यांकन 14 अगस्त तक विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन स्थित परीक्षा शाखा में कार्य दिवसों पर होगा।

श्रद्धा हत्याकांड: कोर्ट ने आफताब की मनोचिकित्सक से मुलाकात का दिन बदला

नई दिल्ली। साकेत कोर्ट ने चर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला की मनोचिकित्सकीय सलाह का दिन बदलने का आदेश दिया है। अदालत ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि अब आफताब की मनोचिकित्सक से मुलाकात मंगलवार के बजाय शनिवार को कराई जाए, ताकि मामले की रोजाना चल रही सुनवाई प्रभावित न हो। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरगुरविंदर सिंह जग्गी ने यह आदेश आफताब की अर्जी पर दिया। इसमें कहा गया था कि वह जेल में चिंता और अन्य मानसिक समस्याओं का उपचार करा रहा है। हर मंगलवार मनोचिकित्सक जेल आते हैं, लेकिन उसी दिन अदालत में भी उसकी सुनवाई निर्धारित रहती है, जिससे इलाज और न्यायिक कार्यवाही का समय टकरा जाता है। अदालत ने कहा कि 21 जुलाई से इस मामले की सुनवाई सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन हो रही है और फिलहाल अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

मकोका केस: ठग सुकेश के करीबी नवास कक्कत के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 200 करोड़ रुपये की रंगदारी से जुड़े महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में आरोपी नवास कक्कत के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। यह मामला कुख्यात ठग सुकेश चंद्रशेखर और उसके नेटवर्क से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, नवास कक्कत को चार मई को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। अदालत पहले ही उसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर चुकी थी और उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी था। विशेष लोक अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने शनिवार को अदालत में पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। पुलिस ने एक आवेदन भी दायर कर आरोपी के खिलाफ पेश किए जाने वाले दस्तावेजों को स्वीकार या अस्वीकार करने की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि नवास वर्ष 2021 से दुबई में रह रहा था और वहीं से सुकेश चंद्रशेखर के वित्तीय लेन-देन का संचालन कर रहा था। फरार रहने के कारण उसे पहले दाखिल मुख्य चार्जशीट में भी आरोपी बनाया गया था। भारत लाए जाने के बाद उसके खिलाफ अलग से पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया है। पुलिस के मुताबिक, नवास को दुबई में तय अवधि से अधिक समय तक रहने के कारण हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू हुई। भारत लाए जाने पर अदालत ने उसे 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में मकोका के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले सुकेश चंद्रशेखर और अन्य आरोपियों के खिलाफ मुख्य चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। अदालत उस चार्जशीट का संज्ञान ले चुकी है और मामले में आरोप भी तय किए जा चुके हैं।

फिल्मी किरदारों को निजी सोच से न जोड़ें: कंगना रनौत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की सांसद एवं अभिनेत्री कंगना रनौत ने सामाजिक माध्यमों पर उनकी पुरानी फिल्मों के दृश्य साझा कर की जा रही आलोचना का जवाब देते हुए कहा है कि अभिनय के दौरान निभाए गए किरदार उनकी निजी सोच या जीवन का प्रतिबिंब नहीं होते। उन्होंने स्पष्ट किया कि कलाकार के रूप में निभाई गई भूमिकाएं केवल अभिनय का हिस्सा होती हैं और उसके लिए उन्हें मेहनताना मिला था। हाल के दिनों में कंगना रनौत की कुछ टिप्पणियों को लेकर सामाजिक माध्यमों पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसके बाद अनेक उपयोगकर्ताओं ने उनकी पुरानी फिल्मों के दृश्य और पात्रों के अंश साझा करते हुए उनकी आलोचना शुरू कर दी। इन प्रसारित दृश्यों के माध्यम से उनके वर्तमान बयानों पर सवाल उठाए गए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना रनौत ने कहा कि उन्होंने जिन पात्रों का अभिनय किया, वह उनके पेशे का हिस्सा था। उन भूमिकाओं के लिए उन्हें पारिश्रमिक मिला था और उनका उद्देश्य केवल अभिनय करना था। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार के फिल्मी पात्रों को उसकी वास्तविक विचारधारा या निजी जीवन से जोड़कर देखना उचित नहीं है। कंगना रनौत ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि फिल्मी दृश्यों और पात्रों के माध्यम से युवाओं को भ्रमित करने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, अभिनय और व्यक्तिगत विचार पूरी तरह अलग-अलग विषय हैं और दोनों के बीच अंतर समझना आवश्यक है। बताया जा रहा है कि हाल ही में एक प्रदर्शन के दौरान प्रसारित कुछ वीडियो पर कंगना रनौत की प्रतिक्रिया के बाद सामाजिक माध्यमों पर उनके विरुद्ध अभियान चलाया गया। इसी क्रम में उनकी पुरानी फिल्मों के दृश्य साझा कर उनकी आलोचना की गई। कंगना रनौत के इस बयान के बाद सामाजिक माध्यमों पर बहस और तेज हो गई है। एक वर्ग उनके पक्ष में तर्क दे रहा है कि कलाकार के अभिनय और उसके निजी विचारों में अंतर होना चाहिए, जबकि दूसरा वर्ग उनके हालिया बयानों को लेकर अपनी असहमति जता रहा है।

फर्जी पैकर्स एंड मूवर्स के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर थाना पुलिस ने फर्जी पैकर्स एंड मूवर्स के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक व्यक्ति से डिलीवरी के नाम पर उसका घरेलू सामान और पैसे हड़प लिये थे। पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान गुरुग्राम निवासी अजय कुमार सिंह के रूप में हुई है। उसके खिलाफ लक्ष्मी नगर निवासी एक व्यक्ति ने 12 जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने दिल्ली से बिहार अपना घरेलू सामान भेजने के लिए स्पेस लॉजिस्टिक्स पैकर्स एंड मूवर्स की सेवाएं ली थीं। कंपनी के प्रतिनिधियों ने 1 जुलाई और 8 जुलाई को उसके घर से पूरा सामान उठा लिया। फिर डिलीवरी के नाम पर अतिरिक्त 20 हजार रुपये की मांग की। पैसे मिलने के बावजूद उसने न तो सामान पहुंचाया और न ही रकम लौटाई। पुलिस ने आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार कर शिकायतकर्ता का पूरा घरेलू सामान बरामद किया है।

बचपन की सुरक्षा का संकल्प, 200 बच्चों ने देखा दिल्ली प्रीमियर लीग का उद्घाटन

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। सेंट्रल जिला पुलिस ने जुलाई 2026 के चाइल्ड सेफ्टी मंथ का समापन एक विशेष पहल के साथ किया, जिसमें करीब 200 बच्चों को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली प्रीमियर लीग के उद्घाटन समारोह और पहले मुकाबले का साक्षी बनने का अवसर दिया गया। विभिन्न सरकारी स्कूलों, ट्रस्टों और अनाथालयों से आए इन बच्चों ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स और पुरानी दिल्ली 6 के बीच खेले गए मैच का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) ने बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने, सतर्कता बरतने और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। बच्चों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए इस पहल को सराहा। समापन अवसर को यादगार बनाने के लिए सभी बच्चों को स्मृति-चिह्न के रूप में टी-शर्ट और अल्पाहार वितरित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और गायिका सुनंदा शर्मा के लाइव कार्यक्रम ने आयोजन में उत्साह का रंग भरा। यह पहल मनोरंजन के साथ-साथ बच्चों में जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनी। सेंट्रल जिला पुलिस के अनुसार पूरे जुलाई माह में 40 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके जरिए 30 हजार से अधिक बच्चों, अभिभावकों और अन्य लोगों तक बाल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, नशा विरोधी जागरूकता और आपातकालीन सेवाओं की जानकारी पहुंचाई गई। नाजुक और निर्भीक पहल के तहत 6 हजार से अधिक बच्चों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया, जबकि ऑपरेशन मिलाप के अंतर्गत 25 लापता बच्चों को उनके परिजनों से मिलाया गया, जो पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली को रेखांकित करता है।

निजामुद्दीन स्टेशन पर 20 करोड़ की कोकीन जब्त, पुरानी दिल्ली स्टेशन पर 20 लाख के हीरे के गहने बरामद

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की रेलवे इकाई ने अलग-अलग कार्रवाइयों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर अंतरराज्यीय कोकीन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जबकि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई हाई-वैल्यू चोरी के मामले का भी खुलासा कर दिया। पुलिस ने एक ओर करीब 2.288 किलोग्राम कोकीन बरामद की, जिसकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये बताई गई है, वहीं दूसरी ओर करीब 20 लाख रुपये के हीरे के गहने भी बरामद कर लिए गए। कोकीन तस्करी के मामले में विशेष स्टाफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर गश्त के दौरान दो संदिग्ध विदेशी महिलाओं को पकड़ा। तलाशी के दौरान एक आरोपी के कब्जे से 11 पैकेट में कोकीन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चिकांसो जेम्स (43) और हैप्पीनेस ओकोये (41) के रूप में हुई है, जो नाइजीरिया की नागरिक हैं। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के बीच सक्रिय था वहीं दूसरी कार्रवाई में पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री के पर्स से चोरी हुए हीरे के कंगन, सोने की चेन, पेंडेंट, अंगूठियां और नकदी के मामले का खुलासा किया गया। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी आरुषि (45), निवासी रघुबीर नगर, को गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर सभी कीमती गहने बरामद कर लिए गए। पुलिस ने दोनों मामलों में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। कोकीन मामले में मुख्य आरोपी को रिमांड पर लेकर पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन और आर्थिक कड़ियों की जांच की जा रही है, जबकि चोरी के मामले में आरोपी के आपराधिक इतिहास और अन्य संभावित वारदातों की भी पड़ताल जारी है।

सेवानिवृत्ति के दिन मिला सम्मान, 202 पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति

नई दिल्ली, प्रात : किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में आयोजित पिपिंग समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे 202 पुलिसकर्मियों को उनके अंतिम कार्यदिवस पर मानद पदोन्नति प्रदान की गई। पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर कांस्टेबल से लेकर उपनिरीक्षक तक के कर्मियों को अगले उच्च पद के बैज पहनाकर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिस सेवा अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है, जहां हर दिन नई जिम्मेदारियों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के समर्पण, ईमानदारी और पेशेवर दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में संगठन की गरिमा को बनाए रखा। उन्होंने पुलिसकर्मियों के व्यक्तिगत और पारिवारिक त्याग का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्तव्य की कठोरता के कारण परिवार को समय देना अक्सर कठिन होता है। ऐसे में परिजनों का सहयोग और धैर्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसके लिए उन्होंने सभी परिवारों का आभार व्यक्त किया। समारोह में 202 कर्मियों को मानद पदोन्नति दी गई, जिनमें 7 हेड कांस्टेबल को सहायक उपनिरीक्षक, 37 सहायक उपनिरीक्षक को उपनिरीक्षक और 158 उपनिरीक्षक को निरीक्षक बनाया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, सम्मानित पुलिसकर्मी और उनके परिजन उपस्थित रहे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बास्केटबॉल खिलाड़ी कुशल सिंह को मानहानि मामले में दी अंतरिम राहत

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पेशेवर बास्केटबॉल खिलाड़ी कुशल सिंह को मानहानि मामले में अंतरिम राहत दी है। अदालत ने इंस्टाग्राम पर उनके खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक पोस्ट को तुरंत हटाने का आदेश दिया है। इन पोस्ट में कुशल सिंह पर यौन उत्पीड़न और यौन दुर्व्यवहार जैसे आरोप लगाए गए थे। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की अदालत ने संबंधित व्यक्ति को निर्देश दिया है। उसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट या किसी अन्य नियंत्रित अकाउंट से ऐसी सभी पोस्ट, रील्स, स्टोरी हाइलाइट्स, कैप्शन और कमेंट्स तुरंत हटाने होंगे। यदि संबंधित व्यक्ति पोस्ट हटाने में विफल रहता है, तो कुशल सिंह इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा से संपर्क कर सकते हैं। मेटा को अदालत के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना होगा। यह मामला कुशल सिंह द्वारा दायर मानहानि याचिका से जुड़ा है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि जुलाई 2026 से इंस्टाग्राम पर उनके खिलाफ लगातार पोस्ट साझा की जा रही थीं। इन पोस्ट से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा था। कुशल सिंह ने अदालत में कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह गलत और मानहानिकारक हैं। उन्होंने दावा किया कि इन पोस्ट को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा, जिससे उनकी पेशेवर छवि प्रभावित हुई। अदालत ने मामले में प्रतिवादियों को समन जारी किए हैं। उन्हें 30 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली प्रक्रिया 17 सितंबर को जॉइंट रजिस्ट्रार (न्यायिक) के समक्ष होगी। अंतरिम आवेदन और मुख्य मामले पर अगली सुनवाई 13 जनवरी 2027 को निर्धारित की गई है। वकील की दलीलें और अदालत का आदेश सुनवाई के दौरान खिलाड़ी के वकील ने अदालत को बताया।

जंतर-मंतर पर संतों ने किया हवन, विपक्षी नेताओं के लिए सद्बुद्धि की कामना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी के जंतर-मंतर पर शनिवार को विश्व हिंदू परिषद की ओर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में संतों ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव तथा अन्य विपक्षी सांसदों के लिए सद्बुद्धि की कामना करते हुए हवन किया। आयोजन के दौरान संतों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए सनातन परंपरा और संत समाज का उपहास न करने की अपील की। धार्मिक अनुष्ठान में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के न्यासी विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी महाराज की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ नारायण गिरी महाराज, महामंडलेश्वर महंत नवल किशोर दास महाराज, भारतीय बौद्ध संघ के अध्यक्ष भंते संघप्रिय राहुल सहित अनेक संत मौजूद रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुतियां अर्पित की गईं। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के इंद्रप्रस्थ प्रांत के अध्यक्ष कपिल खन्ना, प्रांत मंत्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता, दिल्ली संत महामंडल के प्रतिनिधि, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शामिल हुए। हवन के बाद सुरेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि हाल के दिनों में सार्वजनिक जीवन में कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे अनेक लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं और संत परंपरा के सम्मान को लेकर चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन राजनीतिक अभिव्यक्ति के दौरान भारत की संत परंपरा, धार्मिक प्रतीकों और सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। भंते संघप्रिय राहुल ने कहा कि संसद परिसर में संत परंपरा का जिस प्रकार कथित रूप से उपहास किया गया और सनातन मूल्यों पर टिप्पणी की गई, उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

एनएच-48 पर धौला कुआं व रक्षा क्षेत्र के पास दूर होगी जाम की समस्या

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। एनएच-48 पर धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास बने टी-जंक्शन और रक्षा क्षेत्र के निकट स्थित टी-जंक्शन पर रोज लगने वाले भीषण जाम से जल्द राहत मिलेगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एनएच-48 के इस के चौड़ीकरण की योजना तैयार की है। इस कार्य पर करीब 9.44 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे उन लोगों को फायदा होगा जो धौला कुआं के रास्ते दिल्ली से गुरुग्राम जाते व आते हैं। एनएचएआई के अनुसार, एनएच-48 पर धौला कुआं और रक्षा क्षेत्र के पास जाम की समस्या है। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को सीमित जगह के कारण यहां सुबह-शाम पीक आवर्स में लंबा जाम झेलना पड़ता है। जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों तक को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। इस प्रभावित हिस्से की लंबाई करीब 2.9 किलोमीटर है। धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास टी-जंक्शन को सुधारा जाएगा। साथ ही धौला कुआं से इस जंक्शन तक सड़क को चौड़ा किया जाएगा। इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र के पास राजमार्ग के हिस्से को चौड़ा किया जाएगा। रक्षा क्षेत्र में टी-जंक्शन का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क चौड़ी होने से वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और जंक्शन पर लगने वाला जाम काफी हद तक कम हो जाएगा। इससे न सिर्फ आम राहगीरों को राहत मिलेगी बल्कि सड़क हादसों की आशंका भी घटेगी।

संक्षिप्त खबरें

डीयू में स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए सोमवार से खुलेगी मिड एंट्री

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) 2026 के तहत अब तक दाखिले लेने से चूके छात्रों के लिए राहत की खबर है। ऐसे छात्र अब मिड एंट्री के माध्यम से सिस्टम में प्रवेश कर सकते हैं। डीयू सोमवार को मिड एंट्री का विकल्प खोलने जा रहा है। बीते सप्ताह दूसरी आवंटन सूची के दाखिले संपन्न होने के बाद भी अभी कुछ कोर्सेज में कुछ सीटें शेष हैं। ऐसे में अब उन छात्रों को मौका मिलेगा जो कि सीएसएएस में 26 जून से 11 जुलाई तक आवेदन (पहला चरण) करने से चूक गए थे। मिड एंट्री के तहत तीन अगस्त से पांच अगस्त रात 11:59 मिनट तक आवेदन किया जा सकेगा। इसके साथ ही छात्र अपने ब्यौरे में सुधार भी कर सकेंगे। मिड एंट्री के लिए छात्रों को एक हजार रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। सीट आवंटन की तीसरी सूची आठ सितंबर को जारी की जाएगी। मालूम हो कि दो आवंटन सूची के बाद डीयू की 71, 624 सीटों पर अब तक 71,400 से अधिक दाखिले हो चुके हैं। कई कॉलेजों में कुल सीटों से अधिक दाखिले हुए हैं।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली छह को हराया

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) का शुक्रवार को भव्य आगाज हुआ। मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली छह को चार विकेट से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। पहले बल्लेबाजी करते हुए पुरानी दिल्ली छह ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 202 रन बनाए। कप्तान अनुज रावत ने 59 गेंदों पर नाबाद 105 रन (11 चौके, 5 छक्के) की शानदार पारी खेली, जबकि देव लाकड़ा ने 37 गेंदों पर 53 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 132 रन की साझेदारी की। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज शुरुआत की। कप्तान यश धुल ने 45 गेंदों पर 72 रन बनाए। वंश बेदी (13 गेंद, 28 रन) और केशव डबास ने अंतिम ओवरों में दबाव संभाला। डबास ने पेनल्टीमेट ओवर की आखिरी दो गेंदों पर लगातार चौके लगाए, जबकि जसवीर सेहरावत ने आखिरी ओवर में विजयी रन बनाकर टीम को चार विकेट से यादगार जीत दिलाई।

दिल्ली पुलिस ने पंजाबी बाग में हत्या के प्रयास में वांछित बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पंजाबी बाग थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी सुल्तानपुरी निवासी धीरज उर्फ जुडी (24) को गिरफ्तार किया है। आरोपी धीरज अलीगढ़, उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी है और वर्तमान में दिल्ली के अमन विहार क्षेत्र में किराये पर रह रहा था। इसके खिलाफ पहले से 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त चंद्रकुमार सिंह ने बताया कि 30 जनवरी 2026 को शिकायतकर्ता दीपक, पश्चिम पुरी, दिल्ली में अपने फूड कार्ट पर मौजूद था। रात करीब 9:15 बजे कुछ हमलावर पीछे से आए और धारदार हथियार से उस पर बेरहमी से हमला कर दिया। पुलिस को पता चला कि आरोपी धीरज उर्फ जुडी अपने सहयोगियों के साथ हत्या के प्रयास के मामले में शामिल था। इससे पहले, पांच आरोपी ऋतिक उर्फ माया, अमित, करण, विशाल और बिरजू, को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, जबकि धीरज उर्फ जुडी और अन्य सहयोगी फरार थे।

आईपीयू के स्पोर्ट्स कोटा में आवेदन की अंतिम तिथि

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) में स्पोर्ट्स कोटा दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि दो अगस्त है। इच्छुक छात्र आज आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रोग्रामों में स्पोर्ट्स कोटा उपलब्ध है। इन प्रोग्रामों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। प्रत्येक प्रोग्राम में इस कोटा के लिए एक-एक अतिरिक्त सीट निर्धारित की गई है। आवेदन के साथ 2,500 रुपये का शुल्क भी जमा करना होगा। आवेदन फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। भरे हुए फॉर्म विश्वविद्यालय के द्वारका कैंपस स्थित सुविधा केंद्र में दो अगस्त तक जमा कराए जा सकते हैं।

ई-20 के खिलाफ टाउनहॉल में बोले केजरीवाल, देश को पंपों पर शुद्ध पेट्रोल और ई-20 का विकल्प दे सरकार

● जिस दिन 140 करोड़ लोगों ने मिलकर अपनी आवाज उठा दी, मोदी जी को ई-20 वापस लेना पड़ेगा- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की ओर से शनिवार को दिल्ली के कांस्टिट्यूशन क्लब में आयोजित नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20 को देश भर से जबरदस्त समर्थन मिला। कॉमेडियन श्याम रंगीला ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के सवालों का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंदाज में देकर ऑनलाइन और ऑफलाइन टाउनहॉल को देख रहे 7 लाख से अधिक लोगों को हंसने और जबरदस्ती ई-20 के थोपने के पीछे की वजह को समझने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने देशवासियों की तरफ से मोदी सरकार के सामने तीन मांगे रखीं। पहला, पेट्रोल पंप पर ई-20 और शुद्ध पेट्रोल का विकल्प होना चाहिए। दूसरा, शुद्ध पेट्रोल से ई-20 सस्ता होना चाहिए और तीसरा, पेट्रोल का दाम 84 रुपए प्रति लीटर से कम होना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी, ट्रम्प को खुश करने के लिए हमारे देश के लोगों पर जबरदस्ती इथेनॉल थोप रहे हैं। अमेरिका इथेनॉल का उत्पादन करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। पिछले साल भारत ने अमेरिका से 1 बिलियन लीटर इथेनॉल आयात किया था। इस साल ई-20 लागू होने के बाद, भारत पिछले साल की तुलना में अमेरिका से 5 गुना अधिक इथेनॉल इंपोर्ट करेगा। ट्रम्प को खुश करने के लिए मोदी जी देश की जनता को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने देश के लोगों से अपील करते हुए कहा कि पेट्रोल और डीजल की गाड़ियां खरीदना बंद कर दें। जब तक देश में ई-100 की गाड़ियां बननी शुरू न हो जाएं, गाड़ी न खरीदें। यह सरकार आपको बर्बाद कर देगी। सरकार और उसके मंत्री बार-बार ई-20 को सुरक्षित और इसके खिलाफ आवाज उठाने वालों को एंटी नेशनल बता रहे- केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी ने ई-20 मिलावटी पेट्रोल हमारे देश के ऊपर थोपा है। इससे देश की जनता बहुत ज्यादा परेशान है। 7 लाख से ज्यादा लोग इस मुद्दे पर अपना समर्थन प्रकट करने के लिए जुड़े हैं। मुझे पूरा यकीन है कि केंद्र सरकार भी यह कार्यक्रम देख रही होगी। जब भी इनके मंत्री आते हैं, तब कहते हैं कि ई-20 सेफ है, ई-20 से कोई प्रॉब्लम नहीं है और ई-20 के खिलाफ आवाज उठाने वाले एंटी-नेशनल हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि आज हमने इतनी सारी टेस्टिमनीज उनके सामने रखीं और इतने सबूत रखे। लोकल सर्कल्स नाम की एक संस्था ने देशभर में गाड़ियां इस्तेमाल करने वाले 45 हजार लोगों का सर्वे किया।

कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर दिल्ली कांग्रेस का प्रदर्शन देश में सबसे बेहतर, 98 प्रतिशत उपलब्धि का श्रेय कार्यकताओं को : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर संगठनात्मक प्रदर्शन की समीक्षा में दिल्ली कांग्रेस ने 98 प्रतिशत प्रदर्शन दर्ज कर देश की सभी प्रदेश कांग्रेस समितियों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने इस उपलब्धि का पूरा श्रेय पार्टी के कार्यकताओं, पदाधिकारियों और कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े नागरिकों को दिया। देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए संगठन सृजन अभियान के बाद संगठन को मजबूत बनाने के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा में दिल्ली कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल के साथ हुई समीक्षा बैठक में कांग्रेस कनेक्ट पोर्टल पर दिल्ली कांग्रेस की 98 प्रतिशत समग्र प्रदर्शन दर दर्ज की गई, जो कार्यकर्ताओं की एकजुटता, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। प्रदेश अध्यक्ष ने इस उपलब्धि पर कांग्रेस परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले समय में भी इसी एकजुटता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए दिल्ली कांग्रेस को संगठनात्मक रूप से और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। देवेंद्र यादव ने कहा कि उन्होंने 5 मई, 2024 को लोकसभा चुनाव से पहले चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व संभाला था। उस समय संगठन को पुनर्जीवित करने, कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकजुट करने तथा लगातार चुनावी पराजय के बाद कमजोर पड़े संगठन को फिर से खड़ा करने की बड़ी चुनौती थी। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले 8 नवम्बर, 2024 से 8 दिसम्बर, 2024 तक दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली न्याय यात्रा निकाली गई। इसके माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय किया गया और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मत प्रतिशत में वृद्धि दर्ज करने का प्रयास किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए जिला अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। साथ ही लोकसभा, जिला और विधानसभा स्तर पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, विभिन्न प्रकोष्ठों और विभागों को सक्रिय करने तथा अग्रिम संगठनों को सशक्त बनाने जैसे कदम उठाए गए, जिससे संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हुआ और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का कार्य हुआ।

विरोध प्रदर्शन में इस्तेमाल भाषा के लिए माफी नहीं मांगेंगे : आइसा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा ने प्रदर्शनकारियों द्वारा केंद्र सरकार की तीखी आलोचना में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए माफी मांगने या उसकी निंदा करने से इनकार कर दिया है। नेहा ने आलोचकों पर आरोप लगाया कि वे 20 जुलाई की कार्रवाई के दौरान पैलेट गन और पुलिस बल के इस्तेमाल से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। नेहा ने कहा कि कुछ प्रदर्शनकारियों की भाषा को लेकर हो रहे विवाद का इस्तेमाल संसद मार्च वाले दिन पुलिस की कार्रवाई पर जवाबदेही के मुद्दे को दबाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक प्रदर्शनकारी 15 साल की लड़की है, जिसने केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की थी, जिससे वह विवाद के केंद्र में आ गई और उसके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गईं। इस किशोरी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई ह्यचुनिंदा आक्रोशह्ण का मामला है। नेहा के मुताबिक, भाषा नहीं, बल्कि प्रदर्शनकारियों को लगी चोटों पर बात होनी चाहिए। आइसा अध्यक्ष ने कहा कि यह आंदोलन एक बड़े कैंपेन में बदल गया है, जिसमें पुलिस कार्रवाई पर केंद्र से जवाबदेही मांगी जा रही है। नेहा बोरा ने बताया कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार को हटाने की मांग जारी रहेगी। साथ ही गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों की रिहाई के लिए भी कोशिशें जारी रहेंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही सिर्फ छोटे अधिकारियों तक सीमित नहीं हो सकती।

दिल्ली में कंधे की सर्जरी का सबसे बड़ा मंच सजा, डॉ. प्रियदर्शी अमित और डॉ. शशांक मिश्रा की अगुवाई में जुटे दुनिया के दिग्गज विशेषज्ञ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कंधे की जटिल सर्जरी को नई दिशा देने और मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में राजधानी दिल्ली में शनिवार से तीन दिवसीय दिल्ली शोल्डर आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स (ऊश्रअउ) 2026 का शुभारंभ हुआ। देश-विदेश के नामचीन शोल्डर सर्जन, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ, शोधकर्ता और चिकित्सा पेशेवर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुए हैं। सम्मेलन में अत्याधुनिक शोल्डर रिप्लेसमेंट, पुनर्निर्माण सर्जरी, आधुनिक इम्प्लांट्स और नई सर्जिकल तकनीकों पर गहन मंथन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित आयोजन का नेतृत्व डॉ. प्रियदर्शी अमित, हेड ऑफ अपर लिम्ब सर्जरी, अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद तथा डॉ. शशांक मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक सर्जन, सर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली कर रहे हैं। दोनों विशेषज्ञों ने इस मंच को केवल एक वैज्ञानिक सम्मेलन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान, अनुभव और आधुनिक तकनीकों के आदान-प्रदान का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि साक्ष्य-आधारित चिकित्सा, बेहतर प्रशिक्षण और वैश्विक सहयोग से मरीजों को अधिक सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में दुनिया के कई प्रतिष्ठित शोल्डर सर्जन अपने शोध, अनुभव और नवीनतम उपचार पद्धतियों को साझा कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान, केस आधारित चर्चाएं, पैनल डिस्कशन और इंटरैक्टिव वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें जटिल मामलों के उपचार, नई सर्जिकल चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा हो रही है सम्मेलन का सबसे बड़ा आकर्षण कैडेवर वर्कशॉप है, जहां प्रतिभागियों को विशेषज्ञों की निगरानी में अत्याधुनिक शोल्डर आर्थ्रोप्लास्टी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा री-लाइव सर्जरी सत्रों के माध्यम से जटिल ऑपरेशन की पूरी प्रक्रिया, ऑपरेटिव निर्णय और सर्जरी की तकनीकी बारीकियों को विस्तार से समझाया जा रहा है। इससे युवा ऑर्थोपेडिक सर्जनों और प्रशिक्षुओं को वास्तविक परिस्थितियों में सीखने का अवसर मिल रहा है। सम्मेलन में आधुनिक इम्प्लांट्स, रोबोटिक और एडवांस सर्जिकल तकनीकों, मरीजों की शीघ्र रिकवरी और बेहतर क्लिनिकल परिणामों पर भी विशेष चर्चा की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार विकसित हो रही तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शोल्डर सर्जरी के क्षेत्र में भारत की भूमिका और अधिक मजबूत होगी। आयोजकों के अनुसार, ऊश्रअउ 2026 केवल एक अकादमिक सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत को उन्नत ऑर्थोपेडिक शिक्षा और शोल्डर सर्जरी के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस मंच के माध्यम से भारतीय और विदेशी विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ेगा, जिससे भविष्य में मरीजों को और बेहतर, सुरक्षित तथा आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अभाविप के आंदोलन का असर डीयू में एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों की सीटें दोगुनी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के छात्रहित में किए गए आंदोलन का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने एक वर्षीय परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीटों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। इस फैसले से अधिक संख्या में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति ने विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के बाद एक वर्षीय पीजी पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाने की सिफारिश की थी। समिति की अनुशंसा को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सीटों की संख्या दोगुनी करने का फैसला लिया। साथ ही, कॉलेजों को उनकी आवश्यकता और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार सीटों में अतिरिक्त वृद्धि करने की अनुमति भी दी गई है। इस निर्णय का स्वागत करते हुए अभाविप ने इसे छात्रहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। संगठन का कहना है कि सीटों में बढ़ोतरी से अधिक योग्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश का अवसर मिलेगा और विश्वविद्यालय में प्रवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। अभाविप के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि परिषद के आंदोलन के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ाने का निर्णय छात्र समुदाय की बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि स्थापना काल से ही अभाविप ह्यठीक करेंगे तीन काम ह्यप्रवेश, परीक्षा और परिणामह्ण के ध्येय के साथ कार्य कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय का यह निर्णय योग्य छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार करेगा। उल्लेखनीय है कि 17 जुलाई को अभाविप ने इस मांग को लेकर दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष व्यापक प्रदर्शन किया था। आंदोलन के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने मामले पर विचार करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया, जिसकी सिफारिशों के आधार पर अब यह निर्णय लिया गया है।

सांसद पप्पू यादव की तुरंत हो गिरफ्तारी, वरना सड़कों पर उतरेगा गोरक्षनाथ सनातन संघ : विनोद कुमार त्रिपाठी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

गोरक्षनाथ सनातन संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पंडित संतोष मिश्रा जी ने बताया कि निर्दलीय लोकसभा सांसद (पूर्णिया) पप्पू यादव द्वारा संसद परिसर में साधु-संतों के वेश में किए गए प्रदर्शन और सनातन धर्म, प्रभु श्री राम व पवित्र अयोध्या धाम पर दिए गए आपत्तिजनक बयानों पर गोरक्षनाथ सनातन संघ ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार त्रिपाठी जी के नेतृत्व में थाना प्रभारी, कैंट थाना (गोरखपुर) को भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 की धारा 299, 196, 352 एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत तत्काल प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने हेतु प्रार्थना पत्र सौंपा गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद कुमार त्रिपाठी जी ने पुलिस-प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहाः सांसद पप्पू यादव के अमर्यादित कृत्य से देश-विदेश में बसे करोड़ों सनातन धर्म के अनुयायियों की आस्था और भावनाओं को गहरा आघात पहुँचा है। पुलिस प्रशासन आरोपी सांसद के खिलाफ तत्काल FIR दर्ज कर उन्हें अविलंब गिरफ्तार करे। यदि समय रहते गिरफ्तारी नहीं हुई, तो गोरक्षनाथ सनातन संघ पूरे प्रदेश के हर जिले में सड़कों पर उतरकर उग्र धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। संघ की प्रमुख माँगेः तत्काल FIR व गिरफ्तारीः धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में सांसद के खिलाफ मामला दर्ज कर तुरंत कानूनी कार्रवाई हो। साक्ष्यों का संरक्षणः घटना से संबंधित सभी मीडिया रिपोर्ट्स, वीडियो फुटेज और डिजिटल साक्ष्यों को जांच में शामिल किया जाए। कठोर कार्रवाईः सामाजिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मिसाली कानूनी कदम उठाए जाएं।इस अवसर पर संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी (उत्तर प्रदेश) सुधाकर त्रिपाठी, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरीनाथ राज सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (गोरक्ष प्रांत) आलोक रंजन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद सिंह, सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-20 ईंधन नीति के विरोध से पहले तहसीन पूनावाला ने लगाया नजरबंदी का आरोप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजनीतिक विश्लेषक एवं सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने आरोप लगाया है कि ई-20 ईंधन नीति के विरोध में प्रस्तावित एकल पदयात्रा और सांकेतिक उपवास से पहले दिल्ली पुलिस ने उन्हें उनके ग्रेटर कैलाश स्थित आवास पर बिना किसी लिखित आदेश के बाहर निकलने से रोक दिया। पूनावाला ने इसे अवैध नजरबंदी बताते हुए अपने सामाजिक माध्यम खातों पर कई वीडियो भी साझा किए हैं। तहसीन पूनावाला का कहना है कि उन्होंने पहले ही घोषणा की थी कि वह एपीजे अब्दुल कलाम मार्ग से 30 जनवरी मार्ग स्थित गांधी स्मृति तक अकेले पदयात्रा करेंगे और वहां दिनभर मौन उपवास रखेंगे। उनका आरोप है कि निर्धारित समय से पहले ही पुलिसकर्मी उनके घर पहुंच गए और उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। पूनावाला के अनुसार, उन्होंने पुलिस अधिकारियों से लिखित आदेश या हिरासत संबंधी दस्तावेज दिखाने का आग्रह किया, लेकिन उन्हें कोई आदेश उपलब्ध नहीं कराया गया। उनका दावा है कि पुलिस अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने का हवाला देते हुए सहयोग करने को कहा और आशंका जताई कि प्रस्तावित मार्च में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने से स्थिति प्रभावित हो सकती है। सामाजिक माध्यम पर साझा किए गए वीडियो में तहसीन पूनावाला पुलिस अधिकारियों से यह पूछते दिखाई देते हैं कि बिना किसी लिखित आदेश के उन्हें कैसे रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें मीडिया से बातचीत करने से रोका गया तथा विरोध में शामिल होने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

हज-2027 की तैयारियां शुरू, चयनित यात्रियों को 1.52 लाख रुपये अग्रिम राशि जमा करने के निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश हज कमेटी ने हज-2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया की ऑनलाइन कुर्रा (लॉटरी) प्रक्रिया के बाद दिल्ली के 2706 लोगों का हज यात्रा के लिए चयन हुआ है। चयनित सभी यात्रियों को 10 अगस्त तक प्रति व्यक्ति 1,52 लाख रुपये की अग्रिम हज राशि जमा करानी होगी। समय पर राशि जमा नहीं करने पर हज सीट रद्द हो सकती है। हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी ने बताया कि अग्रिम राशि हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में जमा की जा सकती है। अंतिम तिथि तक भुगतान नहीं करने वालों की सीट निरस्त हो सकती है। राशि जमा करने के बाद यात्रियों को हज आवेदन पत्र की हस्ताक्षरित प्रति, रंगीन फोटो, शपथ पत्र, कैंसिल चेक, पासपोर्ट की फोटोप्रति, चिकित्सा प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज हज मंजिल स्थित कार्यालय में जमा करने होंगे, जिसके लिए अलग से सूचना दी जाएगी। दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने चयनित यात्रियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए कमेटी पूरी तरह तैयार है।

जेएनयू के छात्र पढ़ेंगे नशा मुक्ति का पाठ

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के छात्रों को नशा मुक्ति का पाठ पढ़ाने के लिए दो अगस्त से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान शुरू होगा। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करना है। विश्वविद्यालय ने सर्कुलर जारी कर सभी स्कूलों, केंद्रों व विभागों को जागरूकता कार्यक्रम, शपथ, रैली, पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता, व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक आदि आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। छात्र-शिक्षकों को माई भारत पोर्टल पर डिजिटल शपथ लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। जेएनयू प्रशासन ने डीन ऑफ स्टूडेंट्स व सभी केंद्राध्यक्षों से अधिकतम छात्र भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है।

निगमायुक्त ने सदर बाजार में कुतुब रोड एवं तेलीवाड़ा अखाड़ा क्षेत्र का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। निगमायुक्त संजीव खिरवार ने शनिवार को सदर बाजार क्षेत्र के कुतुब रोड स्थित तेलीवाड़ा अखाड़ा के सामने जलभराव संभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा भविष्य में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त संजीव खिरवार ने जल निकासी व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि पूर्व में मुख्य मैनहोल में प्लास्टिक एवं पॉलीथीन फंस जाने के कारण जल निकासी बाधित हो जाती थी। इस समस्या के समाधान के लिए मैनहोल को जाली (ग्रिल) से ढकने की व्यवस्था की गई है, जिससे कचरा भीतर न जा सके और पानी का प्रवाह निरंतर बना रहे। संजीव खिरवार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्राथमिकता इस बात की होनी चाहिए कि जलभराव की स्थिति उत्पन्न ही न होने पाए। यदि किसी कारणवश ऐसी स्थिति बनती भी है तो तत्काल एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस संवेदनशील स्थल पर 24.7 कर्मचारियों की तैनाती की जाए, जो लगातार स्थिति पर निगरानी रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि क्षेत्र में स्थापित सभी पंप पूर्णतः कार्यशील रहें तथा उनकी नियमित निगरानी की जाए, ताकि वर्षा के दौरान जल निकासी में किसी प्रकार की बाधा न आए। निगमायुक्त ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके अधीन आने वाले सभी सीवरों की समयबद्ध एवं समुचित सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे कहीं भी पानी का अवरोध उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि अंतर-विभागीय समन्वय और बेहतर तालमेल से ही जलभराव जैसी समस्याओं का प्रभावी एवं स्थायी समाधान संभव है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी संवाद किया, उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि दिल्ली नगर निगम नागरिकों को जलभराव से होने वाली असुविधा से बचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि निगम का प्रयास है कि प्रत्येक संबंधित विभाग के सहयोग से समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई कर नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दिल्ली बार काउंसिल चुनाव में डीके शर्मा बने सदस्य

नई दिल्ली। दिल्ली बार काउंसिल के चुनाव में तीस हजारी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार शर्मा (डीके शर्मा) ने जीत दर्ज कर बार काउंसिल के सदस्य के रूप में अपनी जगह बनाई है। उनकी जीत के बाद दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है। इस बार दिल्ली बार काउंसिल चुनाव में कुल 221 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से 25 सदस्यों का चुनाव हुआ, जिनमें 18 पुरुष और 7 महिला सदस्य शामिल हैं। डीके शर्मा ने 2,323 वोट हासिल कर पुरुष वर्ग में 15वां स्थान प्राप्त किया और सदस्य निर्वाचित हुए। डीके शर्मा वर्तमान में तीस हजारी कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा वह दिल्ली जिला अदालतों की बार एसोसिएशनों की समन्वय समिति (कोऑर्डिनेशन कमेटी) के अध्यक्ष भी हैं। उनकी जीत पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। जीत के बाद डीके शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार, समर्थकों और दिल्ली के अधिवक्ताओं को दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह अधिवक्ताओं के हितों की मजबूती से आवाज उठाएंगे और बार व बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

बारिश में डेंगू की दस्तक लापरवाही पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली। राजधानी में मानसून के दौरान तेज बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में हर बुखार को वायरल समझकर घर पर दवा लेना खतरनाक हो सकता है, क्योंकि यह डेंगू का शुरूआती संकेत भी हो सकता है। देरी से जांच और इलाज से हालत गंभीर हो सकती है, इसलिए लगातार तेज बुखार होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। जलभराव से एडीज मच्छरों का प्रजनन बढ़ने से डेंगू का खतरा बढ़ जाता है। डेंगू के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, जोड़ों में दर्द, कमजोरी, उल्टी और लाल चकत्ते हैं। शुरूआत में वायरल जैसे लगते हैं। गुरु तेग बहादुर अस्पताल के डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि दो दिन से अधिक बुखार रहने पर जांच कराएं।

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम के छात्र ने चीन में देश का मान बढ़ाया

गुरुग्राम। शहर के अतुल कटारिया मेमोरियल स्कूल के 17 वर्षीय छात्र पार्थ धीमन ने चीन के शेन्जेन में आयोजित विश्व प्रसिद्ध हैक क्लब फॉलआउट में भारत का प्रतिनिधित्व कर जिले और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। विश्वभर से पहुंचे युवा नवाचारकर्ताओं के बीच पार्थ ने अपने तकनीकी कौशल और नवाचार क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पार्थ ने बताया कि करीब तीन महीने पहले उन्होंने इस प्रतिष्ठित हैकाथॉन का हिस्सा बनने का लक्ष्य तय किया था। लगातार मेहनत और तैयारी के बाद उनका यह सपना साकार हुआ। शेन्जेन में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने विभिन्न देशों के प्रतिभाशाली छात्रों के साथ मिलकर कई हार्डवेयर परियोजनाओं पर काम किया और नई तकनीकों को समझने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान पार्थ ने विश्वप्रसिद्ध हाइडुओ मेकर्स्पेस में हार्डवेयर निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। इसके अलावा उन्होंने शेन्जेन के प्रसिद्ध हुआकियांगबेई इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट का भ्रमण किया, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) तैयार किए, हार्डवेयर से जुड़ी तकनीकी चुनौतियों का समाधान किया और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव हासिल किया। इस दौरान पार्थ की मुलाकात हैक क्लब के संस्थापक जैक लड्ढा से भी हुई। दुनिया के अलग-अलग देशों से आए युवा नवाचारकर्ताओं के साथ काम करने और उनके अनुभवों से सीखने को उन्होंने अपने जीवन का यादगार अवसर बताया। पार्थ धीमन ने कहा कि यह यात्रा उनके लिए केवल एक हैकाथॉन नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, सीखने की लगन और नवाचार के प्रति समर्पण का परिणाम है।

मुख्यमंत्री को प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए आमंत्रण

गुरुग्राम। समाज उत्थान न्यास की ओर से आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। संस्था संरक्षक नरेश गुप्ता व संस्थापक गगनदीप सैनी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आमंत्रण दिया। जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान करने का अनुरोध किया। समारोह में गुरुग्राम के 10वीं व 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। संस्था ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे बच्चों की मार्कशीट की प्रति, पता और मोबाइल नंबर 15 अगस्त तक गूगल फॉर्म के माध्यम से अनिवार्य रूप से जमा कराएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें समारोह में सम्मानित किया जा सके।

हार्डवेयर की दुकान के ताले तोड़कर हजारों का सामान चोरी

सोहना। शहर के नागरिक अस्पताल मार्ग पर शुक्रवार रात हार्डवेयर की दुकान के ताले तोड़कर चोर 70 हजार रुपये का सामान चोरी कर ले गए। शहर के वार्ड 18 में रहने वाले सागर लोहिया ने पुलिस शिकायत में बताया कि शनिवार को सुबह छह बजे उसके पड़ोस में दुकान चलाने वाले राजेन्द्र सैनी दुकानदार का फोन आया। उसने बताया कि दुकान का शटर उठा हुआ है और ताले टूटे हुए हैं। वह मौके पर पहुंचे तो पता चला कि शटर पर जड़े ताले तोड़कर गंदे पानी की नाली में गिराए हुए थे। सुबह उठकर देखा तो अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। गल्ला भी डोर बाहर काउंटर पर खाली रखी हुई थी। सागर लोहिया ने बताया कि गल्ले में 7 से 8 हजार रुपये की नकदी थी। वह गायब है। दुकान के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। क्योंकि दुकान से पीतल से तैयार सामान चोरी हुए है। जिनकी कीमत करीब 70 हजार रुपये की है। तीन साल पहले भी दुकान की दीवार को पीछे से तोड़कर चोरी की गई थी।

नूंह में 71 हजार मतदाता प्रारूप सूची से हटाए गए, 30 अगस्त तक दावे का मौका

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत नूंह जिले में मतदाता सत्यापन का पहला चरण पूरा हो गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अखिल पिलानी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि घर-घर जाकर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा सत्यापन के बाद प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। अब 01 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया चलेगी। उपायुक्त ने बताया कि जिले में कुल 655 मतदान केंद्रों हैं और सत्यापन से पहले मतदाताओं की संख्या 6,59,697 थी। जांच के दौरान 71,052 मतदाता ऐसे मिले जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट श्रेणी में पाए गए। ऐसे मतदाताओं के नाम फिलहाल प्रारूप मतदाता सूची से अस्थायी रूप से हटाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अंतिम मतदाता सूची नहीं है। जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें निर्धारित अवधि के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपना दावा करने का पूरा अवसर मिलेगा।

12,886 मतदाताओं की मैपिंग लंबित

उपायुक्त ने बताया कि सत्यापन के दौरान 12,886 मतदाताओं का वर्ष 2002 अथवा 2004 की मतदाता सूची के साथ आवश्यक पारिवारिक या अन्य प्रकार का मिलान नहीं हो पाया। इसका अर्थ यह नहीं है कि उनका मताधिकार समाप्त हो गया है। ऐसे सभी मतदाताओं को बीएलओ के माध्यम से नोटिस जारी किए जाएंगे और दस्तावेजों के आधार पर उनके मामलों का निस्तारण किया जाएगा।

1.67 लाख से अधिक मतदाताओं को भेजे जाएंगे नोटिस

उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग की संगणक प्रणाली द्वारा 1,67,168 मतदाताओं के रिकॉर्ड में विभिन्न प्रकार की विसंगतियां चिन्हित की गई हैं। इनमें नाम, वर्तनी, अभिलेखों के मिलान और अन्य तकनीकी त्रुटियां शामिल हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता : सतेंद्र गुप्ता

-कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस आयुक्त ने दिए अधिकारियों को निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस आयुक्त कार्यालय सेक्टर 21सी में पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में कांवड़ यात्रा की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने बताया कि डीसीपी ट्रैफिक जयवीर सिंह को कांवड़ यात्रा ड्यूटी का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं डीसीपी सेंट्रल, डीसीपी बल्लभगढ़ एवं डीसीपी एनआईटी अपने-अपने जोन में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की निगरानी करेंगे तथा सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करेंगे। बैठक में यात्रा के लिए निर्धारित तीन प्रमुख मार्गों की विशेष समीक्षा की गई। इनमें आगरा कैनाल मार्ग, बदरपुर बॉर्डर से बाईपास मार्ग तथा बदरपुर बॉर्डर से राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। इन सभी मार्गों पर प्रभावी नाकाबंदी, नियमित गश्त तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कहा कि आगरा कैनाल के साथ लगने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं की संख्या अधिक रहेगी, इसलिए इस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, ट्रैफिक कर्मचारी एवं आपातकालीन संसाधन उपलब्ध रहेंगे।

शादी से इनकार किया तो महिला ने प्रेमी को मौत के घाट उतारा, मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। गांव अनंगपुर में प्रेमी द्वारा शादी से मना करने से गुस्साई प्रेमिका ने उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। अपराध शाखा डीएलएफ पुलिस ने आरोपित महिला को मध्यप्रदेश के जिला रीवा गांव सतना से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित महिला को शनिवार अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। रिमांड अवधि के दौरान हत्या में प्रयुक्त हथियार, घटना से जुड़े अन्य साक्ष्य तथा वारदात के सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई को थाना सूरजकुंड में पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव अनंगपुर के डोमका मोहल्ला स्थित एक मकान में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान सदाकत (36 वर्ष), निवासी रामपुर शाहपुर, जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। जांच में पाया गया कि धारदार हथियार से उसका गला काटकर हत्या की गई थी। घटना के संबंध में मृतक के भाई नजाकत अली की शिकायत पर थाना सूरजकुंड में हत्या की धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच अपराध शाखा डीएलएफ को जिम्मेदारी सौंपी गई। जांच के दौरान अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने तकनीकी विश्लेषण एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर एक महिला को गिरफ्तार किया है। सूचना के बाद 24 घंटे में ही पुलिस की टीम ने कामयाबी हासिल की है। महिला से पूछताछ में सामने आया कि मृतक सदाकत और आरोपिता दोनों ओमेक्स सोसाइटी में काम करते थे।

खेड़कीदौला टोल पर जाम से उद्योगों को सालाना 350 करोड़ का नुकसान

-टोल प्लाजा से रोज गुजरने वाले वाहनों में 25 हजार उद्योगों के होते हैं

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। खेड़कीदौला टोल पर जाम से मानेसर के उद्योगों को हर साल 350 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। मानेसर इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में उद्योगों के नुकसान के बारे में जानकारी दी है। एसोसिएशन अध्यक्ष राजेश गुप्ता बताया कि खेड़कीदौला टोल प्लाजा से रोजाना लगभग 80 हजार वाहन गुजरते हैं। पीक आवर्स में 15 से 20 मिनट तक इंतजार यहां आम बात है। इसमें 25 हजार व्यवसायिक वाहन उद्योगों से जुड़े होते हैं। प्रति वाहन समय, फ्यूल और ऑपरेशन कॉस्ट का औसत नुकसान 250 से 400 रुपये बैठता है। केवल व्यावसायिक यातायात को प्रतिदिन करीब 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक का नुकसान होता है। सालाना यह आंकड़ा लगभग 350 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसमें अप्रत्यक्ष नुकसान जैसे उत्पादन में देरी, आपूर्ति देरी का जुर्माना और बिजनेस अवसरों का नुकसान शामिल नहीं है। उद्योग जगत इसे सिर्फ टोल नहीं, बल्कि उद्योग विकास की राह में बड़ा बैरियर मानता है। आईएमटी मानेसर देश का सबसे बड़ा में ऑटोमोबाइल हब है। इस क्षेत्र में 3500 उद्योग संचालित होते हैं। इसमें ऑटो कंपोनेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सेक्टर की कई बड़ी भारतीय और विदेशी कंपनियां काम कर रही हैं। इनमें से अधिकांश जस्ट-इन-टाइम मैन्युफैक्चरिंग मॉडल पर निर्भर हैं, जहां कुछ मिनट की देरी भी पूरी प्रोडक्शन लाइन को प्रभावित करती है। उद्यमियों का कहना है कि टोल पर लगने वाला जाम कच्चे माल की सप्लाई और तैयार उत्पाद की डिस्पैच दोनों को प्रभावित करता है। इससे लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ती है। उद्यमी विनोद अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न औद्योगिक संगठनों और उद्यमियों की ओर से टोल हटाने की लंबे समय से मांग जारी है। प्रदेश से लेकर केंद्र सरकार तक के समक्ष इस मुद्दे को उठाया जा चुका है। अभी तक आश्वासन के अलावा और कुछ इन्हें नहीं मिला है। उद्यमियों का कहना है कि प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की बात होती है, जबकि यह टोल प्लाजा इस राह में सबसे बड़ी बाधा है। पचगांव में टोल शिफ्ट करने के लिए जमीन तय नहीं हो पा रही है। टोल की वजह से गुरुग्राम, आईएमटी मानेसर का औद्योगिक क्षेत्र और आसपास की 40 से ज्यादा सोसाइटियों की आबादी प्रभावित हो रही है।

गुरुग्राम में बाइक चोरी करने का आरोपी काबू, छह मामले सुलझे

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। पुलिस की अपराध शाखा सोहना ने बाइक चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की छह बाइक बरामद की हैं। साथ ही वाहन चोरी के छह मामलों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना शिवाजी नगर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज है। जानकारी के अनुसार दो जून 2026 को एक व्यक्ति ने थाना शिवाजी नगर गुरुग्राम में शिकायत दी थी कि 30 मई 2026 की रात को जिला न्यायालय से उसकी बाइक किसी व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। अपराध शाखा सोहना की पुलिस टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को दिनांक 31 जुलाई 2026 को नजदीक टूरिज्म कॉम्प्लेक्स सोहना से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान रफीक उर्फ रफाक निवासी गांव गुलालता जिला नूंह के रूप में हुई है। पुलिस छानबीन में आरोपी ने गुरुग्राम में बाइक चोरी की चार अन्य वारदातों और रेवाड़ी से एक अन्य वारदात को अंजाम देने का खुलासा किया। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड से पता चला कि उस पर चोरी के संबंध में नूंह में पहले से एक केस दर्ज है। आरोपी के कब्जे से चोरी की छह बाइक बरामद की गई हैं। पुलिस ने सभी बाइक जब्त कर ली हैं। मामले में आगे अनुसंधान जारी है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो मिस्त्री घायल

गुरुग्राम। सोहना सदर थाना क्षेत्र में हेमराज चौक के पास पिकअप वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बाइक सवारों के साथी की शिकायत पर पिकअप चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अभयपुर गांव निवासी रोहित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके घर पर धर्म और अमरदीप नामक दो मिस्त्री टाइल लगाने का काम करते हैं। 30 जुलाई दोपहर दोनों बाइक से खाना खाने के लिए किराये के कमरे पर जा रहे थे। इसी दौरान हेमराज चौक के पास दमदमा की ओर से सोहना आ रही तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में धर्म और अमरदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले सोहना नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर नूंह स्थित नल्हड़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को मौके से जब्त कर थाने में खड़ा करवा लिया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल रविंद्र कर रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि चालक शिव कुमार को जांच में शामिल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम: ग्रीन बेल्ट से अवैध टॉयलेट निर्माण का ढांचा हटाने की मांग

-रेजिडेंट्स ने उठाई जनभावनाओं के सम्मान की आवाज

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर-5 की ग्रीन बेल्ट में किए गए टॉयलेट निर्माण को लेकर स्थानीय रेजिडेंट्स ने एक बार फिर विरोध दर्ज कराते हुए अवैध निर्माण के ढांचे को हटाने की मांग की है। पूर्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सेक्टर-3, 5 एवं 6 दिनेश वशिष्ठ ने शनिवार को बताया कि ग्रीन बेल्ट में टॉयलेट निर्माण का स्थानीय निवासियों ने शुरू से ही विरोध किया था। आरोप है कि इसके बावजूद भी वार्ड-35 के पार्षद परमिंदर कटारिया द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया। दिनेश वशिष्ठ ने बताया कि रेजिडेंट्स की मांग पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से निर्माण की विभागीय स्वीकृति एवं स्वीकृत नक्शा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कोई भी वैध अनुमति, स्वीकृत नक्शा प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके बाद संबंधित विभाग को लिखित शिकायत दी गई, जिसके उपरांत ग्रीन बेल्ट में टॉयलेट का निर्माण कार्य रोक दिया गया। मदन गोपाल यादव ने कहा कि ग्रीन बेल्ट सार्वजनिक हरित क्षेत्र है, जहां पेड़ों की कटाई कर निर्माण करना स्थानीय लोगों की भावनाओं के विपरीत है। अवैध टॉयलेट निर्माण के ढांचे को हटाकर ग्रीन बेल्ट को उसकी मूल स्थिति में बहाल किया जाना चाहिए। नवतरंग एनजीओ की चेयरपर्सन रितु चौधरी ने कहा कि उनका संगठन विकास कार्यों का विरोध नहीं करता, लेकिन सभी विकास कार्य नियमों के अनुरूप और निर्धारित स्थान पर ही होने चाहिए। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार हरियाली बढ़ाने और वृक्षारोपण को प्रोत्साहित कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रीन बेल्ट में पेड़ों की कटाई कर निर्माण किया जाना चिंताजनक है। भाजपा नेत्री अनीता लूथरा अग्रवाल ने कहा कि सेक्टर-5 मार्केट में सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के लिए निर्धारित स्थान उपलब्ध है। ऐसे में वहीं पर शौचालय का निर्माण कराया जाना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस पर दिखेगी संस्कृति और देशभक्ति की झलक

गुरुग्राम। जिले के सरकारी और निजी स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस वर्ष आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जिले के आठ स्कूल हिस्सा लेंगे। समारोह को खास बनाने के लिए सभी स्कूलों को अलग-अलग थीम दी गई हैं, जिन पर विद्यार्थी नृत्य, नाटक और गीतों की प्रस्तुति तैयार कर रहे हैं। जैकबपुरा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को पंजाबी संस्कृति की थीम दी गई है। वहीं मॉडल संस्कृति स्कूल, सुशांत लोक सेक्टर-43 के विद्यार्थी हरियाणवी सावन नृत्य प्रस्तुत करेंगे। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-4/7 को राजस्थानी संस्कृति, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-49 को पर्यावरण संरक्षण, सेक्टर-4 ब्लू बेल्स मॉडल स्कूल को नारी सशक्तिकरण, सेक्टर-82 प्रणव नंदा स्कूल को वंदे मातरम और देव समाज विद्या निकेतन स्कूल को मंगल पांडे थीम पर प्रस्तुति देने की जिम्मेदारी दी गई है। स्कूलों में हो रही प्रतिदिन रिहर्सल सभी स्कूलों के विद्यार्थी 6 अगस्त को ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अपनी-अपनी थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। इसके बाद चयन समिति बेहतर प्रदर्शन करने वाले छह स्कूलों का चयन फाइनल राउंड के लिए करेगी। स्कूलों में इन दिनों प्रतिदिन रिहर्सल कराई जा रही है। विद्यार्थी देशभक्ति गीतों, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय संस्कृति और सामाजिक संदेशों को मंच पर उतारने की तैयारी कर रहे हैं। शिक्षा विभाग का उद्देश्य है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में विद्यार्थियों की प्रतिभा के साथ देशभक्ति और सांस्कृतिक विविधता की झलक दिखाई दे।

दोस्त ने सीने में घोंपा पेचकस, फेफड़ा फटा; खाना लाने से किया था इनकार

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद में आठ साल पुरानी दोस्ती एक मामूली बात पर खून-खराबे में बदल गई। होटल से खाना लाने से इनकार करने पर एक युवक ने अपने दोस्त की छाती में पेचकस घोंप दिया। वार इतना गहरा था कि पेचकस फेफड़े तक पहुंच गया और उसमें छेद हो गया। गंभीर हालत में घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने सर्जरी कर उसकी जान बचाई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। सूरजकुंड थाना क्षेत्र की सतबीर कालोनी, मेवला महाराजपुर में किराये पर रहने वाले रिजौल, निवासी जिला दुमका (झारखंड) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गाड़ी चलाने का काम करता है। उसकी मोकस से करीब आठ साल पुरानी दोस्ती है। आरोप है कि मोकस के घर में इन दिनों पारिवारिक विवाद चल रहा था। पीड़ित के अनुसार, 29 जुलाई की रात करीब दो से तीन बजे के बीच मोकस ने उसे फोन कर होटल से खाना लाने के लिए कहा। उस समय वह दूसरे काम में व्यस्त था, इसलिए खाना नहीं ला सका। इस बात पर आरोपित ने फोन पर गाली-गलौज की और उसे घर के बाहर बुला लिया। रिजौल ने बताया कि वह मोटरसाइकिल पर बैठकर उसका इंतजार कर रहा था। कुछ देर बाद मोकस कार से वहां पहुंचा और बिना कुछ कहे उसकी छाती में जान से मारने की नीयत से पेचकस घोंप दिया। वार करने के बाद आरोपित ने दोबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया।

परिवार पहचान पत्र में आय का सत्यापन चार को होगा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) में दर्ज आय का सत्यापन किया जाएगा। जिला प्रशासन इसके लिए चार अगस्त को आठ ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं आयोजित करेगा। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नवनीत कौर ने बताया कि इन ग्राम सभाओं में पात्र परिवारों की आय संबंधी जानकारी का सत्यापन किया जाएगा, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सके। जिला प्रशासन के जारी कार्यक्रम के अनुसार फर्रुखनगर खंड के पातली हाजीपुर गांव में सामान्य चौपाल, सुल्तानपुर गांव में रेलवे स्टेशन वाली चौपाल में ग्राम सभा आयोजित होगी। गुरुग्राम खंड के टीकली गांव में सामुदायिक केंद्र तथा साढराणा गांव में ब्राह्मण चौपाल को आयोजन स्थल बनाया गया है। पटौदी खंड के बहोड़ा कलां गांव में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा सिधरावली गांव में पंचायत घर में ग्राम सभा होगी। वहीं सोहना खंड के घामड़ौज गांव में कम्युनिटी सेंटर और रिठौज गांव में राजकीय विद्यालय में ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने संबंधित पंचायतों के लोगों से निर्धारित स्थल पर समय पर पहुंचकर आय सत्यापन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी ने बताया कि सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम सभाओं का आयोजन निर्धारित तिथि पर समय से सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ग्राम सभा से पूर्व संबंधित गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों को इसकी सूचना दी जाए। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र परिवार इस प्रक्रिया से वंचित न रहे और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जानकारी प्रस्तुत करने का अवसर मिले।

सड़क हादसे में घायल युवक ने दम तोड़ा

सोहना। शहर पुलिस थाना के सामने छह दिन पहले सड़क हादसे में घायल हुआ 28 वर्षीय युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वह एक कंपनी में नौकरी करता था। शनिवार को शहर थाना पुलिस ने शव का सोहना नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। नगर परिषद के वार्ड नौ के गांव जखोपुर में रहने वाले 28 वर्षीय सकील का सोमवार को शहर थाना के सामने स्कूटी पर जा रहा था। पीछे से आई कार ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मारी। जिससे स्कूटी से उछलकर सामने डिवाइडर से टकरा गया था। इस दौरान सकील के सिर में काफी गंभीर चोटें आई। सकील को पहले सोहना के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। बाद में डॉक्टरों द्वारा रेफर किए जाने के बाद बादशाहपुर के निजी अस्पताल में ही दाखिल कराया था। शुक्रवार की रात को सकील ने उपचार के दौरान दमतोड़ दिया।

-रोजवुड सिटी में सुबह चार बजे 10-12 युवकों ने किया उपद्रव

बादशाहपुर। सेक्टर-49 स्थित रोजवुड सिटी के सी-ब्लॉक में शनिवार सुबह शराब के नशे में धुत युवकों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि करीब 10 से 12 युवकों ने सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों के साथ गाली-गलौज और अभद्रता की। विरोध करने पर सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट की गई और वाहन से मुख्य गेट पर लगे बूम बैरियर को तोड़कर जबरन सोसाइटी में प्रवेश कर लिया गया। सोसाइटी के लोगों के अनुसार, सुबह करीब चार बजे कुछ युवक कारों में सवार होकर पहुंचे थे। उनके साथ एक महिला भी थी। सुरक्षा नियमों के तहत मायगेट ऐप पर उनके प्रवेश की कोई अनुमति दर्ज नहीं थी। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मियों और सुपरवाइजर ने जब वाहनों को रोककर जानकारी मांगी तो युवक भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। आरोप है कि युवकों ने सुरक्षाकर्मियों को गालियां दीं और धमकियां दीं। इसी दौरान एक युवक ने कार सुरक्षाकर्मी की ओर मोड़ दी, जिससे उसे चोट लग गई। घायल सुरक्षाकर्मी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद युवकों ने मुख्य गेट का बूम बैरियर तोड़ते हुए सोसाइटी में प्रवेश कर लिया। नियमों की अनदेखी की गई रोजवुड सिटी सी-ब्लॉक के अध्यक्ष अशोक यादव ने बताया कि युवक सोसाइटी में किराए पर रहने वाली एक महिला के पास आए थे। मकान मालिक ने देर रात अधिक लोगों के आने पर आपत्ति जताई थी, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी की गई। जाते समय युवकों ने दोबारा बूम बैरियर को टक्कर मारी और फरार हो गए। अभी तक पुलिस को लिखित शिकायत नहीं मिली है। जिस सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट हुई है, वह शिकायत देने नहीं आया है। पुलिस टीम सुरक्षा एजेंसी से संपर्क कर रही है। शिकायत मिलने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम: कोविड में मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की सोच को लगे पंख

- -जीतो के बैनर तले लगे उड़ान 2.0 ट्रेड फेयर में देशभर से प्रोडक्ट लेकर पहुंची महिलाएं
- -अपैरल हाउस में शुरू हुआ दो दिवसीय ट्रेड फेयर
- -कोविड में बिगड़े हालातों से पैदा हुई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की सोच
- -डीसीपी मुख्यालय अंशुल सिंगला जैन ने किया ट्रेड फेयर का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जैन इंटरनेशनल ट्रेडर्स ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) की ओर से यहां सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में उड़ान 2.0 बी2सी ट्रेड फेयर आयोजित किया गया। बिगेस्ट लाइफ स्टाइल एगजीबीशन ऑफ गुरुग्राम नाम से इस ट्रेड फेयर के शुभारंभ के साथ ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। डीसीपी मुख्यालय अंशुल सिंगला जैन ने शनिवार को ट्रेड फेयर का शुभारंभ किया। उड़ान 2.0 बी2सी ट्रेड फेयर में हर स्टॉल पर एक खास प्रोडक्ट नजर आया। सजावट का सामान, हाथ से पिसे, कुटे हुए मसाले, सौंदर्य प्रसाधन, साबुन, शैम्पू, लेडिज सूट, राखी, बच्चों के कपड़े समेत अनेक स्टॉल्स यहां महिलाओं की ओर से लगाए गए। मुख्य अतिथि डीसीपी मुख्यालय अंशुल सिंगला ने महिलाओं को हर समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। उद्योग, व्यापार के क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपने आप को बेहतर साबित करके दिखाया है। जीतो के अध्यक्ष शैलेश जैन ने बताया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जीतो ने यह कदम उठाया है। यह दूसरे साल में एगजीबीशन लगी है। कोविड में देखा कि परिवारों से कमाने वालों का जीवन समाप्त हुआ। परिवारों की आर्थिक हालत काफी खराब हो गई। वहीं से यह ख्याल आया कि क्यों न जैन परिवारों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे परिवार का सहारा बन सकें। धीरे-धीरे इस पर काम शुरू किया और अब काफी संख्या में जैन परिवारों की महिलाएं आगे बढ़ीं हैं। लगभग पूरे भारत से यहां पर महिलाएं पहुंची हैं। मुंबई, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, आगरा, लुधियाना समेत अनेक बड़े शहरों से यहां पर महिलाएं अलग-अलग प्रोडक्ट लेकर पहुंची हैं। जैन समाज के प्रवक्ता अभय जैन एडवोकेट ने जीतो के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस के प्रयास और कार्य करना समय की जरूरत थी, जिसे जीतो ने समय पर समझा और इसकी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के जवाब में शुरू किया गया आत्मनिर्भर भारत अभियान ऐसी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना है। सरकारी नीतियों को स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने के लिये एक सक्षम वातावरण बनाने, वित्तीय प्रोत्साहन, कर छूट और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।

फरीदाबाद में मामा की बरसी में आई छात्रा की करंट लगने से दुखद मौत

फरीदाबाद। फरीदाबाद में आईएमटी क्षेत्र के गांव मच्छगर में मामा की बरसी में शामिल होने आई 12वीं की छात्रा की कपड़े प्रेस करते समय करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद स्वजन उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। पुलिस जांच अधिकारी जयसिंह ने बताया कि मृतका की पहचान तान्या (20) के रूप में हुई है, जो दिल्ली की रहने वाली थी। वह अपने मामा की बरसी में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही गांव मच्छगर स्थित ननिहाल आई थी। स्वजन के अनुसार शुक्रवार सुबह घर में बरसी की तैयारियां चल रही थीं।

आईटीआई प्रवेश का तीसरा राउंड तीन अगस्त से

गुरुग्राम। जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण पूरा होने के बाद अब तीसरे राउंड की शुरूआत 3 अगस्त से होगी। दूसरे चरण में चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूरा हो चुका है। अब रिक्त सीटों पर तीसरे चरण में दाखिले होंगे। प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त को खाली सीटों का विवरण जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी 3 से 5 अगस्त तक पोर्टल पर अपने विकल्प और प्राथमिकताओं में बदलाव कर सकेंगे। तीसरे राउंड की मेरिट एवं सीट आवंटन सूची 7 अगस्त को जारी होगी। चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 12 अगस्त तक संबंधित आईटीआई में होगा। वहीं 7 से 14 अगस्त तक ऑनलाइन शुल्क जमा कर अभ्यर्थी अपना प्रवेश सुनिश्चित कर सकेंगे। इसके बाद 16 अगस्त से चौथे राउंड की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दिन रिक्त सीटों का विवरण जारी होगा और 16 से 18 अगस्त तक विकल्पों में संशोधन किया जा सकेगा। चौथे राउंड की सीट आवंटन सूची 18 अगस्त को जारी होगी। दस्तावेजों का सत्यापन 18 से 21 अगस्त तथा ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित की गई है।

विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 02 अगस्त, 2026

सम्पादकीय

भारतीय मानव अधिकार रक्षक संस्था का मिशन मानव अधिकारों की रक्षा और सामाजिक उत्थान

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

किसी भी सभ्य समाज की पहचान वहां के नागरिकों के अधिकारों, सम्मान और सुरक्षा से होती है। जब समाज में किसी व्यक्ति के मानव अधिकारों का हनन होता है या वह अन्याय का शिकार बनता है, तब ऐसी संस्थाओं की आवश्यकता महसूस होती है जो निष्पक्ष होकर पीड़ितों की आवाज बने। भारतीय मानव अधिकार रक्षक संस्था इसी उद्देश्य को लेकर कार्य कर रही है। संस्था का लक्ष्य केवल मानव अधिकारों की रक्षा करना ही नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास, शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना भी है। संस्था का प्रमुख उद्देश्य मानव अधिकारों के हनन के मामलों में पीड़ितों की आवाज उठाना और उन्हें उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। साथ ही, पारिवारिक विवादों को आपसी समझ और संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाता है ताकि छोटे-छोटे मतभेद बड़े विवाद का रूप न ले। संस्था प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समाज में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखने का भी प्रयास करती है। इसका उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है। भारतीय मानव अधिकार रक्षक संस्था समाज में सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए विभिन्न विभागों के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करती है, जो अपने कर्तव्यों का ईमानदारी और निष्ठा से पालन करते हैं। इसके साथ ही संस्था समाज के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का संचालन करती है, जिससे समाज में सहयोग, भाईचारा और सेवा की भावना मजबूत हो सके। संस्था का मानना है कि शिक्षित समाज ही सशक्त समाज होता है। इसी सोच के साथ प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जाता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को भी संस्था मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने का संकल्प रखती है, ताकि वे अपने भविष्य को बेहतर बना सके। बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए संस्था युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने का प्रयास करती है। प्रशिक्षण, मार्गदर्शन तथा आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक सहयोग के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार और रोजगार के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे आत्मनिर्भर भारत की भावना को भी मजबूती मिलती है। महिलाओं के आर्थिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए संस्था निरंतर प्रयासरत है। महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, उनमें भागीदारी सुनिश्चित करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके अलावा ह्लबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्व अभियान के माध्यम से समाज में बेटियों के सम्मान, शिक्षा और सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य भी किया जाता है। दहेज प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए संस्था लगातार जागरूकता अभियान चलाने का लक्ष्य रखती है। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाकर उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास भी किया जाता है। संस्था की सदस्यता के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है। साथ ही उसका नाम किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए। नए सदस्य की सदस्यता प्रारंभिक रूप से 5 माह के लिए मान्य होगी। इस अवधि में सदस्य के कार्यों और सक्रियता का मूल्यांकन किया जाएगा। संतोषजनक कार्य करने वाले सदस्य की सदस्यता एक वर्ष के लिए बढ़ा दी जाएगी। संस्था के सभी सदस्यों को 5 माह के भीतर अपने अधीन रिक्त पदों पर नए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर अपनी समिति का गठन पूर्ण करना होगा। सक्रिय रूप से कार्यकाल पूरा करने वाले सदस्यों को पदोन्नति दी जाएगी तथा उनका नियुक्ति पत्र संबंधित थाना प्रभारी से लेकर जिलाधिकारी तक प्रेषित किया जाएगा। सदस्यता के लिए आवश्यक दस्तावेज संस्था के व्हाट्सएप नंबर पर अथवा कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से जमा किए जा सकते हैं। भारतीय मानव अधिकार रक्षक संस्था का उद्देश्य केवल अधिकारों की बात करना नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण के माध्यम से एक जागरूक, सुरक्षित और विकसित समाज का निर्माण करना है।

मानसून का कहर बना राष्ट्रीय चुनौती

कांतिलाल मांडोत

देश में मानसून एक बार फिर अपने रौद्र रूप में दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत से लेकर पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत तक बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कहीं नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तो कहीं शहरों में जलभराव ने परिवहन व्यवस्था ठप कर दी है। उत्तर प्रदेश में गंगा का पानी बिजनौर में बहसूमा-ठाकुरद्वारा राज्य मार्ग तक पहुंच गया है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के कारण गंगा, घाघरा-सरयू सहित कई नदियां उफान पर हैं। बलिया में सरयू नदी के कटाव से मकान नदी में समा गए हैं और कई परिवारों के सामने विस्थापन का संकट खड़ा हो गया है। भारतीय मौसम विभाग ने राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश तथा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई स्थानों पर ऑरेंज और रेड अलर्ट लागू हैं। गुजरात और उत्तराखंड के कई जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। गुजरात इस समय सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में शामिल है। बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के असर से सूरत, खेड़ा, नडियाद तथा आसपास के इलाकों में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। सूरत जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव की व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है। राहत शिविरों में भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की गई है। तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए बड़े होर्डिंग, कमजोर ढांचों और अस्थायी शेड हटाए जा रहे हैं। हाईमास्ट लाइटों को सुरक्षित स्थिति में लाया गया है और निर्माणाधीन परियोजनाओं पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सूरत महानगरपालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें तथा अफवाहों पर विश्वास न करें। पशुपालकों से भी कहा गया है कि वे अपने पशुओं को ऐसे स्थान पर न बांधें जहां बाढ़ की स्थिति में उन्हें नुकसान हो सकता है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि एक अगस्त की सुबह तक का समय सबसे अधिक संवेदनशील माना जा रहा है और सभी विभाग चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। सूरत के उद्योग क्षेत्रों में हालात बेहद चिंताजनक हैं। जुलाई के पहले सप्ताह में आई बाढ़ से कई औद्योगिक इकाइयों में आठ से तीस फीट तक पानी भर गया था। करोड़ों रुपये की मशीनरी, कच्चा माल, तैयार उत्पाद, विद्युत उपकरण, दस्तावेज और फर्नीचर नष्ट हो गए। इसके बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह में हुई बारिश ने उद्योगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। उद्योगपतियों का कहना है कि प्रत्येक इकाई को दस से पंद्रह लाख रुपये अथवा उससे अधिक का नुकसान हुआ है। इसी कारण उन्होंने नगर प्रशासन से आगामी दो वर्षों का संपत्ति कर माफ करने की मांग की है। बाढ़ से परेशान उद्योगपतियों ने अपनी पीड़ा सीधे महापौर और नगर प्रशासन के समक्ष रखी तथा राहत पैकेज की मांग दोहराई। उत्तर प्रदेश में भले ही मैदानों में मानसून कुछ कमजोर पड़ा हो, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा का असर नदियों पर साफ दिखाई दे रहा है। गंगा, घाघरा और सरयू जैसी नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। राज्य के चौबीस जिलों में वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है जबकि ललितपुर, मिर्जापुर और सोनभद्र में भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है। उत्तराखंड में पिछले कई दिनों से रुक-रुककर वर्षा जारी है। बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़क अवरोध की आशंका बनी हुई है। हिमाचल प्रदेश में भी कांगड़ा सहित कई जिलों में तेज बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है और मौसम विभाग ने आगामी दिनों तक मानसून सक्रिय रहने की संभावना जताई है।

सोशल मीडिया की अदालतः क्या भीड़ का फैसला ही अंतिम सत्य है?

आज के दौर में लगभग सभी लोगों के पास मोबाइल फोन है और कुछ ही सेकंड में कोई भी व्यक्ति अपने विचार पूरी दुनिया में साझा कर सकता है। सूचना का लोकतंत्रीकरण आधुनिक समाज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि समाचार और विचार अब पारंपरिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं हैं। लेकिन इस सशक्तिकरण में एक गंभीर खतरा भी छिपा है। आजकल तर्कपूर्ण बहस की जगह अधूरी जानकारी, अफवाहें, ऑनलाइन ट्रोलिंग और डिजिटल भीड़ के विचारों ने ले ली है। कई मामलों में, व्यूज, रेटिंग और वायरल होने की होड़ सच्चाई की खोज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। महज कुछ घंटों में एक वीडियो ऑनलाइन आ जाता है, किसी मुद्दे का एक पक्ष सामने आता है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट उसे फैला देते हैं, और लाखों लोग बिना सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के किसी को दोषी घोषित कर देते हैं। सोशल मीडिया की यह तत्काल अदालत न तो तथ्यों की समीक्षा करती है और न ही निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करती है। इसने अक्सर अन्यायपूर्ण तरीके से, भावनाओं, अधूरी सच्चाइयों और भीड़ की मानसिकता के आधार पर फैसले सुनाए हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह बदल गई है। आज के दौर में लगभग सभी लोगों के पास मोबाइल फोन है और कुछ ही सेकंड में कोई भी व्यक्ति अपने विचार पूरी दुनिया में साझा कर सकता है। सूचना का लोकतंत्रीकरण आधुनिक समाज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि समाचार और विचार अब पारंपरिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं हैं। लेकिन इस सशक्तिकरण में एक गंभीर खतरा भी छिपा है। आजकल तर्कपूर्ण बहस की जगह अधूरी जानकारी, अफवाहें, ऑनलाइन ट्रोलिंग और डिजिटल भीड़ के विचारों ने ले ली है। कई मामलों में, व्यूज, रेटिंग और वायरल होने की होड़ सच्चाई की खोज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। महज कुछ घंटों में एक वीडियो ऑनलाइन आ जाता है, किसी मुद्दे का एक पक्ष सामने आता है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट उसे फैला देते हैं, और लाखों लोग बिना सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के किसी को दोषी घोषित कर देते हैं। सोशल मीडिया की यह तत्काल अदालत न तो तथ्यों की समीक्षा करती है और न ही निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करती है। इसने अक्सर अन्यायपूर्ण तरीके से, भावनाओं, अधूरी सच्चाइयों और भीड़ की मानसिकता के आधार पर फैसले सुनाए हैं। हाल ही में एक स्कूल शिक्षक के मामले में यह चिंता फिर से सामने आई है। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर शिक्षक को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया का तुरंत इस्तेमाल किया गया। अनगिनत उपयोगकर्ताओं ने कठोर निर्णय लिए, उनके चरित्र पर संदेह जताया और सभी तथ्य सामने आने से पहले ही उन्हें दोषी घोषित कर दिया। लेकिन जैसे-जैसे महीने बीतते गए, एक अलग ही कारण सामने आया। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच के अधिकार को अधिकाधिक महत्व दिया जाने लगा। यह उन अहम सवालों में से एक है। क्या आरोपी की निंदा करने वाले लोग दूसरे पक्ष की बात सुनने को भी तैयार होंगे? क्या वे यह स्वीकार करेंगे कि उनसे जल्दबाजी में फैसला लेने की संभावना हो सकती है? लेकिन क्या रुझान, आक्रोश और ऑनलाइन लोकप्रियताह्व सच्चाई से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बने रहेंगे? भारतीय न्याय प्रणाली का एक मूलभूत पहलू यह है कि निर्दोषता का सिद्धांत भारतीय न्यायालयों में एक सार्वभौमिक नियम है, जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को दोषी सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है। यह कोई कानूनी तर्क-वितर्क नहीं, बल्कि किसी भी सभ्य समाज का मूलभूत सिद्धांत है। जब इस सिद्धांत का उल्लंघन होता है, तो न्याय के स्थान पर अराजकता फैल जाती है, और कोई भी व्यक्ति किसी भी कारण से जन आक्रोश का शिकार हो सकता है। ट्रोलिंग सिर्फ आलोचना तक सीमित नहीं है, यह ऑनलाइन होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सार्वजनिक दंड के रूप में किया जाता है। लोग लाइक्स, शेयर्स और व्यूज के नाम पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, करियर, परिवार और भविष्य को बर्बाद करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। दशकों की अच्छी प्रतिष्ठा पल भर में नष्ट हो सकती है। अदालत में निर्दोष साबित होने पर भी सामाजिक कलंक अक्सर मिटता नहीं है। तो फिर एक अहम सवाल उठता है। झूठे आरोप में फँसे व्यक्ति को सम्मान कौन दिलाएगा? क्या वायरल पोस्ट को हटाने से लोगों की याददाश्त मिट जाएगी? क्या सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के बाद व्यक्ति पश्चाताप करेगा, या उसे भुला दिया जाएगा? ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। कानूनी तौर पर निर्दोष साबित होने से सामाजिक क्षति की पूरी तरह भरपाई नहीं हो सकती। हालांकि, यह बात भी बेहद महत्वपूर्ण है कि असली अपराधियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। महिलाओं, बच्चों या छात्रों की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कानूनी सजा लगाई जानी चाहिए। न्याय अवश्य होना चाहिए, चाहे वह निर्दोष ही क्यों न हो, और दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ केवल अपराध को दंडित करना ही नहीं है; इसमें उन लोगों की रक्षा करना भी शामिल है जिन पर गलत आरोप लगाए गए हैं। परंपरागत मीडिया और सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। ह्लसबसे पहले खबर देनेह्व की होड़ में अक्सर तथ्यों की पुष्टि नहीं हो पाती। सुर्खियों का उद्देश्य पाठक की भावनाओं को भड़काना होता है। यदि बाद में कोई घटनाक्रम मूल रिपोर्ट के विपरीत साबित होता है, तो सुधारों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप, गलत सूचना लाखों लोगों तक फैल जाती है जबकि सच्चाई उतनी देर तक नहीं पहुंच पाती। दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि वायरल होने वाली कोई भी चीज हमेशा सही नहीं होती। मूल संदर्भ से अलग की गई सामग्री और जानकारी, कुछ सेकंड का वीडियो या एक अलग क्लिप, जनमत को पूरी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए, एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए धैर्य रखना, आलोचनात्मक रूप से सोचना और सत्यापित तथ्यों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। परंपरागत रूप से, भारतीय समाज में शिक्षकों को भरोसेमंद और सम्मानित माना जाता है। जब कोई शिक्षक आपराधिक कृत्य द्वारा इस भरोसे को तोड़ता है, तो कानून को सख्त होना चाहिए क्योंकि यह न केवल कानून का, बल्कि जनता के भरोसे का भी उल्लंघन है। हालांकि, जब कोई शिक्षक झूठे आरोपों का शिकार होता है, तो यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं होती, बल्कि शिक्षण पेशे की गरिमा का भी मामला बन जाती है। इसलिए, लोगों के निर्णय सबूतों पर आधारित होने चाहिए, न कि भावनाओं पर। अब समय आ गया है कि सोशल मीडिया को सकारात्मक चर्चा के मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाए, न कि वैकल्पिक न्यायालय के रूप में। सभी नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता है, लेकिन केवल न्यायालयों को ही दोष सिद्ध करने का अधिकार है।

दुनिया के प्रमुख जेन-जी आंदोलन - बदलता भारत, जागरूक युवा और लोकतंत्र की नई दिशा

अब दुनिया जिस पीढ़ी की ओर सबसे अधिक उम्मीद से देख रही है, वह है जेनरेशन-जेड। लगभग 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं की यह पीढ़ी डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक संपर्क के युग में पली-बढ़ी है। इनके सोचने, संवाद करने और अपनी बात रखने के तरीके पहले की पीढ़ियों से काफी अलग हैं। दुनिया के अनेक देशों में बीते कुछ वर्षों के दौरान जेन-जी के नेतृत्व में बड़े आंदोलन देखने को मिले। इन आंदोलनों ने शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकार, सामाजिक न्याय और सरकारी नीतियों जैसे विषयों को वैश्विक बहस का हिस्सा बनाया। कई स्थानों पर इन आंदोलनों ने सरकारों को अपने फैसले बदलने पर मजबूर किया, तो कई जगह आंदोलन हिंसा, आगजनी, पुलिस कार्रवाई और व्यापक सामाजिक तनाव में भी बदल गए। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। यहां भी युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की है। हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और पारदर्शिता की मांग ने लाखों युवाओं को एक साझा मंच पर ला खड़ा किया।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

हर पीढ़ी अपने समय की चुनौतियों के अनुरूप समाज और राजनीति को नई दिशा देने का प्रयास करती है। स्वतंत्रता संग्राम की पीढ़ी ने आजादी का सपना साकार किया, उसके बाद की पीढ़ियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और आर्थिक विकास की नींव रखने में योगदान दिया। अब दुनिया जिस पीढ़ी की ओर सबसे अधिक उम्मीद से देख रही है, वह है जेनरेशन-जेड। लगभग 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवाओं की यह पीढ़ी डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक संपर्क के युग में पली-बढ़ी है। इनके सोचने, संवाद करने और अपनी बात रखने के तरीके पहले की पीढ़ियों से काफी अलग हैं। दुनिया के अनेक देशों में बीते कुछ वर्षों के दौरान जेन-जी के नेतृत्व में बड़े आंदोलन देखने को मिले। इन आंदोलनों ने शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, लोकतांत्रिक अधिकार, सामाजिक न्याय और सरकारी नीतियों जैसे विषयों को वैश्विक बहस का हिस्सा बनाया। कई स्थानों पर इन आंदोलनों ने सरकारों को अपने फैसले बदलने पर मजबूर किया, तो कई जगह आंदोलन हिंसा, आगजनी, पुलिस कार्रवाई और व्यापक सामाजिक तनाव में भी बदल गए। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। यहां भी युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की है। हाल के वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और पारदर्शिता की मांग ने लाखों युवाओं को एक साझा मंच पर ला खड़ा किया। लेकिन भारत के कुछ आंदोलनों ने एक अलग उदाहरण भी प्रस्तुत किया, जहां विरोध के साथ अनुशासन, रचनात्मकता और लोकतांत्रिक मयार्दा को बनाए रखने का प्रयास दिखाई दिया। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन इसी संदर्भ में विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। भारत विश्व का सबसे युवा देशों में से एक है। देश की बड़ी आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति भारत के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाएं, समय पर रोजगार और समान अवसर मिले तो यही शक्ति देश के विकास की सबसे बड़ी आधारशिला बन सकती है। लेकिन जब युवाओं को लगे कि उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं या भर्ती प्रक्रियाएं वर्षों तक लंबित रहती हैं, तब असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। लोकतंत्र में इस असंतोष को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त करना नागरिकों का अधिकार भी है और जिम्मेदारी भी। आज का युवा केवल नौकरी नहीं चाहता है, बल्कि वह पारदर्शिता, जवाबदेही और समान अवसर की भी मांग करता है। वह सरकारों से यह अपेक्षा करता है कि नियम सभी पर समान रूप से लागू हों और प्रतिभा के आधार पर चयन सुनिश्चित किया जाए। जेन-जी को अक्सर डिजिटल नेटिव कहा जाता है। यह वह पीढ़ी है जिसने इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया को अपने जीवन का स्वाभाविक हिस्सा माना है। सूचना तक तत्काल पहुंच ने इनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाया है। आज किसी भी घटना की जानकारी कुछ ही मिनटों में देश-दुनिया तक पहुंच जाती है। छात्र संगठन, सामाजिक समूह और नागरिक मंच सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। यही कारण है कि किसी भी परीक्षा में गड़बड़ी, प्रश्नपत्र लीक या भर्ती में अनियमितता की खबर कुछ ही समय में राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाती है। हालांकि डिजिटल माध्यम अवसर प्रदान करते हैं, लेकिन इनके साथ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। अपुष्ट सूचनाएं, अफवाहें और भ्रामक सामग्री कभी-कभी तनाव बढ़ा सकती हैं। इसलिए डिजिटल साक्षरता और तथ्य आधारित संवाद पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। भारत में हर वर्ष करोड़ों युवा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। इनमें केंद्रीय और राज्य स्तरीय सेवाओं, बैंकिंग, रेलवे, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, विश्वविद्यालयों तथा अन्य सरकारी नौकरियों से संबंधित परीक्षाएं शामिल होती हैं। इन परीक्षाओं के साथ लाखों परिवारों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। अनेक अभ्यर्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं, आर्थिक कठिनाइयों का सामना करते हैं और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करते हैं। ऐसे में यदि किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो जाए या परीक्षा रद्द करनी पड़े तो इसका सबसे बड़ा नुकसान ईमानदारी से तैयारी करने वाले छात्रों को होता है। पेपर लीक केवल परीक्षा की समस्या नहीं है, यह सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक क्षमता और न्याय की भावना से भी जुड़ा विषय है। यही कारण है कि परीक्षा प्रणाली में सुधार आज राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुका है। किसी भी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केवल कानूनी अपराध नहीं है। यह लाखों मेहनती छात्रों के आत्मविश्वास और भरोसे को प्रभावित करता है। जब किसी परीक्षा को रद्द करना पड़ता है, तब छात्रों का समय, धन और मानसिक ऊर्जा तीनों प्रभावित होते हैं। पेपर लीक के दुष्परिणाम कई स्तरों पर दिखाई देते हैं- योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय की भावना। सरकारी संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न। भर्ती प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब। छात्रों पर मानसिक और आर्थिक दबाव। समाज में भ्रष्टाचार के प्रति निराशा का वातावरण। इसलिए परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और पारदर्शी बनाना केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। पिछले कुछ समय में सरकार ने परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

अवैध प्रवासी बनेंगे यूरोप के महाविनाश का कारण?

डॉ. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में यूरोप जिस चुनौती से सबसे अधिक जूझ रहा है, वह केवल आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट, रूस-यूक्रेन युद्ध या जनसंख्या की वृद्धावस्था नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक जटिल और दूरगामी प्रभाव रखने वाला प्रश्न है—अवैध प्रवासन। यह समस्या अब केवल सीमाओं को पार करने वाले लोगों की संख्या तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक स्थिरता, सामाजिक विश्वास, कानून के शासन, राजनीतिक व्यवस्था और यूरोप की सांस्कृतिक पहचान तक पहुँच चुकी है। यूरोप की उदार लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ लंबे समय तक मानवाधिकारों और शरणार्थियों के संरक्षण की वैश्विक प्रतीक रही हैं, किंतु जब मानवीय संवेदनाएँ और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बिगड़ने लगता है, तब सबसे विकसित लोकतंत्र भी कठिन निर्णय लेने के लिए विवश हो जाते हैं। आज यूरोप का वास्तविक संकट यही है कि वह मानवीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी सीमाओं, अपने नागरिकों और अपनी संस्थाओं की सुरक्षा किस प्रकार सुनिश्चित करे। यदि इस प्रश्न का व्यावहारिक और प्रभावी समाधान समय रहते नहीं निकाला गया, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या यूरोप की राजनीतिक, सामाजिक और सुरक्षा संरचना को गहराई से प्रभावित कर सकती है। यूरोप की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बाहरी देशों से लोग वहाँ पहुँच रहे हैं; वास्तविक चिंता यह है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी प्रवेश कर रहे हैं जिनकी पहचान, पृष्ठभूमि, यात्रा मार्ग और उद्देश्य का तत्काल सत्यापन संभव नहीं हो पाता। किसी भी आधुनिक राष्ट्र-राज्य की सुरक्षा इस सिद्धांत पर आधारित होती है कि सरकार को यह ज्ञात हो कि उसके क्षेत्र में कौन प्रवेश कर रहा है, कहाँ रह रहा है और किस उद्देश्य से रह रहा है। जब हजारों लोग एक साथ बिना वैध दस्तावेजों के सीमा पार करते हैं, तब यह पूरी व्यवस्था दबाव में आ जाती है। पहचान सत्यापन की प्रक्रिया लंबी हो जाती है, प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, न्यायिक प्रणाली धीमी पड़ती है और सुरक्षा एजेंसियों को सीमित संसाधनों में अधिक जटिल कार्य करना पड़ता है। यह स्थिति किसी भी विकसित राष्ट्र के लिए गंभीर चुनौती है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि प्रभावी सीमा प्रबंधन और विश्वसनीय पहचान प्रणाली से भी सुनिश्चित होती है। यूरोप के सुरक्षा विशेषज्ञ वर्षों से इस संभावना की ओर ध्यान आकर्षित करते रहे हैं कि अनियंत्रित और अवैध प्रवासन का लाभ संगठित अपराधी नेटवर्क, मानव तस्कर अथवा हिंसक उग्रवादी तत्व उठाने का प्रयास कर सकते हैं। सुरक्षा नीति का आधार संभावित जोखिमों का पूर्वानुमान होता है, न कि केवल घटित घटनाओं का विश्लेषण। यदि किसी व्यक्ति की पहचान, उसके पूर्ववृत्त या उसके दस्तावेजों का सत्यापन समय पर नहीं हो पाता, तो सुरक्षा एजेंसियों के लिए जोखिम का आकलन कठिन हो जाता है। आधुनिक आतंकवाद और संगठित अपराध अक्सर खुले युद्ध के बजाय प्रशासनिक कमजोरियों का लाभ उठाते हैं। इसलिए अनियमित प्रवासन का सबसे बड़ा खतरा उसकी संख्या नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे उन सीमित किंतु संभावित सुरक्षा जोखिमों में निहित है, जिन्हें समय रहते पहचानना आवश्यक होता है। अवैध प्रवासन के साथ मानव तस्करी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी तेजी से विकसित हुआ है। भूमध्यसागर और अन्य मार्गों से लोगों को यूरोप पहुँचाने वाले गिरोह अरबों डॉलर के अवैध नेटवर्क का हिस्सा बन चुके हैं। ये गिरोह केवल लोगों को सीमा पार नहीं कराते, बल्कि नकली दस्तावेज, धन शोधन, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों के परिवहन और अन्य संगठित अपराधों से भी जुड़े पाए जाते हैं। इस प्रकार अवैध प्रवासन केवल मानवीय संकट नहीं रह जाता, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत की आर्थिक शक्ति को भी बढ़ावा देता है। जब तक इन नेटवर्कों को समाप्त नहीं किया जाएगा, तब तक सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ाने के बावजूद नए मार्ग खोज लिए जाएँगे। यही कारण है कि यूरोप की अनेक सुरक्षा एजेंसियाँ अब अवैध प्रवासन को केवल आव्रजन नीति का विषय न मानकर संगठित अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक ढाँचे में देख रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी: कंधे पर कांवर, हाथों में तिरंगा लेकर कांवड़ियों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में श्रावण मास के तीसरे दिन शनिवार को दशाश्वमेध घाट पर आस्था और देशभक्ति का नजारा दिखा। कंधे पर कांवर और हाथों में तिरंगा लहराते कांवड़ियों ने नमामि गंगे के स्वयंसेवकों के साथ गंगा की निर्मलता और जलसंरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान गंगा घाट पर बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भारत माता की जय के गगनभेदी नारे भी लगे। सावन माह में गेरुआ रंग में रंगे कंधे पर गंगा जल से भरे कांवर उठाए कांवड़ियों का उत्साह देख आम स्नानार्थी भी हर-हर महादेव का उद्घोष करते रहे। गंगा सेवक राजेश शुक्ला के आह्वान पर श्रद्धालुओं ने गंगा किनारे स्वच्छता का संकल्प दोहराया। गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने इस दौरान कहा कि कांवड़ियों द्वारा तिरंगा लेकर जल संरक्षण के लिए हम सभी का दायित्व बताना एक प्रेरणादायक संदेश है। कांवड़ यात्रा के दौरान पर्यावरण और देश प्रेम की अनूठी मिसाल पेश करते हुए समाज में जल संचय की भावना को मजबूत करना हम सभी का परम कर्तव्य है। कार्यक्रम में कांवड़िया अभिनव सिंह, नकुल पाण्डेय ने भी लोगों को जागरूक किया।-

भाजपा कार्यकताओं ने मंत्री हंसराज विश्वकर्मा का केक काटकर मनाया 57वां जन्मदिन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में शनिवार को सेवापुरी क्षेत्र में राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा के 57वें जन्मदिन की बधाईयां देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, पार्षदों और स्थानीय लोगों ने केक काटकर आपस में वितरित किया। कार्यकर्ताओं ने राज्य मंत्री को लंबी उम्र की कामना करते हुए बधाई दी और फूलों की माला पहनाई। इस दौरान राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि मैं अपने जीवन काल में केक काटकर जन्मदिन नहीं मनाता हूं। आज भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं का प्रेम और स्नेह देखकर उनके साथ काटकर जन्मदिन मना रहा हूं। क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद उन पर बना रहे, इन्हीं कामनाओं के साथ सभी को धन्यवाद देता हूं।

मीरजापुर : जिला ओलंपिक संघ नौ अगस्त को मनाएगा स्वर्ण जयंती समारोह

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिला ओलंपिक संघ का स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह 9 अगस्त को जिला सहकारी बैंक (कचहरी परिसर) सभागार में दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल मुख्य अतिथि और जिलाधिकारी विशिष्ट अतिथि होंगे। यह जानकारी शनिवार को यूपी ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव एवं मीरजापुर क ओलंपिक एवं वॉलीबॉल संघ के महासचिव एस.पी. त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे जिला ओलंपिक संघ की विशेष बैठक भी होगी। इसमें वर्ष 2026-27 का खेल कैलेंडर जारी करने, संघ के पुनर्गठन तथा वर्ष 2026 में राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त खेल संघों के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों से समय पर कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

लॉ कॉलेजों के मानकों की होगी जांच, मां विन्ध्यवासिनी विवि ने बनाई टीम

मीरजापुर। मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय से संबद्ध मीरजापुर और सोनभद्र के लॉ कॉलेजों में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों की जांच होगी। विश्वविद्यालय को दोनों जिलों के कॉलेजों में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षक-छात्र अनुपात, कक्षाओं की व्यवस्था और बार काउंसिल की गाइडलाइन के अनुपालन की जांच कर रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने शनिवार को बताया कि जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि कॉलेज निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। यदि कोई संस्थान मानकों के विपरीत पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि लॉ कॉलेजों में मानकों के पालन को लेकर दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने सभी विश्वविद्यालयों को जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में विश्वविद्यालय स्तर पर जांच की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जांच कार्य के लिए कुलसचिव राम नारायण को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। उनके नेतृत्व में गठित टीम संबद्ध लॉ कॉलेजों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी।

एचपीवी टीकाकरण जागरूकता अभियान में छात्राओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा, प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। राधा किशोरी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शुक्रवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इनर व्हील क्लब सेंट्रल वाराणसी, प्लान इंडिया, मोगली ट्रस्ट तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों और समाज को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय की छात्राओं द्वारा लगाई गई चित्रकला एवं पोस्टर प्रदर्शनी रही। छात्राओं ने अपने रचनात्मक कार्यों के माध्यम से एचपीवी वैक्सीन के महत्व और कैंसर से बचाव का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियों और जागरूकता संदेशों की अतिथियों ने सराहना करते हुए छात्राओं के प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या साधना राय ने अतिथियों के स्वागत के साथ किया। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिरक्षण अधिकारी श्वेत कुमार सिंह एवं डॉ. अदिति सिंह ने छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन की उपयोगिता, उचित आयु में टीकाकरण के लाभ तथा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में इसकी भूमिका की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर लगाया गया एचपीवी टीका महिलाओं को गंभीर बीमारी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनर व्हील क्लब सेंट्रल वाराणसी की अध्यक्षा नीमा अग्रवाल ने कहा कि बालिकाओं के स्वास्थ्य और जागरूकता के लिए इस प्रकार के अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम हैं। वहीं प्लान इंडिया के प्रतिनिधि अनुराग और रिया ने कहा कि किशोरियों को सही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना और उन्हें जागरूक बनाना समय की आवश्यकता है। समापन अवसर पर प्रधानाचार्या साधना राय ने सभी सहयोगी संस्थाओं, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, अतिथियों और छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान डॉ. अदिति सिंह, श्वेत कुमार सिंह, साधना राय, नीमा अग्रवाल, अनुराग, रिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

औरैया : घरों के पास तालाब में दिखे मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत

-वन विभाग ने शुरू किया रेस्क्यू अभियान, पानी निकालकर की जा रही तलाश

प्रात: किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल तहसील क्षेत्र के अयाना थाना क्षेत्र के ग्राम तातारपुर कलां में घरों के समीप सड़क किनारे बने तालाब में शुक्रवार को मगरमच्छ के दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। बारिश और नाली का पानी तालाब में भर जाने के कारण उसमें करीब दो से तीन फीट लंबे दो से तीन मगरमच्छ नजर आए। तालाब में मगरमच्छों की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। आरोप है कि सूचना देने के करीब दो घंटे बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक प्रयासों में मगरमच्छों को पकड़ने में सफलता न मिलने पर टीम वापस लौट गई। इसके बाद शनिवार को वन विभाग ने दोबारा मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वन विभाग की टीम पंपिंग सेट की सहायता से तालाब में भरा पानी निकाल रही है, ताकि मगरमच्छों का सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। वनरक्षक रूबी ने बताया कि पानी कम होने के बाद मगरमच्छों की तलाश कर उन्हें सुरक्षित पकड़कर यमुना नदी में छोड़ा जाएगा। इधर, ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे गड्ढे के आसपास न जाएं और बच्चों को वहां खेलने न दें। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने तथा किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर तुरंत सूचना वन विभाग को देने की अपील की है।

कानपुर : युवती ने फांसी लगाकर दी जान, यूपी पुलिस भर्ती में चयन न होने से थी परेशान

प्रात: किरण संवाददाता

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर जनपद में शिवराजपुर थाना क्षेत्र के तरी दुगार्पुर गांव में एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक, हरविता (24) एक निजी विद्यालय में पढ़ाती थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही थी। हाल ही में घोषित यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के परिणाम में उसका चयन नहीं हो सका था। परिजनों का कहना है कि इस बात को लेकर बेटी मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। शुक्रवार रात भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में सोने चली गई थी। शनिवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा न खुलने पर अनहोनी की आशंका हुई। रोशनदान से झांककर देखा तो बेटी फांसी के फंदे से लटक रही थी। इसके बाद परिजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र : जिलाधिकारी ने एसपी के साथ सड़क दुघर्टना में घायल व्यक्ति को अस्पताल भिजवाया

प्रात: किरण संवाददाता

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद में चोपन थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर शनिवार को हुए एक सड़क दुघर्टना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को सम्पूर्ण समाधान दिवस में शामिल होने जा रहे जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने तत्काल अपने स्कार्ट वाहन से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घायल व्यक्ति के परिजनों व मौके पर उपस्थित लोगों ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के कार्य की प्रशंसा करते हुए आभार जताया। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ व पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा शनिवार को दुद्धी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में शामिल होने के लिए दुद्धी जा रहे थे। वह लोग गुरूमुरा के पास पहुंचे थे तभी वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर एक ट्रैक्टर व बाइक में टक्कर हुई थी जिसमें बाइक सवार घायल हो गया था। सड़क पर हुए दुर्घटना को देखते हुए देखकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल अपना काफिला रुकवाया। दोनों अधिकारियों ने घायल व्यक्ति का हालचाल लेते हुए उसे तत्काल उपचार के लिए अपने स्कॉर्ट वाहन से निकटवर्ती स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया तथा संबंधित अधिकारियों को घायल व्यक्ति को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की त्वरित पहल से घायल व्यक्ति को समय से उपचार उपलब्ध हो सका। मौके पर उपस्थित आमजन द्वारा दोनों अधिकारियों की तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता की सराहना की गई।

पीएचडी उपाधि से सम्मानित हुए डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र, महाविद्यालय परिवार ने किया अभिनंदन

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर संन्यासी संस्कृत महाविद्यालय, ढुंढिराज गली के साहित्य प्रवक्ता डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र का महाविद्यालय परिसर में सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य एवं शिक्षकों ने उन्हें माल्यार्पण और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिषेक पाठक ने कहा कि डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र का पीएचडी उपाधि से अलंकृत होना न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि डॉ. अखिलेश अपने ज्ञान, परिश्रम और समर्पण के बल पर लगातार शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए भी प्रेरणादायक है। सम्मान के उपरांत डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बाबा विश्वनाथ की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वे शिक्षा, शोध और संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम का समापन शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र को शुभकामनाएं देने तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ। सम्मान समारोह में उपस्थित शिक्षकों ने डॉ. अखिलेश कुमार मिश्र को पुष्पमाला पहनाकर तथा अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके शैक्षणिक जीवन की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। इस दौरान दर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा, व्याकरण विभागाध्यक्ष गोविंद पौडेल, सहायक प्रवक्ता दुष्यंत मिश्रा, नीरज

डीएम ने तहसीलदार न्यायालय का किया निरीक्षण लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शनिवार को रुद्रपुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शामिल होने से पूर्व तहसीलदार न्यायालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुराने लंबित राजस्व वादों की पत्रावलियों का अवलोकन कर प्राथमिकता के आधार पर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने न्यायालय की पत्रावलियों के सुव्यवस्थित रख रखाव, न्यायालयीय कार्यवाही के नियमित एवं अद्यतन अभिलेखीकरण तथा तहसील परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयीन कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी अभिलेख व्यवस्थित रखे जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि फरियादियों को समयबद्ध, पारदर्शी और निष्पक्ष न्याय उपलब्ध कराना राजस्व अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों से शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि आमजन को त्वरित न्याय मिल सके। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी रुद्रपुर, तहसीलदार तथा राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुरादाबाद : मोमबत्ती फैक्टरी में लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया जा सका काबू

प्रात: किरण संवाददाता

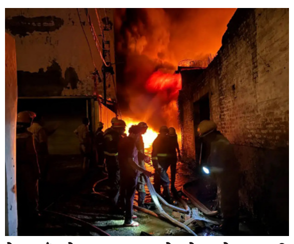

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के बुध बाजार स्थित मोहल्ला सागर सराय में बनी मोमबत्ती फैक्टरी और उसके गोदाम में बीती देर रात्रि शुक्रवार को आग की भीषण लपटें उठने लगी। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली की जिसने फैक्टरी और गोदाम को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। आग की तपिश और धुआं आस पास के घरों में पहुँचने लगा। इससे क्षेत्र में काफी अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना पर दमकल कर्मी व फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बिना देर किए पहुंच गई। वहीं जिला प्रशासन, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग ने तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। आग की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्तर पर सभी उपलब्ध फायर टेंडरों को तत्काल घटनास्थल पर लगाया गया। फायर सर्विस, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पूरी रात लगातार अभियान चलाकर आग को फैलने से रोका तथा आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित रखा।आग इतनी भयावह थी कि मौके पर 50 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का पानी आग बुझाने में लग गई। इस दौरान प्रशासन की त्वरित सक्रियता, बेहतर समन्वय और लगातार चले संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप आग पर सुबह करीब 10 बजे तक काबू पाया जा सका। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जिलाधिकारी डा राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि सभी विभागों के बेहतर समन्वय, त्वरित निर्णय और प्रभावी कार्रवाई के कारण स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया है तथा किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

एचआईवी जागरूकता के लिए देवरिया में रेड रन मैराथन आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

देवरिया। एचआईवी एवं एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार सुबह स्वर्गीय रवींद्र किशोर शाही स्टेडियम में ह्यरेड रन मैराथनह्न का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से यूथ फेस्ट सप्ताह के तहत आयोजित पांच किलोमीटर की मैराथन का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता और जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने शनिवार को हरी झंडी दिखाकर किया। मैराथन में पुरुष वर्ग के 76 और महिला वर्ग की 32 प्रतिभागियों सहित कुल 108 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में अभिषेक कुमार ने प्रथम, रितेश निषाद ने द्वितीय और रोहित यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि शंभु कुमार को सांत्वना पुरस्कार मिला। महिला वर्ग में काजल पासवान प्रथम, आंचल पासवान द्वितीय और पूजा पांडे तृतीय रहीं। प्रीति चौरसिया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेताओं को 2500, 2000, 1500 तथा 500 रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दिशा के क्लस्टर प्रोग्राम मैनेजर डॉ. नीतीश राय ने एचआईवी संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों और नाको हेल्पलाइन 1097 के उपयोग की जानकारी दी। वहीं, एचआईवी-टीबी समन्वयक चंद्र प्रकाश त्रिपाठी ने एचआईवी-टीबी सह-संक्रमण, टीबी के लक्षणों तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर हाल ही में आयोजित एचआईवी जागरूकता क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

हरियाली का हमारे जीवन में बड़ा महत्व, पौधें लगाने और उसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी लेनी होगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के ग्रामीण अंचल चौबेपुर क्षेत्र के भंदहा कला संविलियन विद्यालय परिसर में शनिवार को विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ पौधरोपण किया। पर्यावरण संरक्षण और एक पेड़ मां के नाम अभियान में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी भागीदारी की। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट और विद्यालय परिवार की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने पौधों के सरंक्षण के लिए भी संकल्प लिया। ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि हरियाली का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। हमें पौधों को लगाने और उसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी लेनी होगी तभी हम पर्यावरण संरक्षण में अपने हिस्से का योगदान दे सकेंगे। अभियान में विद्यालय के शिक्षकों चन्द्रावती देवी, रमेश कुमार, अर्चना सिंह, स्मिता सिंह, श्वेत कमल रघुवंशी, प्रतिमा भारती, नीलम शाह, सरिता सिंह, विजय लक्ष्मी यादव, शिखा राय, रमाशंकर यादव, मंजू यादव आदि ने भी शिरकत किया।

सदर स्टेशन पर आरपीएफ ने लौटाया साढ़े सात लाख रुपये मूल्य का खोया सामान

देवरिया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ईमानदारी और तत्परता का परिचय देते हुए सदर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री का छूटा हुआ सामान सुरक्षित लौटाकर मिसाल पेश की। ट्रॉली बैग में करीब 7.50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 10 हजार रुपये नकद रखे थे। आरपीएफ के अनुसार, 31 जुलाई को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष वाराणसी से सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 12165 के कोच एस-आठ में एक यात्री के दो ट्रॉली बैग छूट गए हैं। सूचना मिलते ही देवरिया सदर स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने पर हेड कांस्टेबल रविशंकर शाह ने कोच की जांच कर दोनों ट्रॉली बैग बरामद किए और उन्हें सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर जमा करा दिया। जितेंद्र यादव आरपीएफ पोस्ट पहुंचे और बैग अपना बताते हुए उसे वापस देने का अनुरोध किया।

सुसुवाही वार्ड में लगा आधार संशोधन कैंप, क्षेत्रीय लोगों और सफाई मित्रों को मिलेगी सुविधा

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। नगर निगम के सुसुवाही वार्ड संख्या 39 के लोगों को आधार कार्ड में संशोधन कराने के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्षेत्रीय लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पंचायत भवन पर आधार संशोधन कैंप लगाया गया है। कैंप के माध्यम से जिन लोगों के आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि या अन्य किसी प्रकार की त्रुटि है, वे आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसमें सुधार करा सकते हैं। यह कैंप सुसुवाही वार्ड 39 के पार्षद सुरेश कुमार पटेल उर्फ गुड्डू पटेल के सहयोग से लगाया गया है। कैंप का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ सफाई मित्रों को भी आधार से जुड़ी समस्याओं के समाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है।

काम खत्म करने के बाद पंचायत भवन पहुंचकर करा सकते हैं संशोधन

कैंप में क्षेत्रीय नागरिकों के अलावा वार्ड में कार्यरत सफाई मित्र भी अपने आधार कार्ड में किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर संशोधन करा सकते हैं। पार्षद की ओर से लोगों से अपील की गई है कि जिन लोगों के आधार में किसी तरह की त्रुटि है, वे अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ पंचायत भवन पहुंचकर आधार संशोधन की प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने कहा कि सफाई मित्र सुबह अपने निर्धारित कार्य को पूरा करने के बाद पंचायत भवन पहुंचकर आधार में आवश्यक सुधार करा सकते हैं। इससे उन्हें अपने काम से अलग समय निकालकर दूर किसी केंद्र पर जाने की जरूरत नहीं होगी।

स्थानीय लोगों को घर के पास मिल रही सुविधा

आधार कार्ड आज बैंकिंग, सरकारी योजनाओं, पेंशन, राशन, छात्रवृत्ति सहित विभिन्न जरूरी कार्यों में इस्तेमाल होता है। ऐसे में आधार में किसी भी प्रकार की गलती होने पर लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार संशोधन के लिए दूर स्थित केंद्रों पर जाना पड़ता है और समय भी अधिक लगता है। सुसुवाही वार्ड में पंचायत भवन पर कैंप लगाए जाने से स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में आधार संबंधी कार्य कराने की सुविधा मिल रही है। इससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, सफाई मित्रों और अन्य जरूरतमंद लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

पार्षद ने लोगों से कैंप का लाभ उठाने की अपील की

पार्षद सुरेश कुमार पटेल उर्फ गुड्डू पटेल ने क्षेत्रीय नागरिकों से अपील की कि जिन लोगों के आधार कार्ड में किसी प्रकार की त्रुटि है, वे इस सुविधा का लाभ उठाएं और समय रहते अपने आधार का संशोधन करा लें। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय जनता को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। पंचायत भवन में लगाए गए इस कैंप से लोगों को आधार संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सुविधा मिल रही है। क्षेत्रीय लोगों ने भी पंचायत भवन पर कैंप लगाए जाने को उपयोगी पहल बताते हुए इसका स्वागत किया है।

औरैया : मंदिर परिसर में हुआ पौधारोपण, 5100 पौधों के लक्ष्य की ओर बढ़ रही जीवनधारा मुहिम

प्रात: किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से संचालित ह्यजीवनधारा पौधारोपण अभियानह्न के तहत शनिवार सुबह 50 सैय्या जिला अस्पताल परिसर स्थित वीर हनुमान मंदिर में पौधारोपण किया गया। अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने पौधे रोपकर किया। इस दौरान लगाए गए पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी मंदिर के पुजारी अवध बिहारी शुक्ला को सौंपी गई। समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में हरसिंगार, तुलसी, बेलपत्र, गुड़हल, चितवन, पकड़िया और अशोक सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। अभियान का उद्देश्य धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों को हरित बनाना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि बढ़ते वाहनों और प्रदूषण के कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जिससे लोगों को शुद्ध वायु नहीं मिल पा रही और अनेक गंभीर बीमारियां बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। साथ ही समिति द्वारा 5100 पौधारोपण के लक्ष्य के साथ चलाए जा रहे अभियान की सराहना की। समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य और सकारात्मकता का संदेश देते हैं। उन्होंने बताया कि 5100 पौधों के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 2370 पौधों का रोपण एवं वितरण किया जा चुका है। यह अभियान लक्ष्य पूरा होने तक निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम में समाजसेवी राम आसरे गुप्ता, पुजारी अवध बिहारी शुक्ला, संजय अग्रवाल, पर्यावरण प्रहरी मनीष पुरवार (हीरू), अनूप बिश्नोई, विनोद पोरवाल, हिमांशु दुबे, सतीश कुमार सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ यात्रा के दौरान वन विभाग हाई अलर्ट पर

बिजनौर। श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा वन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। विभागीय अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात कांवड़ मार्ग से सटे संवेदनशील वन क्षेत्रों और प्रमुख स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा तैनात वन कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ मार्ग के समीप स्थित वन क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों एवं निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने वन कर्मियों को लगातार सतर्क रहने, रात्रिकालीन गश्त को और प्रभावी बनाने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों और प्रशासन को देने के निर्देश दिए। वन विभाग द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्त (नाइट पेट्रोलिंग) बढ़ा दी गई है। विभाग की टीमें लगातार वन क्षेत्रों और कांवड़ मार्ग पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीवों एवं वन संपदा की भी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा वन विभाग ने ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से कांवड़ मार्ग एवं वन क्षेत्रों की निगरानी की व्यवस्था भी की है। ड्रोन से लगातार निगरानी कर किसी भी संभावित खतरे या असामान्य गतिविधि का समय रहते पता लगाकर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को भी जागरूक कर रहा है। विभाग ने अपील की है कि सभी श्रद्धालु निर्धारित कांवड़ मार्ग का ही उपयोग करें, वन क्षेत्रों में अनावश्यक प्रवेश न करें तथा पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। यदि किसी को कोई संदिग्ध गतिविधि अथवा वन्यजीवों की असामान्य हलचल दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल निकटतम वन अधिकारी या प्रशासन को दें। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान विभाग की टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विभाग का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाना है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी बाधा के अपनी धार्मिक यात्रा सकुशल संपन्न कर सकें।

23 साल बाद सावन सोमवार और नागपंचमी का अद्भुत संयोग

वाराणसी। देवाधिदेव भगवान शिव को अतिप्रिय पवित्र सावन मास का शुभारंभ गुरुवार से हो गया। सावन के आगमन के साथ ही धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी में अगले एक महीने तक उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मंदिरों में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और पूजन-अर्चन का क्रम तेज होगा तो गंगा घाटों से लेकर शिवालयों तक हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष सुनाई देंगे। सावन मास में पड़ने वाले व्रत और त्योहारों में भगवान शिव की विशेष आराधना की जाएगी। इस बार सावन में चार सोमवार, मंगला गौरी के पांच व्रत, नागपंचमी, हरियाली तीज, रक्षाबंधन समेत कुल 15 प्रमुख व्रत एवं त्योहार पड़ेंगे। सबसे खास बात यह है कि 23 वर्ष बाद सावन का सोमवार और नागपंचमी एक ही दिन पड़ने का संयोग बना है। यह विशेष संयोग 17 अगस्त को होगा। सावन का पहला सोमवार तीन अगस्त को पड़ेगा। भगवान विष्णु के प्रिय दिन शुरू, देवी के प्रिय दिन होगा समापन हिंदू पंचांग और सनातन परंपरा में सावन मास का विशेष महत्व माना गया है। इस बार सावन की शुरूआत भगवान श्रीहरि विष्णु को प्रिय बृहस्पतिवार से हुई है, जबकि इसका समापन देवी के प्रिय शुक्रवार को होगा। सावन में भगवान शिव की आराधना का विशेष विधान है। मान्यता है कि इस महीने में श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और पूजन करने से भक्तों को विशेष फल की प्राप्ति होती है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान संकाय के प्रोफेसर विनय कुमार पांडेय के अनुसार सावन में होने वाले प्रमुख व्रत और त्योहार भगवान शिव को समर्पित होते हैं। इस मास में भगवान शिव प्रधान देवता के रूप में पूजे जाते हैं। सावन के प्रत्येक सोमवार और मंगला गौरी व्रत के साथ अन्य पर्वों पर भी शिव आराधना का विशेष महत्व है। तीन अगस्त को पहला सोमवार, 17 को नागपंचमी का संयोग सावन का पहला सोमवार तीन अगस्त को होगा। इसके बाद 10 अगस्त को दूसरा सोमवार, 17 अगस्त को तीसरा सोमवार और 24 अगस्त को चौथा सोमवार पड़ेगा। तीसरे सोमवार यानी 17 अगस्त को ही नागपंचमी का पर्व भी मनाया जाएगा। इस तरह 23 साल बाद सावन सोमवार और नागपंचमी के एक साथ पड़ने से इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाएगा। सोमवार के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन करने के लिए शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है।

कांवड़ियों की सुरक्षा पर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने सड़क पर उतरकर परखी व्यवस्थाएं

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, 1 अगस्त। श्रावण कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शनिवार को तहसील नगीना में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी जसजीत कौर ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बढ़ापुर तिराहा, रायपुर तिराहा सहित नजीबाबाद तक विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम हरबंशपुर धारम मोड़ पर बैरिकेडिंग कराने तथा ग्राम सत्तारवाला मोड़ पर मिट्टी भरान और विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। रायपुर तिराहा स्थित अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उन्होंने आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही कांवड़ मार्ग के किनारे घास कटाई का कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश भी दिए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क मरम्मत और पैचिंग कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए डीएम ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान खराब सड़क या गड्ढों की कोई शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने रावल्हेड़ी रेलवे फाटक के निकट स्थित पुलिस सहायता केंद्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ियों के साथ सौहार्दपूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा उनके आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करें। जसजीत कौर ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। पूरे कांवड़ मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। प्रमुख मंदिरों और संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उप जिलाधिकारी नगीना तथा लोक निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : डीएम

संपूर्ण समाधान दिवस में 40 शिकायतें प्राप्त, तीन का मौके पर निस्तारण; छात्राओं की स्टेडियम की मांग पर दिया सकारात्मक आश्वासन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शासन स्तर पर भी निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा की जाती है। शनिवार को तहसील नगीना में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और उसका निष्पक्ष एवं प्रभावी समाधान करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। जिन मामलों में नियमानुसार कार्रवाई संभव न हो, उनमें शिकायतकर्ता को स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाए। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 40 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 37 मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। प्राप्त शिकायतों में चकरोड पर अवैध कब्जा हटाने, भूमि की पैमाइश कराने तथा राजस्व संबंधी विवाद प्रमुख रहे। जिलाधिकारी ने भूमि एवं राजस्व विवादों के त्वरित समाधान के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जांच करने तथा नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एमएम इंटर कॉलेज, नगीना की छात्राओं ने विद्यालय में स्टेडियम निर्माण की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जिलाधिकारी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मांग पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने छात्राओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। संपूर्ण समाधान दिवस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, उप जिलाधिकारी प्रिंस कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी दिवस पर कर्मयोगियों का सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

रामपुर। सफाई कर्मचारी दिवस के अवसर पर होटल ला-फिस्टा कैसल में सफाई कर्मयोगी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सना खानम मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। समारोह में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सिंह ने भी सहभागिता कर सफाई कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत विक्की राज एडवोकेट द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सना खानम, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सफाई कर्मचारियों के साथ बैठकर सहभोज किया तथा उनके समर्पण और मेहनत की प्रशंसा करते हुए समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके सम्मान व कल्याण के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होते रहने चाहिए। इस अवसर पर समाजसेवी मामून शाह खान, फसाहत अली खान (शानू), इरशाद महमूद, सैय्यद फैसल हसन, शेजी सैफी, रहमान अली अंसारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संत रविदास जी के समरसता संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगी कलश वंदन यात्रा: हरीश गंगवार

प्रात: किरण संवाददाता

रामपुर ' संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी की पावन माटी युक्त कलश वंदन यात्रा के रामपुर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा भव्य एवं श्रद्धापूर्ण स्वागत किया गया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, अंबेडकर पार्क में आयोजित स्वागत समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने स्वयं पावन कलश को अपने सिर पर धारण कर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के प्रति गहरी श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। इस भावपूर्ण दृश्य ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, नगर विधायक श्री आकाश सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने कलश यात्रा का पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज ने अपने जीवन से सामाजिक समरसता, समानता, मानवता और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संतों एवं महापुरुषों के आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संत रविदास जी के विचार सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं।उन्होंने बताया कि रामपुर जनपद के भारतीय जनता पार्टी के सभी 20 मंडलों में पांच-पांच प्रमुख स्थानों पर इस कलश वंदन रथ यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। प्रत्येक स्थान पर श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता संत रविदास जी को नमन करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेंगे। यह यात्रा पूरे जनपद में सामाजिक समरसता, भाईचारे और राष्ट्रहित का संदेश लेकर पहुंचेगी इस अभियान के जिला संयोजक रविंद्र सिंह रवि तथा सहसंयोजक विवेक रुहेला एवं रघुवीर सिंह जाटव हैं करतार सिंह लोधी, जिनके नेतृत्व में जनपद भर में कलश वंदन यात्रा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में ख्यालीराम लोधी बीना भारद्वाज अभय गुप्ता हंसराज पप्पू सुनीता सैनी मोहन कुमार लोधी रविंद्र सिंह रवि जगपाल यादव अर्जुन रस्तोगी आकाश सक्सेना प्रदीप गुप्ता विकास दीक्षित सरवन सिंह सागर राम सिंह सागर महेश सागर भूकंन सागर विवेक रुहेला पूजा शर्मा मनु सक्सेना विक्रम सिंह कपिल गुप्ता योगेंद्र गंगवार अनुभव शर्मा मोनू चौधरी महेश सागर साहिल अरोरा समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण, संत रविदास जी के जयघोष तथा सामाजिक समरसता के संदेश से वातावरण गुंजायमान रहा।

सावन की शुरूआत के साथ मोहनसराय में जाम का झाम

वाराणसी। सावन माह शुरू होते ही काशी आने वाले कांवड़ियों और शिवभक्तों की संख्या बढ़ने लगी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर मोहनसराय क्षेत्र में वन-वे यातायात व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि इस व्यवस्था के लागू होते ही क्षेत्र में वाहनों का भारी दबाव देखने को मिला और करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। एक ही मार्ग से दोनों दिशाओं का यातायात संचालित होने के कारण वाहन घंटों रेंगते रहे, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने सड़क के दो लेनों में से एक को बैरियर लगाकर बंद कर दिया है और दूसरे मार्ग से ही वाहनों का आवागमन कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन सीमित स्थान पर अधिक वाहनों के पहुंचने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सुबह से ही मोहनसराय और आसपास के इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कार, बस, ट्रक और दोपहिया वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ते दिखाई दिए। जाम का सबसे अधिक असर स्थानीय लोगों और रोजाना इस मार्ग से आने-जाने वाले वाहन चालकों पर पड़ा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 185 शिकायतें दर्ज, 9 का मौके पर निस्तारण

एसडीएम नितिन कुमार बोले– शिकायतों का गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ होगा समयबद्ध समाधान

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

धामपुर। तहसील धामपुर में शनिवार को अगस्त माह के प्रथम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी नितिन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन तहसीलदार धनराज कुमार की देखरेख में हुआ। समाधान दिवस में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिन्हें गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी नितिन कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 185 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें राजस्व विभाग की 112, पुलिस विभाग की 39, विकास खंड की 10, खाद्य एवं रसद विभाग की 8, विद्युत विभाग की 7, श्रम विभाग की 1, वन विभाग की 2, बैंक संबंधी 2, बाल विकास विभाग की 1, लोक निर्माण विभाग की 2 तथा नगर पालिका की 1 शिकायत शामिल रही। इनमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 176 शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए भेजा गया। इस अवसर पर तहसीलदार धनराज कुमार, नायब तहसीलदार अफजलगढ़ संजीव वाजपेई, नायब तहसीलदार स्योहारा विजय कुमार, नायब तहसीलदार नहटौर राजकमल, स्योहारा थाने से उपनिरीक्षक राजेश कुमार, कोतवाली धामपुर से हरेंद्र कुमार, नगर पालिका स्योहारा के अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल, नगर पंचायत सहसपुर के अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार, नगर पंचायत अफजलगढ़ के अधिशासी अधिकारी सुरेंद्र प्रताप सिंह, नगर पंचायत नहटौर के अधिशासी अधिकारी ओम गिरी, नगर पंचायत शेरकोट के अधिशासी अधिकारी कृष्ण मुरारी, खाद्य एवं रसद विभाग से अनमोल कुमार, बीडीओ अलैहपुर त्रिलोक चंद, बीडीओ स्योहारा अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को किया जागरूक, संदिग्धों की चेकिंग

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद बिजनौर की एंटी रोमियो टीम ने शनिवार को रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। एंटी रोमियो टीम ने छात्राओं को वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, स्वास्थ्य सेवाएं-102 एवं 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सुरक्षा संबंधी जागरूकता पम्पलेट वितरित कर किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की गई। अभियान के दौरान महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की भी चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने छात्राओं को आश्वस्त किया कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें उपलब्ध सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी देना है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे बिना किसी संकोच के मदद प्राप्त कर सकें।

मैं भी स्वदेशी: समर्थक डिजिटल अभियान का बिजनौर में शुभारम्भ, विद्यार्थियों ने लिया स्वदेशी अपनाने का संकल्प

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी ह्लमैं भी स्वदेशीः समर्थकह्व डिजिटल अभियान का शुभारम्भ शनिवार को विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज, बिजनौर में उत्साह और गरिमामय वातावरण के बीच किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और मंच के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि, जिला संयोजक अजय वत्स तथा विवेक आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. देवाशीष पाणिग्रही ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि ने कहा कि स्वदेशी केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। जिला संयोजक अजय वत्स ने बताया कि ह्लमैं भी स्वदेशीः समर्थकह्व डिजिटल अभियान 1 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक देशभर में चलाया जाएगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से डिजिटल माध्यम से इस अभियान से जुड़ने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की अपील की। प्रधानाचार्य डॉ. देवाशीष पाणिग्रही ने कहा कि आयुर्वेद स्वयं एक स्वदेशी चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का स्वदेशी के प्रति छोटा-सा संकल्प भी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अतिथियों ने स्वदेशी अपनाने तथा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने की सामूहिक शपथ ली। साथ ही उपस्थित लोगों ने डिजिटल अभियान के निर्धारित लिंक पर अपना संकल्प दर्ज कर अभियान को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वदेशी और विदेशी कंपनियों की सूची का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सह जिला संयोजक सतीश त्यागी, जिला संपर्क प्रमुख कौशल किशोर शर्मा तथा प्रो. शंभु का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

हबीबवाला में मुस्लिम संवाद कार्यक्रम, बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

धामपुर। धामपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव हबीबवाला में शनिवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की ओर से मुस्लिम संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान हाजी इकरामुद्दीन ने की। इसमें धामपुर विधानसभा क्षेत्र से आजाद समाज पार्टी के संभावित प्रत्याशी जावेद अली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जावेद अली ने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार की जनविरोधी नीतियों से परेशान है और अब बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में आजाद समाज पार्टी प्रदेशभर में जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और पार्टी के बिना सरकार का गठन संभव नहीं होगा। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में आजाद समाज पार्टी से जुड़ने तथा पार्टी को मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि इससे आम जनता की आवाज सड़क से लेकर संसद तक और अधिक मजबूती से उठाई जा सकेगी। कार्यक्रम में मनोज कुमार (किसान मोर्चा विधानसभा धामपुर), सतीश कुमार (उपाध्यक्ष विधानसभा धामपुर), नितिन कुमार (युवा मोर्चा जिला प्रभारी बिजनौर), संजय सिंह (जिला उपाध्यक्ष), ताहिर हुसैन (सचिव युवा मोर्चा विधानसभा धामपुर), सलमान अली (महासचिव धामपुर), सरदार ख्वाजा, इरफान अहमद (महासचिव किसान मोर्चा धामपुर), शानू, पूर्व प्रधान वहाजुद्दीन, पूर्व प्रधान फुरकान अहमद, पूर्व प्रधान अफजाल अहमद, निसार अंसारी, हाफिज नसीम अहमद, चांद मोहम्मद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रेस क्लब स्योहारा के धर्मेंद्र भुइयार संरक्षक व डा. शाश्वत वर्मा बने सह संरक्षक

प्रातः किरण संवाददाता स्योहारा। स्योहारा प्रेस क्लब स्योहारा की एक बैठक वर्मा नर्सिंग होम पर आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष व संचालन कोषाध्यक्ष ने किया। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी चिकित्सक एवं क्लब के संरक्षक डॉक्टर मनोज वर्मा ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। नए पदाधिकारियों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। प्रेस क्लब स्योहारा की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्व सम्मति से धर्मेंद्र कुमार भुइयार को संरक्षक व डा.शाश्वत वर्मा को सह संरक्षक मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रेस क्लब अध्यक्ष रियाजुलहक उर्फ.प्रिंस जमाल व संचालन कोषाध्यक्ष अरशद चौधरी ने किया। इस अवसर पर संरक्षक डा.मनोज वर्मा ने कहा कि किसी भी संगठन को चलने के लिए एकजुटता की जरूरत होती हैं इसलिए सभी को अपनी अपनी जिम्मेदारी को निभाना चाहिए। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से डा.शाश्वत वर्मा को प्रेस क्लब स्योहारा का सह संरक्षक मनोनीत किया गया। अध्यक्ष रियाजुलहक ने दोनों स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन से क्लब को नई दिशा और मजबूती मिलेगी और संगठन मजबूत होगा। सभी ने प्रेस क्लब स्योहारा की एकजुटता बनाये रखते हुए पत्रकार हितों में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके बैठक में महामंत्री चमन भारद्वाज, अश्वनी विश्नोई, नादिर त्यागी, अंकुल प्रजापति, कपिल शर्मा, राशिद पीटर, गय्यूर चौधरी, आकाश तोमर, इकबाल अंसारी, फजल अंसारी, अश्वनी विश्नोई आदि मौजूद रहे।

देवरिया: पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में खुखुन्दू थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा महिला से छीना गया सोने का मंगलसूत्र लॉकेट सहित बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अभि जीत आर शंकर ने बताया कि 29 जुलाई को थाना खुखुन्दू क्षेत्र के ग्राम तिलौली उर्फ डेहरी में एक महिला से मंगलसूत्र छीनने की घटना हुई थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि घटना में शामिल दोनों आरोपित बहादुरपुर से पड़री बाजार की ओर जा रहे हैं। सूचना पर महुई पाण्डेय गांव के बाहर पार्क और पुल के पास वाहन चेकिंग शुरू की गई। उन्होंने बताया कि इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों ने भागने का प्रयास किया और खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपित के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को दौड़ाकर पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि घायल आरोपित की पहचान कलीम शेख (25 वर्ष) पुत्र नईमुल्लाह निवासी मोहन मुंडेरा थाना रामपुर कारखाना के रूप में हुई।

ईओ के औचक निरीक्षण में गौशाला की व्यवस्थाओं की खुली पोल, लापरवाही पर कर्मचारियों को नोटिस

184 गौवंश स्वस्थ मिले, लेकिन सफाई, सीसीटीवी और नियमित निरीक्षण में मिलीं खामियां

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने शनिवार सुबह कांठ रोड स्थित अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में कई खामियां मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। ईओ दिनेश कुमार ने बताया कि शासन एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में गौशालाओं में संरक्षित गौवंश के भरण-पोषण एवं देखरेख की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में सुबह करीब 7:30 बजे गौशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि गौशाला में वर्तमान में 184 गौवंश संरक्षित हैं और सभी स्वस्थ हैं। हरा चारा, भूसा, चोकर, स्वच्छ पेयजल, दो सबमर्सिबल पंप, बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जनरेटर तथा टीन शेड में गर्मी से बचाव के लिए हरी जाली की व्यवस्था संतोषजनक मिली। पशु चिकित्सकों द्वारा प्रतिदिन सुबह और शाम गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा है। हालांकि निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर कूड़ा पड़ा मिला, गोबर समय पर नहीं उठाया गया था, गौशाला के सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए तथा नियमित निरीक्षण के लिए तैनात कर्मचारियों द्वारा निगरानी में लापरवाही सामने आई। इन कमियों पर अधिशासी अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। ईओ दिनेश कुमार ने स्पष्ट चेतावनी दी कि गौशाला के संचालन और गौवंश की देखरेख में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राजस्थान की नागौरी मेथी बनी कम्युनिटी वैरायटी

नागौर की प्रसिद्ध नागौरी पान मेथी को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। भारत सरकार के पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण ने इसे सामुदायिक किस्म के रूप में पंजीकृत किया है। इसके साथ ही मूंडवा तहसील के महिला किसान समुदाय को इसका सर्टिफिकेट सौंपा गया। नागौरी मेथी को नागौरी पान मेथी के नाम से भी जाना जाता है। नई दिल्ली में 28 जुलाई को हुए कार्यक्रम में ढ्ढश्व्रस्न्न के अध्यक्ष डॉ. टी. महापात्र ने मूंडवा की प्रधान गीता देवी और महिला किसान प्रतिनिधियों को यह सम्मान दिया। इस मौके पर राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, कृषि आयुक्त डॉ. पी.के. सिंह और कई कृषि वैज्ञानिक मौजूद रहे। नागौरी पान मेथी पिछले करीब 70 सालों से नागौर के किसानों की पहचान रही है। इसकी खास बात इसकी प्राकृतिक और लंबे समय तक रहने वाली खुशबू है। यही वजह है कि देश की कई बड़ी मसाला कंपनियां सालों से इसका इस्तेमाल करती आ रही हैं। इसकी खेती मुख्य रूप से मूंडवा, मेड़ता, जायल, डेगाना, खींवसर और नागौर क्षेत्र में होती है।

रेप के आरोपी की बंदूक जब्त, कुर्की की तैयारी

सरगुजा जिले में नाबालिग आदिवासी छात्रा को अश्लील वीडियो दिखा कर रेप करने के आरोपी पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के नाम से जारी 12 बोर लाइसेंसी बंदूक और उसका लाइसेंस जब्त कर लिया है। आरोपी की चल-अचल संपत्ति की जानकारी राजस्व विभाग से लेकर कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। रेप का आरोपी उप सरपंच के पति पर सरगुजा एसएसपी ने 5 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है। शुक्रवार को कांग्रेस, भाजपा के नेताओं ने आरोपी के गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। 20 जुलाई को उप सरपंच के पति तरुण जायसवाल ने 14 साल की नाबालिग छात्रा से रेप किया था। छात्रा उसके घर खाना बनाती थी। आरोपी ने छात्रा के पिता को आठ लाख रुपए ऑफर किया था और धमकी भी दी थी। करीब 100 की संख्या में ग्रामीणों ने थाने पहुंच कर एफआईआरदर्जकराईथी एफआईआर की सूचना मिलने पर आरोपी भाग निकला था। मामले में कोतवाली थाना में आरोपी तरुण जायसवाल के खिलाफ धारा 65(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत मामला दर्ज है। आरोपी को गिरफ्तार करने एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भापुसे) ने विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। पुलिस टीम लगातार छापा मार रही है।

हेडमास्टर ने बच्चों के सामने पैंट उतारी, पेशाब किया

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक सरकारी स्कूल के हेडमास्टर पर बच्चों के सामने अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। आरोप है कि स्कूल के समय हेडमास्टर भुवनेश्वर कौशिक ने क्लासरूम में बच्चों के सामने पैंट उतारकर पेशाब किया। साथ ही छात्राओं को अपने पास बुलाकर अश्लील हरकत करने की भी कोशिश की। घटना से डरे बच्चों ने घर पहुंचकर पूरी बात पेरेंट्स को बताई। इसके बाद गुस्साए परिवार वाले स्कूल पहुंचे। उनका आरोप है कि वहां हेडमास्टर अर्धनग्न हालत में कुर्सी पर बैठा मिला। परिजनों ने इसका वीडियो बनाया। वीडियो बनते देख उसने जल्दबाजी में पैंट पहन ली। इसके बाद डायल-112 और पामगढ़ पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम स्कूल पहुंची और हेडमास्टर को थाने ले गई। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक बच्चों के साथ पामगढ़ थाने पहुंचे और आरोपी शिक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामला पामगढ़ ब्लॉक के डोंगाकोहरौद शासकीय प्राथमिक शाला का है। दरअसल, आरोपी भुवनेश्वर कौशिक डोंगाकोहरौद शासकीय प्राथमिक शाला में हेडमास्टर के पद पर पोस्टेड है।

रायपुर में सुबह 4 बजे पुलिस की रेड

543 घरों में दबिश, 30 वारंटी पकड़े; शराब बेचते हुए कोचिए को रंगे हाथ पकड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी रायपुर में अपराधियों और फरार आरोपियों पर शिकंजा कसने के लिए शनिवार तड़के पुलिस ने बड़े स्तर पर सरप्राइज चेकिंग और सत्यापन अभियान चलाया। उत्तर और पश्चिम जोन में एक साथ हुई इस कार्रवाई में 543 मकानों की जांच की गई, 148 किरायेदारों का सत्यापन हुआ और 30 वारंट तामील किए गए। इनमें 7 स्थायी वारंटी भी शामिल हैं। अभियान के दौरान चोरी की एक एक्टिवा बरामद की गई, 78 पाव अवैध शराब जब्त की गई और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। घर-घर पहुंची पुलिस, फरार आरोपी भी दबोचे पुलिस उपायुक्त (उत्तर) दीपमाला कश्यप के निर्देश पर उरला, खमतराई, गुढ़ियारी, खम्हारडीह और पंडरी थाना क्षेत्रों में सुबह तड़के 80 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवानों ने संयुक्त कार्रवाई की। उरला में 65 मकानों की जांच के दौरान 7 वारंट तामील किए गए और एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया। खम्हारडीह पुलिस ने भी 7 वारंट तामील किए और एक स्थायी वारंटी के कब्जे से चोरी की एक्टिवा बरामद की, जो पहले से दर्ज वाहन चोरी के मामले से जुड़ी थी। अवैध शराब कारोबार पर भी बड़ी कार्रवाई गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ भी अभियान चलाकर तीन प्रकरण दर्ज किए। कार्रवाई में 78 पाव देशी शराब और 950 रुपये नकद जब्त किए गए। इसके अलावा 8 वारंट तामील किए गए और एक व्यक्ति के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। खमतराई क्षेत्र में 74 मकानों और 148 किरायेदारों का सत्यापन किया गया। वहीं मारपीट और तांबा पट्टी चोरी के मामलों में कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पंडरी थाना क्षेत्र की बीएसयूपी कॉलोनी दलदलसिवनी में 256 मकानों का भौतिक सत्यापन कर संदिग्ध व्यक्तियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया। स्कूलों और कॉलोनियों में भी चला जागरूकता अभियान पश्चिम जोन पुलिस ने स्कूलों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थलों पर साइबर सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा, यातायात नियम, नशामुक्ति और नए आपराधिक कानूनों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। अभिभावकों से अपील की गई कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें और हेलमेट व ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करें। सत्यापन कराएं, संदिग्धों की सूचना दें: डीसीपी कश्यप अभियान के दौरान पुलिस ने नागरिकों से किरायेदारों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराने और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, अवैध प्रवासी या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112 या छत्तीसगढ़ पुलिस की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-1905 पर देने की अपील की। पुलिस ने भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि राजधानी में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

जैसलमेर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले-गलतियां नहीं दोहराएंगे, रूपाराम बांटेंगे टिकट

प्रात: किरण संवाददाता

आगामी निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपनी पहली महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बाड़मेर रोड स्थित धनदेव रिसोर्ट में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं और पदाधिकारियों का सम्मेलन संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता जैसलमेर विधानसभा प्रभारी चिरंजीवलाल वर्मा ने की। बैठक में जैसलमेर जिले के दोनों नगरीय निकायों में पार्टी का बोर्ड बनाने और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पार्टी के अंदर लंबे समय से चली आ रही गुटबाजी को खत्म करने की दिशा में बड़ा संदेश दिया गया। अब आपस में नहीं लड़ेंगे फकीर- धनदेव गुट बैठक में जिलाध्यक्ष अमरदीन फकीर ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि निकाय चुनाव में पार्टी एकजुट होकर मैदान में उतरेगी। अमरदीन फकीर बोले- हम पिछली गलतियां नहीं दोहराएंगे। अब फकीर और धनदेव गुट आपस में नहीं लड़ेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी चुनाव में पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव ही टिकट बांटेंगे और जिलाध्यक्ष के नाते वे केवल उन टिकटों पर साइन करके देंगे। उनका मुख्य उद्देश्य कार्यकताओं को मान-सम्मान देना और पार्टी का बोर्ड बनाना है। जमीन से जुड़े कार्यकताओं को मिलेगी प्राथमिकता जैसलमेर विधानसभा प्रभारी चिरंजीवलाल वर्मा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड बनाना होना चाहिए। कार्यकर्ता आज से ही दिन-रात एक करके अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को पार्टी से जोड़ें। पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में सर्वे कराया जाएगा। जो कार्यकर्ता विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और निष्ठावान है, उसे ही चुनाव में प्राथमिकता दी जाएगी बहुमत के बाद भी जिला प्रमुख भाजपा का बना था दरअसल, पिछले निकाय चुनावों में कांग्रेस ने कमलेश छंगाणी को सभापति की टिकट दी थी। मगर फकीर गुट ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर सभापति का फॉर्म भरने वाले हरिवल्लभ कल्ला को अपना समर्थन दिया था। हरिवल्लभ कल्ला सभापति का चुनाव जीत गए और उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता लेकर कांग्रेस ज्वाइन कर ली।

पीछा कर रहे युवक को लड़की ने चप्पल से पीटा :वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर किया अपलोड

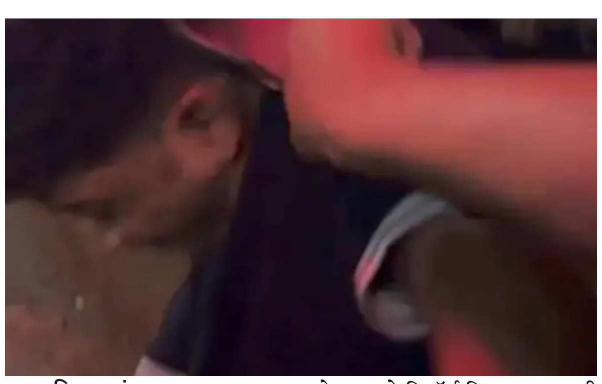

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के भिलाई में एक युवती ने पीछा कर रहे युवक को बीच सड़क पर रोककर उसकी चप्पल से पिटाई कर दी। युवती ने आरोप लगाया कि युवक कुछ महीने पहले भी एक मॉल में उसका पीछा कर रहा था। अब दोबारा घर जाते समय युवती को वह युवक फिर दिखाई दिया। इसके बाद उसने हिम्मत दिखाते हुए युवक को सड़क पर रोक लिया और चप्पल से पीटा फिर उसे कई थप्पड़ भी मारे ।घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने भी युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। युवती ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल से रिकॉर्ड किया। युवक की पहचान स्मृति नगर निवासी 29 वर्षीय युवक के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। यह मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। अब जानिए पूरा मामला जानकारी के अनुसार, यह मामला गुरुवार की रात की है। लड़की जब स्कूटी से अपने घर लौट रही थी। तभी स्मृति नगर में एक युवक स्कूटी से उसका पीछा कर रहा था। इसी दौरान कुछ दूर पर युवक सड़क के किनारे खड़ा था। तभी लड़की वहां पहुंची और उसने युवक से पूछा कि तुझे क्या लगता है, मैं देखी नहीं तुझे मेरा पीछा करते हुए। क्यों पीछा कर रहा है तू। इसके बाद लड़की ने बीच सड़क पर युवक को चप्पल से जमकर पिटाई कर दी। युवती ने खुद रिकॉर्ड किया वीडियो युवती ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल से रिकॉर्ड किया। वीडियो में वह युवक से सवाल पूछती और उस पर पीछा करने का आरोप लगाती नजर आती है। कुछ लोग युवक को पकड़कर खड़े रहते हैं, जबकि युवती लगातार उससे जवाब मांगती है। बाद में उसने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड कर दिया। वीडियो में लड़की और युवक के बीच हुई झड़प युवक बोला मैं किसी का वेट कर रहा हूं। लड़की ने कहा, तू किसी का वेट नहीं कर रहा है। मैं मॉल में भी वीडियो बनाई हूं। तू मेरा वापस क्यों पीछा कर रहा है। मैं देखी नहीं तुझे आगे से मुड़ते हुए। इस पर युवक ने कहा, एक्चुयली मैं आपसे बात करना चाह रहा था। लड़की ने गुस्से में कहा, क्यों बात करना चाहता है। लड़का बोला- सॉरी बोल रहा हूं। लड़की ने कहा- क्या सॉरी बोलेगा तू। इसके बाद लड़की ने बीच सड़क पर युवक को चप्पल से जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद लड़की ने कहा, तुम जैसे लड़कों के कारण ही लड़कियां सेफ फील नहीं कर रही हैं। इतने में आसपास खड़े लोग भी मामला देखकर वहां जुट गए और युवक को पकड़ लिया। किसी ने तुरंत पुलिस को फोन कर दिया।

गहलोत-डोटासरा के सामने सदस्यता दिलवा कर वजूद बढ़ा रहे:रोत बोले- कांग्रेस का 309 BAP कार्यकर्ताओं के जाने का दावा झूठा

प्रात: किरण संवाददाता

बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने कहा- 309 इअढ कार्यकताओं का कांग्रेस से जुड़ने का दावा गलत हैं, 2-3 गए होंगे। कुछ लोग आदिवासी क्षेत्रों से लोगों को जयपुर ले जाकर गहलोत-डोटासरा के सामने सदस्यता दिलवा कर अपना वजूद बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। रोत ने फर्जी डिग्री से टीचर बनने के मामले पर भी इअढ विधायक जयकृष्ण पटेल का बचाव करते हुए कहा- विधायक से छोटी-मोटी गलती हुई होगी, विपक्ष के लोग मानसिक टॉर्चर कर फंसा रहे हैं। दरअसल, सांसद राजकुमार रोत संयुक्त राष्ट्र के आदिवासी अधिकारों पर विशेषज्ञ तंत्र कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद स्विट्जरलैंड के जिनेवा से शनिवार को बांसवाड़ा लौटे थे। यहां लौटकर उन्होंने मीडिया से बात की। पहली बार बांसवाड़ा पहुंचे सांसद राजकुमार रोत का एमपी-राजस्थान सीमा के बारी घाटा, दानपुर, छोटी सरवन, कटुम्बी, नापला, पाड़ला चौकी, शहर में राजा बांसिया चरपोटा मूर्ति स्थल और माही कॉलोनी स्थित सांसद सुविधा केंद्र पर बीएपी कार्यकताओं और सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया। सूची सार्वजनिक करे कांग्रेस सांसद राजकुमार रोत ने कांग्रेस नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीया के 309 बीएपी कार्यकताओं को जयपुर ले जाकर कांग्रेस में शामिल कराने के दावे को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने खुली चुनौती देते हुए कहा कि 309 लोगों की सूची सार्वजनिक की जाए। रोत ने कहा कि जिन लोगों की बात की जा रही है, उनमें बीएपी के केवल 2 से 3 कार्यकर्ता थे, जिन्हें कुछ समय पहले ही पार्टी से निष्कासित किया जा चुका था। बोले- छोटी-मोटी गलती का माहौल बनाया जा रहा बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के फर्जी डिग्री मामले पर सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि विधायक बनने के बाद से ही उनके खिलाफ लगातार साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले एसीबी ट्रैप के जरिए फंसाने की कोशिश की गई और अब फर्जी डिग्री का मामला सामने लाया जा रहा है। रोत ने कहा- एसीबी ट्रैप कराने वाला कौन था? वह भाजपा का विधायक प्रत्याशी रहा है। आज भी वह भाजपा का मंडल अध्यक्ष है। यह पूरी कार्रवाई पहले से बनाई गई साजिश का हिस्सा थी। हमारे विधायक को योजनाबद्ध तरीके से फंसाया गया। हो सकता है हमारे विधायक से कोई छोटी-मोटी गलती हुई हो, लेकिन जिस तरह से माहौल बनाया जा रहा है और उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है, वह सही नहीं है। बागीदौरा की जनता ने उन्हें जनादेश दिया है और विपक्ष उसी जनादेश के खिलाफ उनके खिलाफ षड्यंत्र रचने का काम कर रहा है।

महिला को एक साथ 2 सांपों ने काटा

भरतपुर जिले में एक महिला को एक साथ दो सांपों ने काट लिया। महिला के चिल्लाने पर परिजन पहुंचे तो पास पड़ी ईंटों के बीच धामन और कोबरा सांप बैठे थे। परिजनों ने कोबरा को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार दिया। जबकि धामन को पकड़ लिया। महिला और दोनों सांपों को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे। डॉक्टरों को सांप दिखाए और इलाज के लिए कहा। मामला बयाना क्षेत्र में शनिवार सुबह 8 बजे का है। सांपों को कट्टे में देख अस्पताल में एक बार हड़कंप मच गया। डॉक्टरों ने कोबरा का जहर शरीर में फैलने से पहले ही महिला को एंटी वेनम दिया गया। महिला के भतीजे नरेंद्र सिंह निवासी रछुआ जगनेर (यूपी) ने बताया- घर पर निर्माण कार्य चल रहा है। शनिवार सुबह मेरी बुआ बबीता (48) घर में इकट्ठी करके रखी गई ईंटों को उठा रही थीं। तभी ईंटों के बीच में छिपे दो सांपों ने बुआ के हाथ पर काट लिया। घटना के बाद बुआ चिल्लाने लगीं। आवाज सुनते ही तुरंत घर के लोग पहुंचे। बुआ ने बताया कि ईंटों के बीच बैठे दो सांपों ने उन्हें काट लिया है। ईंटों के बीच देखा तो 2 सांप बैठे थे। इसमें एक कोबरा था और एक धामन सांप था। हमने लाठी-डंडों से कोबरा को मार डाला और धामन को पकड़कर कट्टे में डाल दिया। इसके बाद मरे हुए कोबरा को भी इसी कट्टे में भरकर अस्पताल पहुंच गए। बयाना अस्पताल में पहुंचे नरेंद्र ने बताया- बुआ को तुरंत जगनेर के अस्पताल लेकर गए। वहां से आगरा रेफर कर दिया गया। हम आगरा न जाकर बयाना ले आ गए। यहां डॉक्टर को पूरी घटना बताई और कट्टे में मौजूद सांपों को दिखाया। कोबरा का जहर शरीर में फैल रहा था डॉक्टर जोगेंद्र सिंह ने बताया कि महिला सुबह आई थी। जिसे कोबरा और धामन प्रजाति के सांपों ने काटा था। धामन में जहर नहीं होता, लेकिन कोबरा के काटने के कारण शरीर में जहर फैल रहा था। जहर का असर महिला की आंखों पर दिखाई दिया। समय पर आने से इलाज शुरू कर दिया गया।

आतंकियों ने नाम पूछकर छत्तीसगढ़ के मजदूरों को गोली मारी

कश्मीर में हत्या, वहीं हुआ अंतिम संस्कार; परिवार वालों ने गृहग्राम लाने की थी मांग

प्रात: किरण संवाददाता

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों ने छत्तीसगढ़ के 2 मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। शुरूआती जानकारी के अनुसार, आतंकियों ने पहले मजदूरों की पहचान पूछी और नाम जानने के बाद उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। मारे गए युवकों की पहचान दीपक रात्रे (24) और भूपेंद्र भैना (28) के रूप में हुई है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बल घटना स्थल की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है। दीपक रात्रे सक्ती जिले के बुंदेली गांव और भूपेंद्र भैना सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के छुईहा गांव के रहने वाले थे। घटना के बाद दोनों गांवों में मातम पसरा है। दीपक अपनी मां, दिव्यांग भाई, पत्नी और 2 वर्षीय बेटे का इकलौता सहारा था। वहीं भूपेंद्र अपने पीछे 2 साल का बेटा, बहन और दादी को छोड़ गए हैं। बताया जा रहा है कि कश्मीर में ही दोनों का अंतिम संस्कार कराया गया है। हालांकि मृतक भूपेंद्र के पिता दशरथ भैना ने पार्थिव शरीर गृहग्राम लाने की मांग की थी। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार हो गया ये उन्हें पता भी नहीं था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर गहरा दुख जताया है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिवार वालों को 20-20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है ।सारंगढ़ के छुईहा गांव के सरपंच धनीराम बंजारे के मुताबिक भूपेंद्र भैना और उसकी पत्नी कचरा बाई काम की तलाश में 3 महीने पहले कश्मीर गए थे, घर में उनका एक 2 साल का बेटा, उनकी बहन और दादी रहती है। वहीं भूपेंद्र की मौत की खबर के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है। मृतक भूपेंद्र की बहन ने अधिकारियों से पार्थिव शरीर गृहग्राम लाने की मांग की थी। पिता बोले- अंतिम संस्कार की जानकारी नहींदैनिक भास्कर डिजिटल से बातचीत में भूपेंद्र भैना के पिता दशरथ भैना ने कहा कि बेटे के अंतिम संस्कार की जानकारी नहीं है। साहब से बात हुई तो कहा था कि कर्फ्यू लगा है, पार्थिव शरीर घर नहीं पहुंच पाएगा। अब बता रहे हैं कि अंतिम संस्कार हो गया।

रींगस में दो युवकों को जमीन पर पटककर पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

रास्ता जाम को लेकर हुए विवाद के बाद जीप ड्राइवरों ने दो युवकों के साथ मारपीट कर दी। आरोपियों ने दोनों का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद राजीनामे के बहाने वापस दोनों युवकों को बुलाया और फिर मारपीट की। घटना सीकर जिले के रींगस थाना क्षेत्र की है। घटना को लेकर एक पीड़ित युवक के पिता ने थाने में रिपोर्ट दी है। थाना अधिकारी पवन कुमार ने बताया- रींगस निवासी भंवरलाल चक्कीवाले ने रिपोर्ट दी है। जिसमें उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को मेरे बेटा आशीष और उसका दोस्त रूद्र प्रताप सिंह बीकानेर बस स्टैंड से घर लौट रहे थे। राम बगीची के पास हिमांशु निठारवाल पुत्र अशोक निठारवाल, राजेश सैनी, लक्की सामोता (ढाणी डेरावाली), सम अग्रवाल पुत्र मुकेश अग्रवाल, मनोज गुर्जर, शंकर बिजारणिया और चार-पांच अन्य लोगों ने कैम्पर गाड़ियां लगाकर रास्ता बंद कर रखा था। आशीष ने उनसे गाड़ी थोड़ी साइड में करने को कहा ताकि वे और आमजन औक श्याम श्रद्धालु निकल सकें। इस पर हिमांशु निठारवाल लोहे का पाइप लेकर आया और आशीष के पैरों पर वार किया। आशीष के गिरने पर सभी आरोपियों ने लोहे के पाइपों से आशीष और उसके मित्र के साथ मारपीट की। इस हमले में दोनों के पैरों में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि आरोपियों ने रिपोर्ट दर्ज न कराने के लिए उन्हें राजीनामे के बहाने उलझाए रखा। राजीनामे के बहाने 23 जुलाई को बुलाया शिकायत में आगे बताया गया है कि 23 जुलाई को आरोपियों ने आशीष और उसके दोस्त को राजीनामे के बहाने महरोली मोड़ पर बुलाया। जैसे ही आशीष वहां पहुंचा, कैम्पर में बैठे आरोपियों ने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर पाइप से हमला कर दिया। आशीष किसी तरह हमले से बच निकला। जांच में जुटी पुलिसआरोप है कि आरोपियों ने झूठा दबाव बनाने के लिए आशीष के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है। मारपीट का वीडियो भी इंस्टाग्राम पर डालकर उसकी छवि खराब करने और दहशत फैलाने का प्रयास किया है।

सोनू बनकर दोस्ती, शादी के बाद सुफरान नाम सामने आया:पीड़िता बोली- बुर्का पहनने, नमाज पढ़ने किया मजबूर

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के रायपुर में कथित लव जिहाद का मामला सामने आया है। युवती ने आरोप लगाया है कि इंस्टाग्राम पर सोनू नाम बताकर एक लड़के ने उससे दोस्ती की। लड़के ने करीब 6 महीने तक अपनी धार्मिक पहचान छिपाई और शादी के बाद उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। युवती का दावा है कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई, मंदिर जाने और हिंदू त्योहार मनाने से रोका गया। बुर्का पहनने और नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। मामला पंडरी थाना क्षेत्र का है। युवती ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं, बजरंग दल के कार्यकताओं ने भी थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। युवती ने बताया कि उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम पर सोनू नाम के युवक से हुई थी। बातचीत धीरे-धीरे रिश्ते में बदल गई। प्रेग्नेंट होने पर दोनों ने शादी कर ली। करीब 6 महीने तक दोनों साथ रहे। इस दौरान उसे कभी भी युवक की धार्मिक पहचान पर संदेह नहीं हुआ। युवती के मुताबिक, वह कई बार उससे पूछती थी, तुम हिंदू हो ना? हर बार युवक जवाब देता था, ह्यक्यों, मैं हिंदू नहीं लगता क्या?ह्व इसी भरोसे पर उसने रिश्ता आगे बढ़ाया। शादी के दिन मौलाना को देखकर हुआ शक युवती का कहना है कि प्रेग्नेंट होने के बाद युवक ने शादी की बात कही। वह घर छोड़कर उसके साथ रहने चली गई, लेकिन शादी वाले दिन घर में मौलाना को देखकर उसे पहली बार शक हुआ। उसने शादी से इनकार कर दिया। तब युवक ने कहा, हिंदू-मुस्लिम सब एक हैं, तुम अपना धर्म मानना और मैं अपना। युवती का दावा है कि शादी के बाद उसे पता चला कि युवक का असली नाम सुफरान है। युवती का आरोप है कि शादी के कुछ महीने बाद हालात पूरी तरह बदल गए। उस पर आधार कार्ड में नाम बदलवाने, बुर्का पहनने, नमाज पढ़ने और इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया जाने लगा। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। उसने आरोप लगाया कि ससुराल वाले हाथ पर बने टैटू को मिटाने के लिए उसका हाथ जलाते थे और उस पर एसिड से रगड़ते थे। उसे मंदिर जाने और हिंदू त्योहार मनाने से भी रोका जाता था। बेटे के जन्म वाले दिन फिनाइल पिलाने का आरोप युवती ने आरोप लगाया कि 12 अगस्त 2022 को बेटे के जन्म वाले दिन उसे फिनाइल पिला दी गई। इसके बाद भी उसके साथ लगातार मारपीट होती रही। बाद में पति हत्या के प्रयास के एक मामले में जेल चला गया। जेल से छूटने के बाद उसने फिर साथ रहने का दबाव बनाया। इनकार करने पर सोशल मीडिया पर उसके बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक बातें पोस्ट की गईं और जान से मारने की धमकियां दी गईं।

जीजा ने साली की गोली मारकर हत्या की:शव ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था

प्रात: किरण संवाददाता

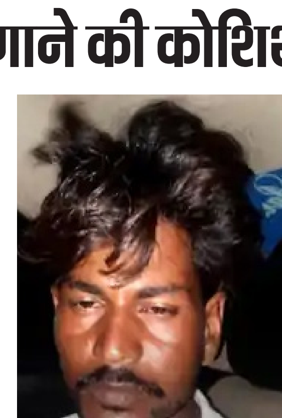

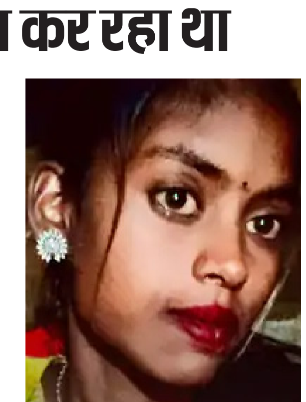

भीलवाड़ा में पारिवारिक विवाद के चलते जीजा ने अपनी ही 18 साल की साली की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के करीब दो घंटे के भीतर ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई बंदूक भी बरामद कर ली गई है। पुलिस के अनुसार जीजा शव ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था, उससे पहले ही उसे पकड़ लिया। घटना बनेड़ा थाना क्षेत्र के आमली कला गांव की है। शव ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था आरोपी पुलिस के अनुसार वारदात के बाद आरोपी सबूत मिटाने की कोशिश कर रहा था। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया कि वह शव को ठिकाने लगाने की फिराक में था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अलग-अलग जगह दबिश दी और घटना सामने आने के करीब दो घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई दुनाली बंदूक भी जब्त कर ली। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। बहन और जीजा के साथ रहती थी रेखा प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि बीलिया निवासी रेखा डेढ़ साल से अपनी बहन सीता और जीजा किशन के परिवार के साथ रहती थी। पुलिस ने मृतका के पिता पप्पू की रिपोर्ट पर किशन कालबेलिया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्रथम दृष्टया हत्या का कारण पारिवारिक विवाद माना जा रहा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

बंदर ने बच्ची को पालने से उठाकर ड्रम में डुबोया

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक जंगली बंदर ने पालने से 5 महीने की बच्ची को उठाकर पानी से भरे ड्रम में डाल दिया। परिवार वालों ने दौड़ाया तो बच्ची को ड्रम में ही छोड़कर बंदर भाग निकला। घटना के बाद घर वालों ने तुरंत बच्ची को बाहर निकाला और हॉस्पिटल ले गए। स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जहां बच्ची का ठक्छव (नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट) में इलाज किया जा रहा है, फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। मामला लखनपुर ब्लॉक के ग्राम रजपुरी का है। इसकी जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। बंदर की हरकत से गांव वाले डरे हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, रजपुरी गांव में 31 जुलाई की शाम करीब 4 बजे जंगल से एक बंदर गांव में घुस आया। बंदर ने गांव में जमकर उत्पात मचाया। गांव वाले डर से सहमकर घरों में दुबक गए। बच्ची को ड्रम में डुबोया, परिजनों ने निकाला इसके बाद बंदर अचानक गांव के ही रहने वाले सुदर्शन प्रजापति के घर घुस गया।

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण

नई दिल्ली, रविवार, 02 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

नोएडा डिपो की बसों में कांवड़ियों की संख्या बढ़ी

नोएडा। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने मोरना स्थित से हरिद्वार के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू कर दिया है। शिवभक्तों की भीड़ को देखते हुए मांग के अनुसार लगातार बसें भेजी जा रही हैं। बसों में कांवड़ियों की संख्या में इजाफा दर्ज किया गया है। शुक्रवार और शनिवार को एक-एक अतिरिक्त बस हरिद्वार भेजी गई। डिपो में कुल 188 बसें हैं। सामान्य तौर पर नोएडा डिपो से हरिद्वार के लिए रोजाना चार दैनिक बसें चलती हैं। इसके अलावा एक बस देहरादून के लिए चलाई जाती है। अब कांवड़ियों के डिपो में पहुंचने के कारण अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। भीड़ और रूट डायवर्जन के कारण आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बसें तुरंत रवाना की जा रही हैं। डिपो से संचालित होने वाली यह अतिरिक्त बसें मुख्य रूप से साधारण और सीएनजी श्रेणी की हैं उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा 31 जुलाई से कांवड़ियों की संख्या में इजाफा हुआ है। शुक्रवार को 45 कांवड़िए डिपो में पहुंचे थे। इससे पहले यह संख्या दस से 12 थी। ऐसे में एक अतिरिक्त बस में सभी को हरिद्वार के लिए रवाना किया गया था। शनिवार को भी एक अतिरिक्त बस चलाई गई थी। उन्होंने कहा कि डिपो में बसों की पर्याप्त संख्या है। जैसे-जैसे शिवभक्तों की संख्या बढ़ेगी, जरूरत के मुताबिक बसों की संख्या भी बढ़ा दी जाएगी।

ट्रैक्टर ने दो टेंपो में टक्कर मारी, महिला घायल

गाजियाबाद। नंदग्राम थानाक्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दो टेंपो में टक्कर मार दी। हादसे में एक टेंपो में सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के जहांगीरपुरी निवासी फरीद अहमद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी खातून निशा शुक्रवार को साहिबाबाद के अर्थला स्थित अपने भाई इस्माइल के घर गई थी। वहां से लौटने के बाद वह नंदग्राम स्थित मरियम अस्पताल में भर्ती अपने परिचित से मिलने के लिए टेंपो से जा रही थी। शाम करीब पांच बजे जब टेंपो मेरठ रोड स्थित बाला जी धाम के सामने पहुंचा तो पीछे से तेज गति और लापरवाही से आए ट्रैक्टर ने टेंपो में टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की चपेट में दूसरा टेंपो भी आ गया। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर चालक और उसके साथ मौजूद व्यक्ति को पकड़ लिया। चालक ने अपना नाम दिनेश निवासी भोजपुर गाजियाबाद बताया। उनकी पत्नी को पहले एमएमजी ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के कारण उसे जीटीबी अस्पताल दिल्ली रेफर कर दिया गया।

सड़क चौड़ीकरण की मांग को लेकर तहसील पर प्रदर्शन

मोदीनगर। गोविंदपुरी सारा मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को लेकर लोगों ने मोदीनगर तहसील पर हंगामा कर नारेबाजी की। लोगों ने मार्ग से अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण कार्य कराने को कहा। उपजिलाधिकारी ने जल्द समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। गांव सारा व गोविंदपुरी कॉलोनी के सैकड़ों लोग महर्षि इंटर कॉलेज के बाहर एकत्र हुए। इसके बाद वह जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए मोदीनगर तहसील पहुंचे और उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। लोगों का आरोप है कि गोविंदपुरी सारा मार्ग पर दबंगों ने अवैध अतिक्रमण कर रखा है, जिस कारण सड़क संकरी हो गई है। सड़क संकरी होने के कारण आए दिन जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। सड़क जर्जर हालत में पहुंच गई और रोज हादसे हो रहे है। इस अवसर लोगों ने आरोप लगाया सारा रोड पर बुरी तरह अतिक्रमण भी किया हुआ है। उपजिलाधिकारी कोमल पंवार ने मौके पर नगरपालिका आरआई को बुलाया और मंगलवार को मौके पर पहुंचकर समस्या के समाधान के निर्देश दिया।

फोन पर गाली-गलौज कर गोली मारने की धमकी दी

गाजियाबाद। विजयनगर थानाक्षेत्र के मिजार्पुर निवासी एक व्यक्ति को फोन पर गाली-गलौज कर गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मिजार्पुर सेक्टर-12 निवासी फहीम चौधरी ने बताया कि 29 जुलाई की सुबह वह अपने कार्यालय में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन उठाते ही कॉल करने वाला व्यक्ति अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। जब उन्होंने उसका परिचय पूछा और इस तरह बात करने का कारण जानना चाहा तो आरोपी लगातार गाली-गलौज करने लगा। कॉलर ने कहा कि उसका नंबर किसी ने उसे दिया है और वह इलाज कर देगा।

गाजियाबाद में पप्पू यादव-राहुल गांधी के चंदा प्रकरण पर भड़के सांसद अतुल गर्ग

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली संसद भवन के आगे बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव द्वारा भगवा वस्त्र धारण कर चंदा मांगने और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उन्हें चंदा देने के मामले पर सियासत तेज हो गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर गाजियाबाद से लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि यह दान-चोरी का मामला है और इसके जरिए साधुओं और राम मंदिर का अपमान किया जा रहा है। अतुल गर्ग ने कहा, पिछले 12 सालों में जो विकास हुआ है, जो काम हुए हैं, उनकी तुलना कोई नहीं कर सकता। न कोई आरोप लगा सकता है। आर्थिक रूप से देश मजबूत हुआ है। लेकिन इन लोगों का मानसिक स्तर यही है। संसद के अंदर ये अपनी राजनीतिक पहचान इसी तरह के कामों से दे रहे हैं। सांसद ने पेपर लीक बिल और जंतर-मंतर पर हुए लाठीचार्ज का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष किसी भी तरह से गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफा मांग रहा है। उन्होंने कहा, इनको पता है कि चुनाव आने वाले हैं, अगले 2 साल में भी होंगे। आखिर में जनता का निर्णय ही मानना पड़ेगा। अतुल गर्ग ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, जिन लोगों ने भारत माता को गालियां दीं, जिन्होंने सीता के पति राम का अपमान करने का प्रयास किया, पूरे हिंदू धर्म का मजाक उड़ाया। जिन्होंने सवाल पूछा कि अगर भारत तुम्हारी माता है तो पिता कौन है - इस तरह की घटिया मानसिकता के साथ वो महिलाएं और लड़कियां क्या छात्र थीं? उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों की आड़ में पार्टी के कार्यकर्ताओं को भेजकर जितनी गंदगी फैलाई गई है, उससे पूरा देश शर्मिंदा है। सांसद ने बांग्लादेश और नेपाल में हुए घटनाक्रम का उदाहरण देते हुए कहा, क्या लगता है कि जिस प्रकार बांग्लादेश और नेपाल में जेएनयू के द्वारा तख्तापलट हुआ, कहीं विपक्ष का ये एक कदम तो नहीं है कि इनके लोगों के द्वारा भारत में भी तख्तापलट की तैयारी की जाए?

दोपहिया वाहन चुराने वाले गिरोह का पदार्फाश, छह बदमाश गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 15 बाइक और चार चाकू बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सभी सदस्य आदतन अपराधी हैं और पिछले कई वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में लगातार वाहन चोरी कर रहे थे। आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरुर्खाबाद निवासी राजीव चौहान, गाजियाबाद के खोड़ा निवासी अजय कुमार, फरुर्खाबाद निवासी सचिन कुमार, बरौला निवासी कृष्णा उर्फ शेरा, बांदा निवासी विजय कुमार और राजस्थान के करौली निवासी बृजेश कुमार के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, गिरोह का सरगना राजीव चौहान है, जो वर्तमान में दिल्ली के नांगलोई इलाके में रह रहा था। उसके खिलाफ वाहन चोरी सहित करीब 20 मुकदमे दर्ज हैं। 21 वर्षीय अजय कुमार के खिलाफ पांच, 23 वर्षीय सचिन कुमार के खिलाफ पांच, 25 वर्षीय कृष्णा उर्फ शेरा के खिलाफ पांच, 19 वर्षीय विजय कुमार के खिलाफ छह और 45 वर्षीय बृजेश कुमार के खिलाफ पांच मुकदमे दर्ज हैं। सभी आरोपी पहले भी कई बार जेल जा चुके हैं, लेकिन जेल से छूटने के बाद फिर से वाहन चोरी करने लगे थे पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे पहले ऐसे इलाकों की रेकी करते, जहां सुनसान जगहों पर बाइक खड़ी रहतीं।

सांसद ने किया परिवहन सुरक्षा की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित संसद सदस्य सड़क सुरक्षा समिति और जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की संयुक्त समीक्षा बैठक में सांसद डॉ. महेश शर्मा ने अधिकारियों को गौतमबुद्धनगर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव, सड़क दुर्घटनाओं और स्कूल वाहनों की सुरक्षा को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में तेजी से बढ़ रहे यातायात के मद्देनजर आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली अपनाई जाए और व्यावसायिक वाहनों के शहर में प्रवेश के लिए समय निर्धारित किया जाए। सड़क दुर्घटना संभावित स्थलों की समीक्षा करते हुए सांसद ने एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग और प्राधिकरणों को निर्देश दिए कि सभी ब्लैक स्पॉट पर स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड, स्पष्ट रोड मार्किंग, ट्रैफिक सिग्नल, स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा बैरियर और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। दुर्घटनाओं के आंकड़ों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर स्थायी समाधान लागू करने पर भी जोर दिया। विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा के लिए स्कूल बसों का विशेष फिटनेस अभियान चलाया जाए और सभी वाहनों में जीपीएस, सीसीटीवी, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और आपातकालीन निकास की व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों और वाहन संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस दौरान जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और विधान परिषद सदस्य श्रीचंद्र शर्मा मौजूद रहे। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सभी निदेर्शों का समयबद्ध अनुपालन कराने का भरोसा दिया।

ट्रेडिंग और टास्क का झांसा देकर 50 लाख से अधिक ठगे

तीन अलग-अलग मामलों में प्राथमिकी दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। साइबर जालसाजों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग और टेलीग्राम टास्क के नाम पर तीन लोगों को अपना शिकार बनाकर 50.30 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिये संपर्क कर पहले पीड़ितों का भरोसा जीता, फिर मोटे मुनाफे और आकर्षक कमीशन का लालच देकर लाखों रुपये अलग-अलग खातों में जमा करा लिए। तीनों मामलों में साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पहले मामले में सेक्टर-70 स्थित पैन ओएसिस सोसाइटी निवासी बुजुर्ग के मोबाइल पर जनवरी 2026 में एक युवती का व्हाट्सएप मैसेज आया। युवती ने ट्रेडिंग से अच्छा मुनाफा कमाने का दावा कर पीड़ित को व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ दिया। भरोसा होने पर बुजुर्ग ने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर 18.09 लाख रुपये निवेश कर दिए। बाद में रकम निकालने का प्रयास किया तो खाता ब्लॉक कर दिया गया। दूसरे मामले में सेक्टर-41 निवासी युवक को टेलीग्राम पर ऑनलाइन कपड़े और जूते बेचने के टास्क देने का झांसा दिया गया। शुरूआत में कुछ छोटे टास्क पूरे करने पर कमीशन देकर विश्वास जीत लिया गया। इसके बाद अधिक कमाई का लालच देकर युवक से 14.44 लाख रुपये ठग लिए गए। तीसरे मामले में सेक्टर-143 निवासी महिला के अनुसार, एक व्यक्ति ने खुद को यूनाइटेड किंगडम का निवासी बताकर व्हाट्सएप पर संपर्क किया। दोस्ती बढ़ाने के बाद उसने निवेश से भारी लाभ का भरोसा दिलाया। मई से जून 2025 के बीच महिला ने अलग-अलग किस्तों में 16.77 लाख रुपये जमा कर दिए। बाद में जब निकासी की बारी आई तो आरोपी ने सभी संपर्क समाप्त कर दिए। डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने बताया कि पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, आईपी एड्रेस की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

लापरवाही बरतने पर फर्म को काली सूची में डाला

ग्रेटर नोएडा। शहर की कलाधाम सोसाइटी में हुए हादसे के बाद प्राधिकरण ने ठेकेदारों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। पार्कों और हरित क्षेत्र के रखरखाव समेत अन्य उद्यानिक कार्यों में लापरवाही मिलने पर ठेकेदार की फर्म को काली सूची में डाल दिया गया। इस फर्म को डेढ़ माह पहले भी काली सूची में डाला गया था। फिर भी काम दे दिया गया। उद्यान विभाग अधिकारी के मुताबिक यह पता लगाया जा रहा है कि काली सूची में डाली गई फर्म मैसर्स अतर सिंह द्वारा कोई और काम तो नहीं किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-3 में पार्कों और हरित क्षेत्र का रखरखाव के साथ पानी देना, पेड़ों की छंटाई आदि कार्य किए जा रहे थे। प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों को शिकायत मिली थी कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के आवासीय सेक्टर-3 में ठेकेदार द्वारा पार्कों और हरित क्षेत्र के रखरखाव का कार्य सही से नहीं किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उद्यान विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को मौके का निरीक्षण किया। इस दौरान काम में बड़ी लापरवाही पाई गई। मानक के अनुसार हरियाली नहीं मिली। इस पर ठेकेदार की फर्म मैसर्स अतर सिंह पर कार्रवाई करते हुए उसे काली सूची में डाल दिया गया। डेढ़ माह पहले भी काली सूची में डाला गया था सेक्टर-3 के लोगों की शिकायत पर एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बीते 13 जून को सेक्टर के ए ब्लॉक का निरीक्षण किया था। इस दौरान पार्कों के रखरखाव और पेड़ों की छंटाई में लापरवाही सामने आने पर एसीईओ ने मैसर्स अतर सिंह को काली सूची में डालते हुए जमानत राशि जब्त करने के निर्देश दिए थे। उद्यानिक कार्यों में लापरवाही के चलते ही उस समय वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान रामकुमार को भी हटा दिया गया था। इसके बाद भी काली सूची में डाली गई फर्म द्वारा कैसे काम किया जा रह था, यह बड़ा सवाल है।

छात्राएं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेकर सशक्त बनेंगी

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। स्कूलों में इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। प्रशिक्षण में बालिकाओं को मार्शल आर्ट सिखाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाया जाएगा, ताकि बालिकाएं चुनौती के समय बिना डरे उसका सामना कर पाएं और खुद का बचाव कर सकें। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत संचालित जिले के 446 परिषदीय और चार कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली सभी 11 से 14 वर्ष तक की बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत बचाव के तरीके सिखाए जाएंगे। इस दौरान बालिकाओं को जागरूक करने के साथ कठिन परिस्थितियों में खुद को बचाने के बारे में भी बताया जाएगा। इसके लिए पहले स्कूलों के व्यायाम शिक्षक और अनुदेशकों को छह दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा कुणाल मुद्गल ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए खेल अनुदेशकों और पीटीआई का चयन किया गया है, जो अलग-अलग स्कूलों की छात्राओं को प्रशिक्षित करेंगे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने बताया कि समाज में छेड़छाड़ की घटनाओं तथा हमलों आदि को देखते हुए ये निर्णय किया गया है, ताकि छात्राएं ऐसी किसी भी अनहोनी स्थिति में आत्मविश्वास न खोएं और उससे बाहर निकल सकें। इससे छात्राएं शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनेंगी और उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। फरवरी तक पूरा करना होगा प्रशिक्षण योजना के तहत छात्राओं को प्रशिक्षित करने के लिए 59 खेल अनुदेशक और पीटीआई का चयन किया गया है। प्रत्येक को पांच-पांच स्कूलों में प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी दी है, जो अपने समय और निर्धारित शेड्यूल के मुताबिक प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कुल 48 दिन का होगा, जिसे फरवरी तक पूरा करना होगा। सप्ताह में एक बार लगेगी क्लास बालिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिए स्कूलों में सप्ताह में एक बार आत्मरक्षा प्रशिक्षण की क्लास लगाने की योजना है। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा कुणाल मुद्गल ने बताया कि प्रशिक्षकों को पहले ही ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

दोस्त के घर गए युवक पर हमला

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के छोटा झुप्पा गांव में चार लोगों ने अपने दोस्त के घर गए युवक पर हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि किसी नुकीली चीज से वार किया गया। पीड़ित को काफी चोटें आईं। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक छातंगा खुर्द गांव में गोविंद परिवार के साथ रहता है। गोविंद ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार को अपने दोस्त की गाड़ी को छोड़ने छोटा झुप्पा गांव में उसके घर गया था। वह दोस्त के घर पहुंचा तो पड़ोस में रहने वाले चार युवकों ने उस पर हमला कर दिया। उस पर किसी नुकीले हथियार से वार किया गया। पीड़ित को बुरी तरह पीट कर घायल कर दिया गया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी राजा, ऋतिक, लाला और उधम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मारपीट के मामले की जांच कर रही है।

सजने संवरने के क्रेज से बाजारों में रौनक

- हरियाली तीज बना महिलाओं के लिए कमाई का पर्व, मेहंदी व गिफ्ट हैंपर की बढ़ी मांग

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। हरियाली तीज के आगमन के साथ ही शहर और आसपास के क्षेत्रों के बाजारों में उत्सव की चमक बिखरने लगी है। इस बार महिलाओं में सजने-संवरने का क्रेज इस कदर है कि त्योहारी सीजन की शुरूआत से पहले ही बाजार पूरी तरह गुलजार हो चुके हैं। पारंपरिक सोलह श्रृंगार की रस्म को खास बनाने के लिए मेहंदी, ब्यूटी पार्लर, डिजाइनर आभूषण, पूजा सामग्री और गिफ्ट हैम्पर की मांग हर साल बढ़ती है। अंतिम समय की आपाधापी और भीड़ से बचने के लिए महिलाओं ने हफ्तों पहले से ही मेहंदी आर्टिस्ट और मेकअप सैलून में एडवांस बुकिंग करा ली है। इस बढ़ते रुझान ने न केवल स्थानीय व्यापार को रफ्तार दी है, बल्कि हजारों महिलाओं के लिए स्वरोजगार और अतिरिक्त आय का एक बड़ा जरिया भी तैयार किया है। गिफ्ट हैम्पर्स से लेकर कस्टमाइज्ड ब्यूटी सर्विसेज की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कारोबारियों ने अतिरिक्त स्टाफ और वर्किंग आवर्स बढ़ा दिए हैं।

कांवड़ रूट पर परखी सुरक्षा व्यवस्था

ग्रेटर नोएडा। सावन माह में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र सिंह ने शनिवार को ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कांवड़ रूट का निरीक्षण किया। उन्होंने एनएच-91 पर भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीसीपी ने कांवड़ मार्ग पर बैरिकेडिंग, पुलिस तैनाती, ट्रैफिक डायवर्जन, आपातकालीन व्यवस्था और संवेदनशील स्थलों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही यातायात व्यवस्था को भी इस प्रकार संचालित किया जाए कि आम लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। कांवड़ मार्ग पर लगातार गश्त, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर और किसी भी सूचना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करें और आवश्यकता पड़ने पर उनकी हरसंभव सहायता करें। निरीक्षण के दौरान एसीपी सेंट्रल नोएडा कमलेश कांत, कोतवाली बादलपुर प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी बादलपुर सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

किशोरी को बहलाकर ले जाने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। बीटा-2 क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर के अनुसार महोबा निवासी ने बताया कि 24 जून 2026 को शिकायतकर्ता और उनकी पत्नी काम पर गए हुए थे। उनकी बेटी अपनी बहन से दुकान जाने की बात कहकर घर से निकली, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटी।

व्हाट्सएप ग्रुप में हुई कहासुनी के बाद युवक को घेरकर बेरहमी से पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। दादरी क्षेत्र में व्हाट्सएप ग्रुप पर बिजली आपूर्ति बाधित होने को लेकर हुई कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। दादरी स्थित मिहिर भोज इंटर कॉलेज के पास आधा दर्जन से अधिक युवकों ने एक युवक को घेरकर लात-घूंसों और डंडों से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। बड़पुर गांव निवासी संकित भाटी और आदित्य भाटी एक ही व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़े हैं। गांव में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर ग्रुप में चैट के दौरान दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। जानकारी के अनुसार संकित भाटी गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान मिहिर भोज इंटर कॉलेज के पास आदित्य भाटी ने अपने साथियों के साथ मिलकर संकित से बेरहमी मारपीट की। कोतवाली प्रभारी नीरज मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्जीय दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले दो अंतरराज्यीय बदमाशों को शनिवार को गिरफ्ता कर लिया। उनके कब्जे से चोरी के आठ दोपहिया वाहन और अवैध हथियार बरामद हुए। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी सेक्टर-57 स्थित शौचालय के पास से बाइक सवार दो बदमाशों को दबोच लिया। पूछताछ करने पर पता चला कि वे एनसीआर से दोपहिया वाहन चोरी करते हैं। आरोपियों की पहचान दिल्ली के कोंडली निवासी टीटू और मयूर विहार फेज-3 निवासी एकांत उर्फ मोनू के रूप में हुई। टीटू मूलरूप से जिला बुलंदशहर के जमालपुर गांव का रहने वाला है, जबकि एकांत जिला बागपत के मलकपुर गांव का रहने वाला है। आरोपियों के पास से सात बाइक, एक स्कूटी और अवैध हथियार बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे दोनों मिलकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की भीड़भाड़ वाली मार्केट एवं कंपनियों की पार्किंग से मौका पाकर बाइक चोरी करते थे। चोरी किए गए वाहनों को कम आवाजाही वाले स्थानों पर छिपाकर रखते थे। बाद में ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें बेच देते थे। चोरी से प्राप्त धनराशि का उपयोग वे अपने शौक एवं नशे की पूर्ति में करते थे। टीटू के खिलाफ 13 ओर एकांत के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज हैं।

प्लॉट पर कब्जा दिलाने पहुंची टीम के सामने दंपति पर हमला

गाजियाबाद। नंदग्राम क्षेत्र में प्लॉट पर कब्जा दिलाने पहुंची राजस्व विभाग की टीम के सामने ही दंपति पर लाठी-डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तीन नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शशि गार्डन, मयूर विहार फेस-एक दिल्ली की गली नंबर-आठ में रहने वाली संतोष शर्मा ने नंदग्राम थाने में शिकायत देकर बताया कि उनके पति अनिल शर्मा ने वर्ष 2014 में गढ़ी गुलधर निवासी कृष्णपाल उर्फ ढोला से 200 वर्ग गज का प्लॉट बैनामे के जरिए खरीदा था। आरोप है कि बैनामे के बाद भी उन्हें प्लॉट का कब्जा नहीं दिया गया। स्थानीय चौकी पर कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद राजस्व विभाग की ओर से लेखपाल ने 30 जुलाई को पैमाइश कर कब्जा दिलाने के लिए मौके पर बुलाया। आरोप है कि कृष्णपाल उर्फ ढोला, उसका बेटा आधार, दीपक उर्फ गोलुआ और दो अन्य लोगों ने उनके पति पर अनिल शर्मा पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

परी चौक पर जाम से निजात के लिए योजना बनेगी

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। परी चौक समेत जिले के अन्य प्रमुख चौराहों पर जाम लगने लगा है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की ओर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी में विस्तृत कार्ययोजना तैयार होगी। सांसद डॉ.महेश शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को हुई संसद सदस्य सड़क सुरक्षा एवं विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में इस मुद्दे पर विशेष चर्चा की गई। दुर्घटना संभावित स्थान पर किए गए सुधार कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिए गए। जिलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी निदेर्शों और सुझावों का समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक में दुर्घटना संभावित स्थान के स्थायी सुधार, आधुनिक सड़क सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता पर विशेष जोर दिया गया। सांसद डॉ.महेश शर्मा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। सुरक्षित सड़कें, अनुशासित यातायात और जागरूक नागरिक ही दुर्घटनाओं को कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। सांसद ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना सिटी क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक दबाव, परी चौक सहित विभिन्न प्रमुख चौराहों पर लगने वाले जाम तथा यातायात प्रबंधन की चुनौतियों पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को दीर्घकालिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर

लिया।उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है। इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उन्होंने सेशेल्स के जेड मिकोक को भी 5-0 से हराया था और सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। भारत के लिए अभी तक बॉक्सिंग में 10 मेडल पक्के हैं। अंकुश और प्रीति ने फाइनल में पहुंचते ही दो सिल्वर कम से कम पक्के किए हैं। वहीं उनके अलावा 8 और बॉक्सर सेमीफाइनल में उतरेंगे। यानी अगर यह खिलाड़ी हारते हैं तब भी भारतीय मुक्केबाजों को ब्रॉन्ज मेडल मिल जाएगा। आपको बता दें कि मुक्केबाजी में दो ब्रॉन्ज मेडल मिलते हैं। सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों मुक्केबाजों को ब्रॉन्ज दिया जाता है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए। लेकिन उन्हें उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

देवेंद्र सिंह ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

एशियन स्टार्स के लिए इस मैच में देवेंद्र सिंह ने शानदार पारी खेली और 8वें नंबर पर बैटिंग करने आए इस बैटर ने अपनी बल्लेबाजी के तूफान मचा दिया। देवेंद्र ने 21 गेंदों पर ही 58 रन ठोक दिए और नाबाद रहे। अपनी पारी के दौरान उन्होंने 5 छक्के और 5 चौके लगाए साथ ही उनका स्ट्राइक रेट 276.19 रहा। राजीव ऋषि ने भी अच्छी पारी खेली और वो भी 16 गेंदों पर 26 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके अलावा ओपनर संदीप सिंह ने 33 रन जबकि दिलशान मनुवीरा ने 25 रन बनाए। तिलकरत्ने दिलशान इस मैच में अपना खाता भी नहीं खोल पाए।

दिलशान ने झटके तीन विकेट

तिलकरत्ने दिलशान इस मैच में डक पर आउट हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी टीम (एशियन स्टार्स) के लिए कमाल की गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट झटके और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी रहे। कप्तान मेहरान खान ने भी 3 ओवर में 7 रन देकर 2 सफलता हासिल की। पाकिस्तान पैंथर्स की बल्लेबाजी काफी खराब रही और इस टीम के लिए याशिर शाह ने सबसे ज्यादा 34 रन की पारी खेली जबकि मोहम्मद इरफान ने 30 रन का योगदान दिया। कप्तान इमरान नाजिर एक ही रन बना पाए जबकि हसन रजा ने 17 रन की पारी खेली।

प्रीति-जैस्मिन ने भी दिखाया दम, दोनों ने दिलाया गोल्ड

ग्लास्को (एजेंसी)। भारतीय महिला बॉक्सर प्रीति पंवार ने 54 किलोग्राम भारवर्ग महिला बॉक्सिंग प्रतियोगिता के फाइनल में कनाडा की बॉक्सर को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। प्रीति ने काफी रोमांचक इस मुकाबले को एकतरफा अंदाज में जीत लिया और ये इस 22 साल की भारतीय महिला बॉक्सर का कॉमनवेल्थ गेम्स में पहला पदक रहा। यही नहीं इसके ठीक बाद 57 किलोग्राम भारवर्ग महिला बॉक्सिंग फाइनल प्रतियोगिता में जैस्मिन लंबोरिया ने भी अपना दम दिखाया और भारत को गोल्ड दिलाया। भारत ने बॉक्सिंग में बैक-टू-बैक दो गोल्ड मेडल जीते।भारत को बॉक्सिंग में जिस ऐतिहासिक गोल्ड मेडल का इंतजार था वह मिल गया और भिवानी की प्रीति पंवार ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत के लिए मेडल का खाता खोला। एशियन चैंपियन प्रीति अब कॉमनवेल्थ चैंपियन भी बन गई हैं और उन्होंने कनाडा की स्कारलेट सवाना डेलगाडो के खिलाफ 5-0 से सर्वसम्मत फैसले के साथ शानदार जीत हासिल की।

प्रीति ने बनाए रखा अपना दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय बॉक्सर ने शुरू से आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा और महिलाओं के 54 किलोग्राम फाइनल का पहला राउंड स्कारलेट सवाना डेलगाडो के खिलाफ 5-0 के एकतरफा फैसले से जीता। सभी पांच जजों ने एक जैसा 10-9 स्कोर देकर उनके पक्ष में फैसला सुनाया। पहले राउंड की तरह ही दूसरा राउंड भी प्रीत के पक्ष में रहा था। इसके अलावा डेलगाडो को एक पेनल्टी पॉइंट मिला जिससे स्कोर और भी ज्यादा भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। सभी पांच जजों ने एक जैसा ही 20-18 का स्कोर दिया।

जैस्मिन लंबोरिया ने भी जीता सोना

प्रीति के बाद जैस्मिन लंबोरिया ने भी अपने पंच का दम ग्लासगो में दिखाया और उन्होंने भी देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का काम किया।जैस्मिन लंबोरिया ने महिलाओं के 57 किग्रा फाइनल मेंउत्तरी आयरलैंड की माइकेला वॉल्श को 5-0 से हराया और खिताब अपने नाम किया।जैस्मिन ने इससे पहले 2022 कॉमनवेल्थ में भारत के लिए लाइटवेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।ये उनका दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स मेडल रहा।इन 2 गोल्ड के बाद भारत के इस इवेंट में गोल्ड मेडल की संख्या अब 7 हो गई।

पुरुष त्रिकूद स्पर्धा में भारत को मिली दोहरी सफलता, प्रवीण चित्रावेल ने रजत और सेल्वा ने जीता कांस्य

ग्लास्गो, एजेंसी। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत ने 10वें दिन पुरुष त्रिकूद स्पर्धा में दोहरी सफलता हासिल की। भारत की ओर से इस स्पर्धा में प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु ने दमदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले, पैरा एथलेटिक्स इवेंट में पुरुषों के टी-54 1500 मीटर फाइनल में भारत के रमेश शनमुगम 3:23.59 का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे।

भारत के नाम अब तक 30 पदक

प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के सर्वश्रेष्ठ अटैम्प्ट के साथ कांस्य पदक जीता। त्रिकूद में पदक का यह ऐतिहासिक मौका था। प्रवीण पहले भी पदक जीत चुके हैं, लेकिन सेल्वा ने भी अच्छी टक्कर दी। भारत ने सात स्वर्ण, 13 रजत और सात कांस्य समेत 30 पदक जीत लिए हैं। इनमें से दो स्वर्ण आज ही मुक्केबाजी में आए हैं।

तेजस्विन शंकर बने डेकाथलन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन– शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन– विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

भारत का सबसे बड़ा डेकाथलॉन मेडल– बॉल 109 पॉइंट्स से पीछे थे, इसलिए उन्हें 1500 मीटर में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी, जबकि तेजस्विन को बस टिके रहने की जरूरत थी।

भाला फेंक में नीरज चोपड़ा को रजत, कांस्य पदक भी भारत की झोली में आया

स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में आज भाला फेंक स्पर्धा का फाइनल मुकाबला हुआ। ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीत चुके स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा समेत तीन भारतीयों ने आज इस प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रमंडल खेल ग्लास्गो में पुरुषों की जेवलिन थ्रो स्पर्धा में नीरज के अलावा जो दो अन्य भारतीय शामिल हुए, उनके नाम रोहित यादव और यशवीर सिंह हैं। इस वैश्विक स्पर्धा में कांटे की टक्कर हुई। नीरज चोपड़ा ने इस सीजन का बेस्ट थ्रो किया, लेकिन स्वर्ण पदक जीतने से चूक गई। स्वर्ण पदक श्रीलंकाई खिलाड़ी रुमेश थरंगा पथिरागे ने जीता। इस बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर आज एक अन्य भारतीय खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उन्होंने भारत के लिए कांस्य पदक जीता।

युवा खिलाड़ी और नदीम पर भी रही नजरें

नीरज चोपड़ा के अलावा इस स्पर्धा में श्रीलंकाई युवा रुमेश थरंगा पथिरागे के थ्रो पर भी जमकर चर्चा हुई है। शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात फाइनल मुकाबले से पहले आई खबरों में नीरज और रुमेश के बीच दोस्ती और उनकी तस्वीरों को लेकर भी काफी चर्चा हुई। ग्लास्गो की स्पर्धा में दोनों ने अपने-अपने देश के लिए जान लगाई, पदक की दौड़ में स्वर्ण की बाजी श्रीलंकाई एथलीट ने मारी। दिलचस्प यह भी रहा कि उन्होंने केवल एक ही प्रयास में सोने पर निशाना साध लिया।। इस स्पर्धा में नीरज और रुमेश के अलावा पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम पर भी नजरें रहीं। पिछली अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा (पेरिस ओलंपिक 2024) में नदीम 92 मीटर से अधिक दूरी के रिकॉर्ड थ्रो के साथ बाजी मारने में सफल रहे थे, जबकि चोट से जूझ रहे नीरज को मायूसी हाथ लगी थी और उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा था। कॉमनवेल्थ गेम्स में डेब्यू कर रहे यशवीर सिंह ने प्रतियोगिता का सबसे यादगार पल अपने नाम किया। पहले पांच प्रयासों तक वह पदक की दौड़ से बाहर दिखाई दे रहे थे, लेकिन छठे और अंतिम प्रयास में उन्होंने 85.41 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर सीधे कांस्य पदक पर कब्जा जमा लिया।

द हंड्रेड में दिखी खेल भावना, जेमिमा ने पाकिस्तान की फातिमा सना को लगाया गले

लंदन। इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट द हंड्रेड में भारत और पाकिस्तान की दो महिला क्रिकेटरों की मुलाकात चर्चा का विषय बन गई। सदर्न ब्रेव की ओर से खेल रहीं भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने मुकाबले के बाद बर्मिंघम फीनिक्स की खिलाड़ी और पाकिस्तान की ऑलराउंडर फातिमा सना को गले लगाया। दोनों खिलाड़ियों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। इसी दौरान जेमिमा और फातिमा ने एक-दूसरे का अभिवादन किया और गले भी मिलीं। इस घटना की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।

2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ औपचारिक मेल-

मिलाप को लेकर सतर्क रुख अपनाया था। ऐसे माहौल में द हंड्रेड के इस मुकाबले के बाद जेमिमा और फातिमा की मुलाकात ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, यह मुलाकात फ्रेंचाइजी क्रिकेट का हिस्सा थी, जहां अलग-अलग देशों के खिलाड़ी एक ही टीम या विरोधी टीमों के लिए खेलते हैं और मैच के बाद एक-दूसरे का अभिवादन करना सामान्य खेल परंपरा का हिस्सा माना जाता है।मुकाबले में सदर्न ब्रेव ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 140 रन बनाए। लिजेल ली ने 43 और माइया बाउशियर ने 45 रन की अहम पारियां खेलीं। अंत में जेमिमा रोड्रिग्स ने सिर्फ 18 गेंदों में नाबाद 28 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वहीं, फातिमा सना गेंदबाजी में महंगी साबित हुईं। उन्होंने 15 गेंदों के अपने स्पेल में 33 रन दिए। बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से अलाना किंग और एलिस कैप्सी को एक-एक विकेट मिला।

24 रन से जीती सदर्न ब्रेव

141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बर्मिंघम फीनिक्स की शुरुआत अच्छी रही। टैमी ब्यूमोंट और डेविना पेरिन ने पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े। पेरिन ने 43 गेंदों में 52 रन बनाए, जबकि ब्यूमोंट ने 22 रन की पारी खेली। हालांकि, इन दोनों के आउट होते ही पारी लड़खड़ा गई। सारा ग्लेन, लॉरेन बेल और सोफी मोलिन्यू की सटीक गेंदबाजी के सामने फीनिक्स की टीम निर्धारित 100 गेंदों में पांच विकेट पर 116 रन ही बना सकी। एलिस पेरी 16 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि फातिमा सना पांच रन बनाकर लौटीं। इस जीत के साथ सदर्न ब्रेव ने मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत दर्ज की, जबकि बर्मिंघम फीनिक्स की टीम अब भी अपनी पहली जीत का इंतजार कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में जल्द लागू होगा लैंड टाइटलिंग कानून, हर संपत्ति मालिक को मिलेगा डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार राज्य में भूमि और संपत्ति के लेन–देन को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विवाद–मुक्त बनाने के लिए लैंड टाइटलिंग (भूमि स्वामित्व) कानून लागू करने की तैयारी कर रही है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने ठाणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि यह कानून लागू करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून पर अंतिम निर्णय दिसंबर में नागपुर में होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में लिया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत राज्य के प्रत्येक संपत्ति मालिक को सरकार की ओर से डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड जारी किया जाएगा। इस कार्ड में वर्तमान मालिक का नाम, कानूनी उत्तराधिकारियों का विवरण, भू–राजस्व रिकॉर्ड और संपत्ति से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज होंगी। सरकार का उद्देश्य संपत्ति के स्वामित्व का एक प्रमाणिक और भरोसेमंद डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराना है, जिससे भविष्य में स्वामित्व संबंधी विवादों में कमी आए। राजस्व मंत्री के अनुसार, डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड लागू होने के बाद संपत्ति खरीदने या बेचने के दौरान पुराने दस्तावेजों और हस्तांतरण रिकॉर्ड की बार–बार जांच करने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की गारंटी वाला यह कार्ड डेबिट या क्रेडिट कार्ड की तरह एक विश्वसनीय दस्तावेज होगा, जिसे भारत के साथ–साथ विदेशों में भी मान्यता मिलने की उम्मीद है। सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया में सुधार के लिए 'पहले माप, फिर पंजीकरण' का नियम भी लागू करेगी। इसके तहत किसी भी भूमि का सर्वेक्षण किए बिना उसका पंजीकरण या लेन–देन नहीं किया जा सकेगा। इससे भूमि की वास्तविक सीमाएं और स्वामित्व रिकॉर्ड अधिक स्पष्ट होंगे तथा विवादों की संभावना कम होगी। राज्य सरकार शहरी सहकारी गृहनिर्माण समितियों (हाउसिंग सोसायटी) में रहने वाले फ्लैट मालिकों के लिए भी अलग वर्टिकल प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने की योजना बना रही है। इससे प्रत्येक फ्लैट का स्वतंत्र और स्पष्ट स्वामित्व रिकॉर्ड उपलब्ध होगा। सरकार का मानना है कि यह व्यवस्था संपत्ति प्रबंधन को अधिक पारदर्शी बनाएगी और भविष्य में स्वामित्व से जुड़े कानूनी विवादों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अनोखी शादी! जुड़वा दूल्हे और जुड़वा दुल्हनें; शादी करवाने वाले पादरी भी जुड़वा

कोट्टायम , एजेंसी। केरल के कोट्टायम जिले में चंगनासेरी में एक अनोखी शादी देखने को मिली। यहां दो जुड़वा बहनों की एक साथ शादी की गई। इतनी तो आम बात है। खास बात यह थी की उन दोनों की शादी दो जुड़वा भाइयों से की गई। इतना ही नहीं शादी कराने वाले पादरी भी जुड़वा भाई थे। अखिल के थॉमस की शादी मागी मैरी थॉमस से हुई। वहीं उनकी छोटी बहन मारिया मेरी थॉमस की शादी निखिल के छोटे भाई निखिल के थॉमस के साथ हुई। दोनों जोड़े शादी करने के लिए चंगनासेरी मेट्रोपॉलिटन चर्च पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों परिवारों का सपना था कि ऐसी जगह शादी होगी जहां दोनों एक साथ रह सकें। संयोग इतना अच्छा रहा कि दोनों जुड़वा बहनों की शादी जुड़वा भाइयों से हो गई। वहीं शादी कराने वाले पादरी भी जुड़वा ही निकले। अखिल और निखिल के पिता का नाम कंजूमन थॉमस है और वे वेत्तुपारांबिल के रहने वाले हैं। वहीं मागी और मारिया के पिता का नाम तोमिचन है और वे कुंबुलुवेलिल की रहने वाली हैं। उनकी शादी कराने वाले पादरी के नाम फादर ऐंटो पेजुमकत्तिल और फादर अजो पेजुमकत्तिल है। जानकारी के मुताबिक दोनों जुड़वा बहनों ने ऐसे पादरी की तलाश की थी जो कि जुड़वा हों। एक बहन ने कहा, हमारे माता पिता ने सपना देखा था कि हमारी शादी जुड़वा भाइयों से हो और जुड़वा पादरी शादी करवाएं। ईश्वर ने जीसस क्राइस्ट ने हमारा सपना पूरा कर दिया। हमने जब पादरियों से शादी करवाने की रिक्वेस्ट की तो वे तुरंत तैयार हो गए। उन्होंने यह भी कहा कि यह शादी उनके लिए भी खास है। उन्होंने कहा कि यह शादी जीवनभर की अच्छी याद है। इसे संजोकर रखना है। शादी करवाने वाले पादरी ने कहा, दोनों का जन्म भी साथ में हुआ था और अब नया जीवन भी साथ में ही शुरू हो रहा है।

कौन हैं एक्टिविस्ट प्रणब डोले? बेल मिलते ही फिर हुई जेल, असम सरकार ने लगाया एनएसए

काजीरंगा , एजेंसी। असम के काजीरंगा नेशनल पार्क के पास प्रस्तावित एक लग्जरी होटल प्रोजेक्ट का विरोध करने वाले प्रमुख भूमि और मूल निवासी अधिकार कार्यकर्ता प्रणब डोले की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानीय अदालत से जमानत मिलने के ठीक एक दिन बाद ही असम सरकार ने उन पर सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगा दिया है। सरकार का तर्क है कि उनकी गतिविधियां 'सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा' हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रणब डोले को गोलाघाट पुलिस ने 12 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी काजीरंगा के पास इंग्ले पाथर में प्रस्तावित एक लग्जरी होटल के खिलाफ 28 जून को हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ी थी। प्रणब डोले पिछले कई सालों से इस प्रोजेक्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। वे इस प्रोजेक्ट से संभावित पर्यावरणीय नुकसान और स्थानीय मूल निवासियों के विस्थापन को लेकर लगातार चिंता जताते रहे हैं। इस मामले में प्रणब डोले के अलावा चार अन्य कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अपनी एफआईआर में दावा किया था कि प्रणब डोले और करीब 50 अन्य लोग 'घातक हथियारों' (जैसे छुरा और तेज धारदार लाठियां) के

साथ योजनाबद्ध तरीके से प्रोजेक्ट साइट पर घुसे थे। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला किया, भीड़ को उकसाया और आगे उग्र आंदोलन की धमकी दी। हालांकि, 29 जुलाई को गोलाघाट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने डोले को जमानत दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में अहम टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया पुलिस के आरोपों को साबित करने वाला कोई वीडियो फुटेज मौजूद नहीं है। जांच के दौरान पुलिस को प्रदर्शनकारियों के पास से कोई 'घातक हथियार' भी बरामद नहीं हुआ है।

जेल से बाहर आने से पहले ही लगा एनएसए

अदालत से जमानत मिलने के बावजूद प्रणब डोले जेल से बाहर नहीं आ सके। वे गोलाघाट जिला जेल में ही थे, तभी राज्य सरकार ने गोलाघाट के एसएसपी की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रिवेंटिव डिटेंशन (निवारक निरोध) के तहत उन पर एनएसए लगाने का आदेश जारी कर दिया।

सरकार के आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि प्रशासन ने डोले की गतिविधियों की प्रकृति, गंभीरता और संभावित परिणामों पर विचार किया है। सरकार का मानना है कि अगर उन्हें नहीं रोका गया, तो इस बात की पूरी और तत्काल आशंका है कि वे राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली गतिविधियों में शामिल रहेंगे।

190 करोड़ की दवा खरीदी में हुई कार्रवाई सवालों के घेरे में, शीर्ष अधिकारियों पर उठ रहे हैं सवाल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) की करीब 190 करोड़ रुपये की दवा खरीदी में अमानक घोषित पैरासिटामोल के चार बैचों पर शुरू हुई कार्रवाई सवालों के घेरे में है। आपूर्तिकर्ता नाइन एम इंडिया को ब्लैकलिस्ट करने और सुरक्षा निधि जब्त करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कंपनी ने अपने जवाब में एक ओर दवा को पूरी तरह मानक के अनुरूप बताया। वहीं, दूसरी ओर उन्हीं विवादित बैचों को बदलकर दोबारा आपूर्ति किए जाने की बात भी स्वीकार की। बाद में मल्टी विटामिन कैप्सूल, डाइसाइक्लोमाइन टैबलेट और एंटीबायोटिक इंजेक्शन के संदिग्ध बैचों का वितरण भी रोकना पड़ा। दस्तावेजों के अनुसार, सीजीएमएससी ने कंपनी का जवाब स्वीकार कर प्रस्तावित दंडात्मक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई। आरोप है कि इसी निर्णय से नाइन एम इंडिया ब्लैकलिस्टिंग, अनुबंध के तहत लगने वाली पेनाल्टी और पूरी खेप बदलने के वित्तीय दायित्व से बच गई। जिस अवधि में यह निर्णय लिया गया, तब से सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रीतेश अग्रवाल, जीएम (टेक्निकल) पंकज उपाध्याय और एफएसओ प्रेमेश्वर देवांगन संबंधित प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी हैं। ऐसे में उनके निर्णय पर सवाल उठ रहे हैं।ऐसे बचाई गई नाइन एम इंडिया दवा कंपनी सीजीएमएससी ने पैरासिटामोल 500 एमजी के जिन बैचों को लेकर नाइन एम इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

दिल्ली में हुई बैठक में किस नाम पर लगी मुहर

हिमाचल कैबिनेट में बड़े बदलाव की तैयारी

शिमला, एजेसी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र से पहले मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की संभावनाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने नई दिल्ली में प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सरकार और संगठन के कामकाज का फीडबैक दिया। मुख्यमंत्री, रजनी पाटिल और विनय कुमार के बीच अलग से भी बैठक हुई।

सूत्रों के अनुसार कैबिनेट विस्तार के साथ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल पर भी मंथन हुआ। कुल्लू के विधायक सुंदर ठाकुर और ज्वालाजी के विधायक संजय रतन का नाम मंत्रिपद के लिए सबसे आगे बताए जा रहे हैं। सुंदर ठाकुर के दिल्ली पहुंचने के बाद राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

पहले शिमला संसदीय क्षेत्र से एक मंत्री को हटाने की भी चर्चा रही है, यदि ऐसा होता है तो एक साथ दो नए मंत्री मंत्रिमंडल में शामिल किए जा सकते हैं। नए मंत्रियों के चयन में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन के साथ 2027 के विधानसभा चुनावों को भी ध्यान में रखा जाएगा। विधानसभा उपाध्यक्ष के रिक्त पद को भरने की भी तैयारी है, जबकि राजेश धर्माणी और यादवेंद्र गोमा को नए विभाग मिलने की संभावना जताई जा रही है।

कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक भी जल्द होगी। प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने इसके लिए पार्टी हाईकमान से समय मांगा है। पहले यह बैठक धर्मशाला में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके सोलन जिले के कसौली में होने की संभावना है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित प्रदेश मंत्रिमंडल में 11 मंत्री हैं। मंडी, कुल्लू, लाहुल-स्पीति और चंबा जिलों का मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं है, हालांकि चंबा से विधानसभा अध्यक्ष हैं। शिमला से तीन, कांगड़ा से दो तथा सोलन, सिरमौर, किन्नौर, बिलासपुर और ऊना से एक-एक मंत्री हैं, जबकि मुख्यमंत्री हमीरपुर और उपमुख्यमंत्री ऊना का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आई

मुझे ऐरे-गैरे नत्थू-खैरों से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए; डोटासरा के बयान से राजस्थान कांग्रेस में बढ़ी तल्खी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आती नजर आ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के 'ऐरे-गैरे नत्थू-खैरे' वाले बयान के बाद अब उन्हीं की पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप चौधरी ने बिना नाम लिए ऐसा पलटवार किया है, जिसने सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। दोनों नेताओं के बयानों को कांग्रेस के दो खेमों के बीच बढ़ती तल्खी के तौर पर देखा जा रहा है।

डोटासरा बोले- राहुल गांधी का भरोसा काफी, किसी और के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं-जयपुर में आयोजित कांग्रेस कार्यक्रम के दौरान प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने संबोधन में कहा कि राहुल गांधी ने उनसे और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से कहा है कि दोनों अच्छा काम कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा कि अब उन्हें किसी ऐरे-गैरे नत्थू-खैरे से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। डोटासरा ने कहा कि जब उनका सर्वोच्च नेतृत्व उनके काम से संतुष्ट है तो किसी दूसरे की राय उनके लिए मायने नहीं रखती। उनका यह बयान तुरंत राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया।

24 घंटे भी नहीं बीते, अपने ही प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया पलटवार- डोटासरा के बयान के अगले ही दिन कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर बिना किसी का नाम लिए लिखा ऐरे-गैरे नत्थू-खैरे कुछ बन जाते हैं, तो पागल हो जाते हैं।हालांकि चौधरी ने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे सीधे-सीधे डोटासरा के बयान का जवाब माना जा रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के भीतर गुटबाजी की चर्चा फिर तेज हो गई है।

गहलोत समर्थक माने जाते हैं संदीप चौधरी

संदीप चौधरी पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी नेताओं में गिने जाते हैं। इसके साथ ही उन्हें कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला का भी भरोसेमंद माना जाता है। गहलोत सरकार के दौरान उन्हें बंजर भूमि विकास बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया था और राज्यमंत्री का दर्जा भी मिला था।

ऐसे में उनका यह बयान केवल सोशल मीडिया पोस्ट नहीं, बल्कि कांग्रेस के अंदर चल रही राजनीतिक खींचतान का संकेत माना जा रहा है।

शुरुआत गहलोत पर डोटासरा के तंज से हुई थी- दरअसल, विवाद की शुरुआत गुरुवार को उस समय हुई, जब पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय के नेतृत्व में बांसवाड़ा के कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आवास पहुंचे और उन्हें चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने के नारे लगाए। इसके बाद जब यही कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे तो डोटासरा ने बिना नाम लिए गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यक्तिगत ब्रांडिंग करने वालों को वह मुबारक हो, लेकिन व्यक्तिवाद ने कांग्रेस का सबसे ज्यादा नुकसान किया है।

स्पेन में सेना क्यों बुलानी पड़ी; इटली-फ्रांस में सख्ती

स्यूटा/फ्निदेक, एजेंसी। स्पेन के स्यूटा में बृहस्पतिवार को उस समय अभूतपूर्व संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई जब 24 घंटे के भीतर 84 हजार आबादी के शहर में करीब 60 हजार प्रवासी यहां घुस गए। मोरक्को से आए प्रवासियों की यह भीड़ यूरोपीय देशों में प्रवेश पाने के इरादे से यहां घुसी थी। अचानक भीड़ बढ़ने से हालात इस कदर बिगड़ गए स्पेन को सेना बुलानी पड़ी। इस दौरान कई जगहों पर झड़पों की खबर है। भगदड़ और बवाल में 34 लोगों की मौत की खबर है।

क्या हुआ स्यूटा में?: प्रवासियों का हुजूम स्यूटा के पास एक पहाड़ी पर इकट्ठा देखा गया। इन्हें मोरक्को के बलों ने आंसू गैस के गोले दागकर तितर-बितर किया, जबकि अन्य लोग तैरकर स्पेन के इलाके में जाते रहे। स्पेन के गृह मंत्रालय ने बताया कि करीब 25,000 लोग वापस लौट चुके हैं। सामने आए वीडियो फुटेज में कई लोग समुद्र पार करते नजर आए। कई लोग स्पेन विवा एस्पाना (स्पेन जिंदाबाद) के नारे लगा रहे थे। मोरक्को के 33 साल के अहमद करीम ने कहा कि उन्होंने अपने देश में नौकरी न होने की वजह से स्यूटा में प्रवेश किया। बिगड़ते हालात के बीच स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज शुक्रवार को खुद हालात का जायजा लेने के लिए स्यूटा पहुंचे। सांचेज ने इसे क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया। सांचेज के आने पर भीड़ में उनकी अच्छी-खासी हूटिंग भी की। स्पेन में मोरक्को की राजदूत करीमा बेन्याइच ने उम्मीद जताई कि जो लोग मोरक्को से स्पेन के इस इलाके में गए हैं, वे वापस लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि यह सब मोरक्को की मर्जी के खिलाफ हुआ है।

इटली और फ्रांस ने क्या कदम उठाए?: ताजा घटना के बाद यूरोपीय देशों में गहरे मतभेद उभर आए हैं। इटली ने स्पेन के साथ अपने शेंगेन वीजा समझौते (बिना वीजा यात्रा नियम) को निलंबित कर दिया है। अब बिना वीजा इटली की यात्रा नहीं की जा सकेगी। प्रवासन नीतियों की आलोचना करते हुए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने पहले ही वीजा निलंबित करने की धमकी दी थी। वहीं फ्रांस ने भी स्पेनिश सीमा पर अपनी जांच कड़ी कर दी है। सीमा पर त्वरित हस्तक्षेप सीमा बल सक्रिय कर दिया है। स्पेन ने इटली की कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए उसके राजदूत को तलब किया है।

घुसपैठ की वजह अदालती फैसला भी: मोरक्को से प्रवासियों के अचानक इस तरह पहुंचने की एक वजह इस माह के शुरू में स्पेन के सुप्रीम कोर्ट का वह फैसला हो सकता है, जिसके तहत स्यूटा या मेलिला पहुंचने का प्रयास करते समय समुद्र में रोके गए प्रवासियों को विशेष नियमों के तहत तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता है। पांच वर्ष पहले भी बनी थी ऐसी स्थिति...प्रवासियों की बढ़ती संख्या की तुलना मई 2021 की स्थिति से की जा रही है, जब कुछ ही दिनों में लगभग 10 हजार लोग स्यूटा पहुंच गए थे। इस घटना के कारण स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया था।

एआई को स्मार्ट बनाने की कैसी कीमत? सदियों पुरानी किताबें खरीदकर स्कैन कीं, फिर कर दीं नष्ट

लंदन, एजेंसी। किताबें ज्ञान का खजाना होती हैं, और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के बुद्धि विवेक को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। लेकिन अब अपने-अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टूल को इन्सानों से ज्यादा समझदार बनाने की होड़ में जुटी कंपनियां उन्हें नष्ट करने पर उतर आई हैं। ये कंपनियां बड़ी संख्या में सेकंड हैंड दुर्लभ किताबें खरीदती हैं,

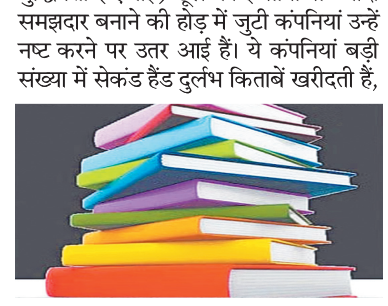

उनके जिल्द काटकर स्कैन करती हैं और फिर लुगदी में बदल देती हैं। इस सांस्कृतिक बर्बरता की शुरुआत एन्थ्रोपिक ने फरवरी, 2024 में की थी। एआई कंपनियों के इस कदम से दुनियाभर के लेखकों, प्रकाशकों और पुस्तक प्रेमियों में रोष फैलता जा रहा है। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई का मशीन लर्निंग मॉडल अधिक जानकारियों से भरपूर हो और उन्हें ज्यादा रोचक ढंग से लिख सके, इसके लिए जिन किताबों को नष्ट किया गया उनमें कई 16वीं, 17वीं, 18वीं शताब्दी की हैं।

क्या स्कैनिंग के बाद किताबें काटना जरूरी

कैलिफोर्निया की एक कोर्ट ने डिजिटल स्कैनिंग के बाद मूल भौतिक किताब को नष्ट करने को कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं माना था, क्योंकि डिजिटल संस्करण ने भौतिक संस्करण की जगह ले ली थी। इस पेच का फायदा उठाकर कंपनियों को पुरानी किताबें कौड़ियों के भाव खरीदकर नष्ट करने का मौका मिल गया।

3,000 किताबों के ऑर्डर ने चौंकाया

नीदरलैंड्स के हार्लेम शहर में पुरानी व दुर्लभ किताबों के दुकान चलाने वाले डच व्यवसायी पीटर डी व्रीस को जून के मध्य में अजीबो–गरीब ई–मेल मिला था। उसमें 3,000 शीर्षकों की एक बड़ी सूची संलग्न थी, जिन्हें खरीदने के लिए 2077एआई नामक कंपनी की नताल्या नामक महिला ने संपर्क किया था। बाद में पीटर को पता चला कि यह सिलिकॉन वैली की एआई कंपनियों की थोक में किताबें खरीदकर उन्हें नष्ट करने वाले गुप्त अभियान का हिस्सा था।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा?: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है।

इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से

चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है?: कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा?: हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह?: हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी?: ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है। आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं।

गाजा में अमेरिका की 15 सूत्रीय योजना: ट्रंप का दावा- हथियार डालेगा हमास, क्या इस्राइल अब छोड़ देगा गाजा पट्टी?

गाजा, एजेंसी। गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 15 सूत्रीय शांति योजना का एलान किया है। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, हमास ने इस प्रस्ताव पर सहमति जता दी है। हालांकि, इस्राइल की ओर से अभी तक इस योजना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य गाजा में संघर्ष समाप्त करना, इस्राइली सेना की वापसी, प्रशासनिक व्यवस्था बहाल करना और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करना है।

योजना के अनुसार सभी पक्ष ट्रंप की व्यापक शांति योजना और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 (2025) के तहत गाजा में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर सहमत होंगे। इसका लक्ष्य गाजा में हिंसा का चक्र खत्म करना, इस्राइली सेना की पूरी वापसी, सामान्य जीवन की बहाली, फलस्तीनी प्रशासन की स्थापना और आर्थिक पुनर्निर्माण को बढ़ावा देना है।

क्या युद्धविराम और प्रशासनिक बदलाव होंगे?: प्रस्ताव में कहा गया है कि इस्राइल शार्म अल-शेख प्रोटोकॉल के तहत अपने सभी शेष दायित्व पूरे करेगा और सैन्य अभियान रोकेगा। वहीं, हमास और अन्य फलस्तीनी गुट भी सभी सैन्य गतिविधियां समाप्त करेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,